रांची, शुक्रवार
12.12.2025
वर्ष : 11, अंक : 12 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

एनआईए का बड़ा खुलासा: 11 नक्सलियों पर चार्जशीट

रांची। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राउरकेला (ओडिशा) में हुई चार हजार किलोग्राम विस्फोटक लूट मामले में अहम खुलासा किया है। एनआईए की जांच में पता चला है कि झारखंड और ओडिशा के नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए विस्फोटक की लूट की थी। इस मामले में एनआईए ने 11 नक्सलियों पर चार्जशीट दाखिल किया है। इनमें झारखंड के सारंडा में सक्रिय एक करोड़ इनामी नक्सली पतिराम मांझी उर्फ अनल, जरजा मुंडा, पिंटू लोहरा, लालजीत, शिवा बोदरा, अमित मुंडा, सुखलाल मुंडा, रवि, राजेश, सोहन और अप्टन शामिल हैं। एनआईए ने अपनी जांच में पाया कि ये आरोपित लगभग 200 विस्फोटक पैकेट (एक में 20 किलोग्राम) की लूट की आपराधिक साजिश, योजना और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल थे। उल्लेखनीय है कि लूट गया विस्फोटक झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा से बरामद किया गया था।

प्रधानमंत्री 15 दिसंबर से तीन देशों की यात्रा पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार (15 दिसंबर) से तीन देशों जॉर्डन, इथोपिया और ओमान की यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 15-16 दिसंबर तक जॉर्डन का दौरा करेंगे। इस दौरे के दौरान वे किंग अब्दुल्ला द्वितीय बिन अल हुसैन से मिलेंगे और भारत और जॉर्डन के बीच संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। दूसरे चरण में प्रधानमंत्री 16-17 दिसंबर तक इथियोपिया का राजकीय दौरा करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी का इथियोपिया का पहला दौरा होगा। वह प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली के साथ भारत-इथियोपिया द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे। अंतिम चरण में प्रधानमंत्री 17-18 दिसंबर तक ओमान का दौरा करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी का ओमान का दूसरा दौरा होगा। दिसंबर 2023 में ओमान के सुल्तान भारत के राजकीय दौरे पर आए थे। भारत और ओमान के बीच एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है। इसमें व्यापार, निवेश, ऊर्जा, रक्षा, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, कृषि और संस्कृति के क्षेत्रों पर चर्चा सहित आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा।

सीएजी की रिपोर्ट में खुलासा: झारखंड में लघु खनिज प्रबंधन में हुई भारी अनियमितताएं

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य की प्रधान महालेखाकार इन्दु अग्रवाल ने सीएजी की रिपोर्ट के आधार पर झारखंड में लघु खनिजों के प्रबंधन को लेकर चौंकाने वाली अनियमितताएं उजागर की हैं। प्रधान महालेखाकार के अनुसार, बालू घाटों के संचालन, पत्थर खदानों के पट्टों की स्वीकृति और नीलामी में भारी गड़बड़ियां हुईं, जिससे राज्य को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है।

अग्रवाल ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि सीएजी की रिपोर्ट बताती है कि राज्य में कई खनन पट्टे वन भूमि पर अवैध तरीके से दे दिए गए, जबकि नीलामी प्रक्रिया बेहद धीमी रही और सिर्फ 3.77 प्रतिशत ब्लॉकों की ही नीलामी हो सकी। राजस्व 2017-18 के 1,082 करोड़ से घटकर 2021-22 में 697 करोड़ रुपये रह गया।

सीएजी की रिपोर्ट में पर्यावरणीय स्वीकृति प्रक्रिया में भी गंभीर खामियां उजागर की गई हैं। आवेदकों ने जाली प्रमाण-पत्र लगाकर बड़ी भूमि को छोटे श्रेणी में दिखा दिया, जिससे उन्हें गलत वर्ग में पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई।

इन गलत मंजूरियों के आधार पर पंजीकृत पट्टाधारियों ने वर्ष 2022-23 और 2023-24 के बीच 6.35 लाख घनमीटर पत्थर का अवैध उत्खनन किया, जिसका मूल्य लगभग 19.88 करोड़ है। खदानों में सुरक्षा अवरोध, पौधारोपण, वायु-ध्वनि निगरानी जैसे पर्यावरणीय उपायों को भी अधिकांश खदानों में नजरअंदाज किया गया।

साहिबगंज में अधिकार से बाहर जाकर दिया गया भूमि पट्टा

उन्होंने बताया कि सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड के साहिबगंज, चतरा और पलामू जिलों में पट्टा आवंटन में गंभीर गड़बड़ियां उजागर हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि साहिबगंज में उपायुक्त ने अपने अधिकार क्षेत्र से अधिक 4.74 हेक्टेयर भूमि पर पट्टा स्वीकृत कर दिया, जिसे ई-नीलामी के लिए जाना चाहिए था। चतरा और पलामू में तो वन भूमि को गैर-मजरुआ परती दिखाकर आठ पट्टे दे दिए गए। यह सीधे तौर पर वन संरक्षण अधिनियम 1980 का उल्लंघन है।

पट्टाधारियों ने तय सीमा से 33.21 लाख घनमीटर अधिक लघु खनिजों का किया खनन

प्रधान महालेखाकार ने कहा कि झारखंड में अवैध खनन पर प्रशासनिक ढिलाई एक बार फिर सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चार जिलों के 26 पट्टाधारियों ने तय सीमा से 33.21 लाख घनमीटर अधिक लघु खनिजों का खनन किया, जिसका जुमार्ना 205.21 करोड़ बनता था। लेकिन जिला खनन कार्यालयों ने न तो जुमार्ना लगाया और न ही वसूली की। इसी तरह 30 मामलों में 27.53 करोड़ और 15 मामलों में 2.23 करोड़ की वसूली नहीं की गई, जिससे करोड़ों रुपये का राजस्व का नुकसान हुआ।

बालू घाट संचालन में बड़ी चूक: 608 में से सिर्फ 21 घाट ही चालू

झारखंड राज्य में बालू घाटों के संचालन को लेकर सीएजी ने बड़ा खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) को सौंपे गए 608 बालू घाटों में से केवल 21 का ही संचालन किया जा सका। रिपोर्ट में कहा गया है कि माइनिंग प्लान और पर्यावरणीय स्वीकृतियों में देरी के कारण 9,782 एकड़ क्षेत्र के 368 घाट वर्षों तक बंद पड़े रहे। इस निष्क्रियता के कारण सरकार को 70.92 करोड़ रुपये के राजस्व से हाथ धोना पड़ा। इसके अलावा 2019झ्र22 के दौरान बालू से संबंधित स्वामित्व राशि में 82 लाख से 7.61 करोड़ तक की गडबडियां भी पाई गईं।

मुद्दाविहीन विपक्ष के पास नहीं है कोई सवाल : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शीतकालीन सत्र के समापन भाषण में विपक्ष को निशाने पर रखा। उन्होंने कहा कि मुद्दाविहीन विपक्ष के पास राज्य से संबंधित कोई भी सवाल नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सरकार के कामों का आइना दिखाना है, लेकिन ये सदन से गायब हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार के अभी एक साल पूरे नहीं हुए हैं। लेकिन एक साल में लंबी और गाढ़ी लकीर खींच दी है। राज्य ने सर्वांगीण विकास की राह में तेजी से चलना शुरू कर दिया है। यह शीतकालीन सत्र ही नहीं बल्कि न भूलने वाला विधानसभा का 25वां वर्ष भी है। युवा राज्य ऊर्जा से लवरेज और आगे बढ़ने को तत्पर है।

सत्र शुरू होने से लेकर समाप्ति तक विपक्ष के गायब रहने के पीछे कई कारण हैं। उनके पास न मुद्दा है, न सवाल है न तर्क है और न संवेदना है। विपक्ष ने सवालों से घेरने का प्रयास भी नहीं किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने पहले छात्रवृत्ति का मुद्दा उठाया, लेकिन इसमें भी केंद्र सरकार का सौतेला व्यवहार परिलक्षित हो रहा है। विपक्ष को सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। अपने आला-नेताओं से विचार-विमर्श करना चाहिए। विपक्ष की ओर से राज्य के कई बजट में भी कटौती कराई गई तो कई स्कूलों को बंद करा दिया गया। केंद्र सरकार ने दलित आदिवासी पिछड़ों के साथ अनुसूचित जाति को उच्च शिक्षा में मिलने वाली छात्रवृत्ति में 90 फीसदी, विदेश छात्रवृत्ति में 95 फीसदी, अल्पसंख्यक प्री मैट्रिक में 40 फीसदी, पोस्ट मैट्रिक में 63 फीसदी, मेधा आधारित छात्रवृत्ति टेक्नीकल और व्यवसायिक में 75 फीसदी और तकनीकी शिक्षण संस्थान के अनुदान में 61 फीसदी की कटौती कर दी। ऐसी स्थिति में विपक्ष की मांग उचित नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुजी क्रेडिट कार्ड में 15 लाख रुपए का ऋण सिर्फ चार फीसदी व्याज पर उपलब्ध कराया जा रहा है। सावित्री बाई फूले योजना चलाई जा रही है। प्राइवेट स्कूलों के तर्ज पर सरकार स्कूलों को खड़ा कर रही है। उन्होंने कहा कि कई जगह छात्रवृत्ति में बढ़ोत्तरी हुई है। धीरे-धीरे शिक्षा में नया आयाम जुड़ रहा है। राज्य में कई बड़े प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी की स्थापना की जा रही है। सरकार की ओर से 25 साल का रोडमैप बनाया गया है। साथ ही छात्रों के लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि एक बेहतर भविष्य के साथ राज्यवासी आगे जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 7721 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश हुआ है। विपक्ष की ओर से इसमें बढ़ोत्तरी का सुझाव होना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि देश के विकास में झारखंड की अहम भूमिका रही है। यहां से रेलवे को देश भर से सबसे अधिक राजस्व मिलता है। लेकिन इसके बदले हमें धूल मिट्टी पलायन और प्रदूषण मिलता है।

हमारा राशन, हमारा वोट, हमारी बिजली और बदले में हम सभी का ही घर तोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस हो रही है। क्या इससे गरीबी खत्म होगी या इससे रोजगार का सृजन होगा।

उन्होंने कहा कि इंडिगो जैसी घटना से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में जब भी कोई घटना होती है तो ये लोग दूसरे मुद्दों से लोगों को भटकाते हैं।

राजनीतिक बहस के बीच असंगत शब्दों का प्रयोग संसदीय मर्यादा के अनुकूल नहीं : विस अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

रांची। शीतकालीन सत्र के समापन भाषण में विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने गुरुवार को कहा कि इस सत्र के दौरान कई बार तीखी राजनीतिक बहसों के बीच कुछ कठोर या असंगत शब्दों का प्रयोग हुआ, जो हमारी संसदीय मयार्दा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन विचारों की कठोरता, भाषा की कठोरता में परिवर्तित न हो यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस सत्र की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि द्वितीय अनुपूरक बजट का पारित होना रही। इस अनुपूरक बजट में महिला एवं बाल विकास विभाग को पर्याप्त प्राथमिकता देते हुए आवंटन किया गया है।

यह निर्णय राज्य सरकार की सामाजिक-न्याय, पोषण, महिला-सशक्तिकरण और बाल अधिकारों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दशार्ता है। यह स्वागतयोग्य कदम झारखंड के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करेगा और हमारी अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस सत्र में हुई चचार्एं, प्रश्नोत्तर, ध्यानाकर्षण सूचनाएं, संकल्प और विभिन्न विधायी प्रक्रियाएं झारखंड के विकास, को गति देने में निश्चित रूप से सहायक होंगी। राज्यवासियों को आगामी नव वर्ष 2026 और झारखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक सोहराय पर्व, बंधना-खुंटांव, मकर सक्रांति और क्रिसमस की हार्दिक बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि हमारे राज्य की विविधता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और ये पर्व हमें सौहार्द, सहयोग, करूणा और आपसी सम्मान की भावना को अधिक मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। पर्व केवल उत्सव नहीं बल्कि समाज को जोड़ने वाले सेतु हैं। मेरी कामना है कि यह अवसर झारखंड में शांति, भाईचारा समृद्धि और सामाजिक एकता को और सुदृढ़ करे। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित कर दी।

इस सत्र के दौरान कुल 301 प्रश्न स्वीकार किए गए, जिनमें से 121 अल्पसूचित, 148 तारांकित, और 32 अतारांकित प्रश्न शामिल रहे। अल्पसूचित 118 तथा तारांकित 147 प्रश्नों के उत्तर विभागों से प्राप्त हुए। अल्पसूचित 03, तारांकित 01 तथा अतारांकित 32 प्रश्नों के उत्तर विभागों के पास लंबित हैं.

इस सत्र में कुल 129 शून्यकाल प्राप्त हुए, जिसमें से 94 सदन में पढ़ी गई. कुल 42 ध्यानाकर्षण सूचनाएं प्राप्त हुई, जिनमें से 20 स्वीकृत हो पाया, 12 का उत्तर सदन में प्राप्त, एक सूचना अप्रस्तुत और 7 सूचनाएं प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति को सुपुर्द की जाएगी।

इस सत्र में कुल 39 गैर-सरकारी संकल्प सदन के समक्ष आए।

इंडिगो उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को देगी 10 हजार रुपये मूल्य के यात्रा वाउचर

एजेंसी

नई दिल्ली। परिचालन संबंधी व्यवधानों से जूझ रही देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने गुरुवार को उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को राहत देने की घोषणा की है। कंपनी डीजीसीए के मानदंडों के तहत दी जाने वाली धनराशि के अतिरिक्त प्रभावित यात्रियों को 10 हजार रुपये का यात्रा वाउचर देगी।

कंपनी के मुताबिक यह वाउचर 3 से 5 दिसंबर के दौरान उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को दिया जाएगा। एयरलाइन ने खेद जताते हुए कहा कि 3, 4 और पांच दिसंबर को यात्रा करने वाले उसके कुछ ग्राहक कई घंटों तक कुछ हवाई अड्डों पर फंसे रहे और उनमें से कई भीड़भाड़ से बुरी तरह प्रभावित हुए। हम ऐसे गंभीर रूप से प्रभावित ग्राहकों को 10 हजार रुपये मूल्य के यात्रा वाउचर प्रदान करेंगे। इन यात्रा वाउचर का उपयोग अगले 12 महीनों के दौरान इंडिगो की किसी भी यात्रा के लिए किया जा सकता है।

कंपनी ने कहा कि यह वाउचर मौजूदा सरकारी दिशा-निदेर्शों के तहत की गई प्रतिबद्धता के अतिरिक्त है, जिसके अनुसार इंडिगो उन ग्राहकों को उड़ान के ब्लॉक समय के आधार पर 5,000 रुपये से 10 हजार रुपये तक का मुआवजा प्रदान करेगी, जिनकी उड़ानें प्रस्थान समय से 24 घंटे के भीतर रद्द कर दी गई थीं।

हजारीबाग में डॉक्टर जमील के घर पर एनआईए की छापेमारी, कई सामान जब्त

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह हजारीबाग में मौजूद आतंकी नेटवर्क के लिंक्स और टेरर फंडिंग के एक व्यापक मामले की जांच के सिलसिले में छापेमारी की है। एनआईए ने फिलहाल डॉ. जमील को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

एनआईए ने हजारीबाग जिले के पेलावल थाना क्षेत्र के अंसार नगर इलाके में दांत के डॉक्टर जमील के घर पर छापेमारी की है, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एनआईए की टीम सीआरपीएफ के जवानों के साथ पहुंची और तलाशी अभियान चला रही है। यह कार्रवाई घर में संदिग्ध गतिविधियों की जांच के संबंध में की गई है। सुरक्षा एजेंसी को पिछले कुछ समय से अंसार नगर क्षेत्र में संदिग्ध आवाजाही और कुछ डिजिटल संपर्कों के बारे में इनपुट मिल रहा था। इसके बाद केंद्रीय एजेंसियों ने इस इलाके में अपनी निगरानी बढ़ा दी थी। प्राथमिक जानकारी से पता चलता है कि कुछ विशिष्ट संचार लिंक और स्थानीय लोगों से मिले इनपुट के आधार पर एनआईए ने यह कार्रवाई की है।

एनआईए की टीम को संदिग्धों के घर के अंदर से महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। जांच टीम अब जब्त किए गए सबूतों के आधार पर संदिग्धों के संभावित नेटवर्क, उनके वित्तीय लेनदेन और किसी भी तरह के बाहरी या अंतरराष्ट्रीय लिंक की पड़ताल कर रही है।

मणिपुर हिंसा के बाद शांति-सौहार्द बहाली केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: राष्ट्रपति

एजेंसी

इम्फाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हाल की मणिपुर हिंसा के बाद राज्य में शांति, सौहार्द और स्थिरता बहाल करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मणिपुर के लोगों की पीड़ा और चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार हर संभव कदम उठा रही है। राष्ट्रपति ने गुरुवार शाम इम्फाल में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में यह बात कही, जहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया।

सिटी कन्वेंशन सेंटर में संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि मणिपुर दृढ़ता, साहस और असाधारण सांस्कृतिक विरासत की भूमि है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों ने खेल, सशस्त्र बलों, कला-संस्कृति और लोकसेवा जैसे क्षेत्रों में देश का गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में सुरक्षा सुनिश्चित करने, सौहार्द को मजबूत करने और राज्य को स्थिरता तथा समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य है कि विकास और प्रगति का लाभ मणिपुर के हर कोने तक पहुंचे।

राष्ट्रपति ने कहा कि मणिपुर दक्षिण-पूर्व एशिया से भारत के संबंधों का प्रवेशद्वार है और यहां के युवा, संस्कृति तथा प्राकृतिक सौंदर्य राज्य में असीम संभावनाएं पैदा करते हैं। उन्होंने राज्य की स्वावलंबी महिलाओं का उल्लेख करते हुए नूपी लान (महिला आंदोलनों) के ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित किया।

उन्होंने विश्वास जताया कि घाटी और पहाड़ दोनों क्षेत्रों के लोग नए उत्साह और सामंजस्य के साथ आगे बढ़ेंगे और मणिपुर को खुशहाली की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

राष्ट्रपति ने लोगों से शांति, एकता और विकास के प्रयासों को पूरा सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर ऐसा मणिपुर बनाना है जहां हर बच्चा सुरक्षित महसूस करे, हर महिला सशक्त हो, हर समुदाय शामिल हो और हर नागरिक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़े। इससे पहले, राष्ट्रपति मुर्मु ने ऐतिहासिक मापाल कांगजेइबुंग में एक पोलो प्रदर्शनी मैच भी देखा।

लाखों का ब्राउन शुगर के साथ चार गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने सुखदेवनगर थाना क्षेत्र से ब्राउन शुगर के एक अंतरराज्यीय रैकेट का खुलासा करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में अनिकेत उर्फ शीनू, अमित कुमार सोनी, सोनू कुमार और अनिशा कुमारी शामिल है। इनके पास से 33.18ग्राम ब्राउन शुगर (बाजार मूल्य छह लाख 60 हजार रुपये) और नकद छह लाख 82 हजार रुपये, एक स्कार्पियों और एक स्कूटी बरामद किया गया है।

डीएसपी प्रकाश सोय ने गुरुवार को बताया कि एसएसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सुखदेवनगर थाना सेंट्रल बैंक गली स्थित अखिल मेमोरियल मार्ग से चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

टीम ने सबसे पहले सुखदेवनगर स्थित कुम्हार टोली, चूना भट्ठा के पास अमित सोनी के घर पर विधिवत छापा मारा। तलाशी के दौरान, अमित सोनी के घर के दूसरे तल पर कपड़ों के बीच छिपाकर रखी गई 20.58 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। पूछताछ में अमित सोनी ने बताया कि वह सासाराम के शाहिद नामक व्यक्ति से ब्राउन शुगर लाकर रांची में ऊंचे दाम पर बेचता है। वह वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। दूसरी कार्रवाई रातू रोड में अमित सोनी से मिली जानकारी के आधार पर, टीम ने देर रात करीब अखिल मेमोरियल गली, रातू रोड स्थित अनिकेत कुमार उर्फ शीनू के घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान घर में अनिकेत कुमार उर्फ शीनू और उसका भाई सोनू कुमार मिले।

दोनों की तलाशी लेने पर अनिकेत के पैंट की पॉकेट से प्लास्टिक में लिपटी 10.20 ग्राम और सोनू कुमार के पैंट से 2.40 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। डीएसपी ने बताया कि अनिकेत के खिलाफ पूर्व से रांची में तीन और अमित के खिलाफ दो मामले दर्ज है।

आदिवासीयोकी सरकार में आदिवासी भाषा का संरक्षण नहीं हुआ तो समाज खत्म हो जाएगाः संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड विधानसभा में गुरुवार को पोटका विधायक संजीव सरदार ने भूमिज जनजाति समुदाय के अत्यंत संवेदनशील मुद्दे को जोरदार तरीके से सदन में उठाते हुए जेटेट, जेएसएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भूमिज भाषा को पुनः शामिल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भूमिज समुदाय की जनसंख्या चार लाख से अधिक है और यह झारखंड के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम तथा सरायकेला-खरसावां जिले में प्रमुख रूप से निवास करते हैं। विधायक ने सदन को बताया कि पूर्व की परीक्षाओं–जैसे टेट 2016, परीक्षा 2014, कक्षपाल परीक्षा 2015 में भूमिज भाषा शामिल थी और बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने भूमिज भाषा में परीक्षा देकर नियुक्तियाँ प्राप्त की थीं। लेकिन 2023 में जारी संशोधित नियमावलियों में भूमिज भाषा को

सूची से विलोपित कर दिया गया, जिससे भूमिज समुदाय में गहरा असंतोष है।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 350(ए) में प्रदत्त स्थानीय जनजातीय भाषाई अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। इसलिए उन्होंने सदन के माध्यम से मांग रखी कि आगामी 10वीं जेटेट, जेएसएससी की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में भूमिज भाषा को पुनः शामिल किया जाए।

मंत्री दीपक बिरुआ का जवाबः सरकार इस मामले में गंभीर है और विचार करेगी सदन में जवाब देते हुए मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि लगभग 5 लाख लोग भूमिज समाज से आते हैं और पहले की परीक्षाओं में भूमिज भाषा शामिल थी। परंतु बाद में नियमावली में बदलाव के दौरान यह भाषा सूची से हट गई।

मंत्री ने बताया कि राज्य में सिविल सेवा की तर्ज पर परीक्षा प्रणाली को सुधारने के लिए 2012 में विशेषज्ञ समिति बनी थी और उसके अनुरूप कई भाषाओं को सम्मिलित किया गया था। इसके बाद फिर परीक्षाओं में भाषा को ले कर विधानसभा की एक समिति बनी थी, लेकिन उस समय भी भूमिज भाषा शामिल नहीं की गई। संजीव सरदार दोबारा खड़े हुए और कहा यदि आदिवासियों की सरकार में ही आदिवासी भाषा का संरक्षण नहीं हुआ, तो समाज खत्म हो जाएगा। भूमिज भाषा सूची से हटेगी तो आने वाली पीढ़ियाँ प्रतियोगी परीक्षाओं से वंचित हो जाएँगी।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि भूमिज भाषा को परीक्षा सूची में शामिल करना सिर्फ भाषा का नहीं, अस्तित्व, पहचान और सामाजिक सम्मान का मामला है। विधायक के आग्रह के बाद मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा की निश्चित ही यह मामला जनजातीय समुदाय और उसकी भाषा से जुड़ा है। सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करेगी।

झारनेट सर्वर की धीमी गति से रैयतों परेशान, कई दिनों तक अंचल कार्यालयों के लगाने पड़ रहे चक्कर : संजीव सरदार

जमशेदपुर : पोटका विधायक संजीव सरदार ने गुरुवार को विधानसभा के शून्यकाल में झारखंड के सभी अंचल कार्यालयों में लागू झारनेट व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता प्रकट की। उन्होंने सदन में कहा कि पूर्व में संचालित वेब वीपीएन प्रणाली को हटाकर झारनेट लागू किए जाने के बाद से भूमि से संबंधित सभी कार्यों की रफ्तार बुरी तरह प्रभावित हुई है। विधायक ने बताया कि झारनेट सर्वर की अत्यधिक धीमी गति के कारण रैयतों को अपने काम के लिए कई-कई दिनों तक अंचल कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे अनावश्यक परेशानी और आर्थिक नुकसान दोनों बढ़ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर राजस्व कार्य भी गंभीर रूप से विलंबित हो रहे हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। विधायक श्री सरदार ने कहा कि वेब वीपीएन के दौरान भूमि से जुड़े कार्य सुचारू गति से होते थे, लेकिन झारनेट लागू होने के बाद से व्यवस्था लगभग ठप सी पड़ गई है। उन्होंने सदन के माध्यम से सरकार से मांग की कि झारनेट प्रणाली को तत्काल हटाकर पुनः वेब वीपीएन सेवा को पूर्ववत लागू किया जाए, ताकि रैयतों व आम नागरिकों को राहत मिल सके और राजस्व कार्य समय पर पूरे हो सकें।

पूर्व विधायक स्व एन ई होरो का पुण्यतिथि पर किया गाय श्रद्धांजली अर्पित

झारखंड के योगदान पर हमेशा याद आते रहेंगे एनई होरो : सुदीप

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा प्रखंड अंतर्गत गोविन्दपुर कुशल मोड़ में गुरुवार को झारखंड आंदोलनकारी व पूर्व विधायक स्व एन ई होरो का पुण्यतिथि पर श्रद्धांजली? अर्पित किया गया। इस मौके पर, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने झामुमो कार्यकर्ता व सामाजिक संगठन के लोगों के साथ एनई होरो के प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। मौके पर, सुदीप गुड़िया ने कहा कि पूर्व विधायक स्व एन ई होरो भले ही हमारे बीच सशरीर नहीं हैं, लेकिन झारखंड की यादों में हमेशा अमर रहेंगे। उन्होंने कहा कि स्व होरो जी के कार्यों व झारखंड के प्रति दिये गये योगदान को याद रखना होगा और तथा संभव उनके बताए हुए रास्ते पर चलना होगा। इस दौरान , पादरी प्रदीप केरकेट्टा, विनोद उराँव, राहुल केशरी, लछुवा लोहरा, मुन्ना हेरेंज, शिशिर हेमरोम, निस्तार बारला, कार्तिक उराँव, आशीष केरकेट्टा, बिकसल सुरीन, दिलीप होरो, बीजू सोनी, असलम खान, तनवीर हुसैन, गंदुर धान, सुकवन तोपनो, प्रवीण तोपनो, संजीव सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने एनई होरो का पुण्यतिथि पर किया नमन

बिभा संवाददाता

खूँटी । कर्रा प्रखंड के जलटंडा बाजार स्थित डूमरदगा में वृहस्पतिवार को खूँटी जिला झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय सिंह के नेतृत्व में स्व एन ई होरो की पुण्यतिथि मनाई गई ।इसके साथ ही 3 जनवरी को मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की पुण्यतिथि मनाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान एन ई हीरो के जीवन शैली एवं झारखंड आंदोलन के योगदान में भूमिका पर प्रकाश डाला गया । लोगों ने एक स्वर में अह कि इस वक्त खूँटी जिला के आंदोलनकारी ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं । चुंकि आंदोलनकारी के विषय में स्थानीय सांसद विधायक कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं । आंदोलनकारी ने कहा कि हमारी मां बहनें अपने चंदा से रैली एवं सभा का आयोजन किया ।इसके उपरांत झारखंड राज्य का गठन हुआ लेकिन खूँटी जिला आंदोलनकारी के विषय में चर्चा तक करने का किसी को फुर्सत नहीं है । हम आंदोलनकारी को पांच प्रतिशत आरक्षण देने की बात कर हमें ठगने का काम वर्तमान सरकार कर रही है । वही इस दौरान 20 दिसंबर को हुटार कपरिया में बैठक व वन भोज करने का निर्णय लिया गया । इस मौके पर मनोज गोप, सूरज गोप, कंचन होरो, सुकरा प्रधान, अजय सिंह, देव मंगल मुंडा आदि शामिल थे ।

संक्षिप्त खबरें

70 वर्ष से ज्यादा उम्र के लोगों का पूर्णिमा नेत्रालय में हो रहा है फेको सर्जरी

जमशेदपुर(बिभा) : आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल एवं पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से 10 मोतियाबिंद रोगियों का फेको सर्जरी कर निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण किया गया । दवा एवं चश्मा पहना कर उनका स्वागत किया गया। आनंद मार्ग ने आयुष्मान एवं राष्ट्रीय अंधत्व निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम से पिछले काफी सालों से दृष्टि सेवा महा अभियान चला रही है। 18 दिसंबर बृहस्पतिवार को आनंद मार्ग जागृति, गदरा शिव मंदिर के पास आंखों की बीमारी के लिए जांच शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से 1 बजे तक किया गया है।

अंडा और पैसा चोरी करने के लिए चोरों ने होटल का दरवाजा तोड़ा

तमाड़(बिभा) । बस स्टैंड समीप बुधवार की मध्य रात्रि चोरों ने एक होटल सहित चार दुकानों में चोरी करने का प्रयास किया। इस दौरान चोरों ने सिर्फ ननकू होटल का लकड़ी का दरवाजा तोड़कर चोरी करने में सफलता हासिल किया। होटल से 14 ट्रे अंडा और 2200 रुपये नगद चुरा ले गये। होटल संचालक सिद्धार्थ गुप्ता सुबह होटल खोलने पहुंचे तब टूटा दरवाजा देख उन्हें इसकी जानकारी मिली। सिद्धार्थ गुप्ता द्वारा थाने में इसकी लिखित शिकायत दर्ज किया गया। अन्य तीन दुकानों मेघू खैनी दुकान, अशोक चाय दुकान और बरसाना नामक गुमटी में चोरों ने ताला तोड़ने व चदरा तोड़ने का प्रयास किया लेकिन वे सफल नहीं हो सके।

तमाड़ में विद्यालय जमीन विवाद तेज, राज परिवार के समर्थन में पैदल मार्च

तमाड़(बिभा) । प्लस टू उच्च विद्यालय तमाड़.के समीप खाली पड़े जमीन विवाद का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। तमाड़ राजपरिवार के वंशज कुमार महेन्द्र नाथ शाहदेव द्वारा पिछले महीने उक्त जमीन को निजी बताते हुए तार से घेराबंदी की गई थी। जिसके विरुद्ध मशाल जुलूस, तमाड़ बंदा करके विरोध प्रदर्शन किया गया। वहीं इसके बाद राजा बाड़ी के समर्थन में गुरुवार को भारी संख्या में लोग एकजुट होकर पैदल मार्च करते हुए तमाड़ अंचल कार्यालय पहुँचे। पैदल मार्च का नेतृत्व कुमार महेन्द्र नाथ शाहदेव ने किया। उनके साथ जीप सदस्य दिलीप सेठ, तमाड़ उप प्रमुख शकुंतला खंडित, पूर्व उप प्रमुख उमेश नायक, ग्राम प्रधान विमल पातर, मोहन स्वर्णकार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। कुमार महेन्द्र नाथ शाहदेव ने कहा कि प्लस टू उच्च विद्यालय के समीप की खाली जमीन उनके पूर्वजों की है, षड्यंत्र कर रहे लोग। उनके पूर्वजों ने विद्यालय निर्माण के लिए चार एकड़ पंद्रह डिसमिल जमीन दान में दी थी, उसका खाता-प्लॉट अलग है। जबकि विद्यालय के सामने की तिरासी डिसमिल खाली जमीन उनके पिताजी द्वारा खरीदी गई थी, जिसका खाता, प्लॉट और रकबा तिरासी डिसमिल दर्ज है तथा वर्ष 1966 से ऑफलाइन रसीद और डीड तथा वर्ष 2025 तक ऑनलाइन रसीद उनके परिवार के नाम से निर्गत हो रहा है, साथ ही पंजी टू में भी दर्ज है।

पारा शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल डीएसई से की मुलाकात

खूँटी (बिभा)। जिले के 10 पारा शिक्षकों की सेवा समाप्ति को लेकर जिला शिक्षा विभाग ने नोटिस जारी किया है। यह नोटिस व कार्रवाई उच्चतम न्यायालय और झारखंड हाई कोर्ट के आदेश के आलोक में की गई है। न्यायालय ने हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग महिला इलाहाबाद और महिला हिंदी विद्यापीठ देवघर द्वारा जारी मैट्रिक प्रमाण पत्रों को फर्जी घोषित किया है। नौकरी के समय इन्हीं संस्थानों के प्रमाण पत्र जमा करने वाले शिक्षकों को अब सेवा से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे प्रभावित 10 पारा शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल झामुमो जिला अध्यक्ष जुबेर अहमद के नेतृत्व में गुरुवार को डीएसई अभय कुमार शील और एडीपीओ सुनील लकड़ा से मुलाकात की। शिक्षकों ने अधिकारियों को बताया कि वे पिछले 20-22 वर्षों से नियमित रूप से विद्यालयों में सेवा दे रहे हैं। उनके प्रमाण पत्रों का विभाग द्वारा तीन बार सत्यापन भी किया गया था, फिर भी उनका मानदेय रोक दिया गया है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। पारा शिक्षकों ने कहा कि 45झ50 वर्ष की आयु में नौकरी छिन जाने से उनके सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कोर्ट के आदेश के अनुसार ही कार्रवाई की जा रही है और इसमें विभाग असहाय है। उन्होंने बताया कि पूरे झारखंड में इसी प्रकार की कार्रवाई चल रही है। प्रतिनिधिमंडल में गंगोत्री देवी, जयंती कुमारी, लालमणि कुमारी, आसियानी पूर्ति, फुलकारिया भेंगरा, रूथ भेंगरा, उमा देवी, सोमवारी देवी, मंगदली मुंडू, पॉलिना तिडू और एंथोनी सोय शामिल थे।

कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं सहकारिता विभाग की बैठक में उपायुक्त ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहारः उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में कृषि, पशुपालन, मत्स्य व सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में कृषि विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं यथा बीज विनिमय एवं वितरण की योजना, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, कृषि यंत्रीकरण अन्य कृषि संबंधी कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा, पशुपालन विभाग से संचालित योजना यथा मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, राष्ट्रीय कृत्रिम गभार्धान कार्यक्रम समेत मत्सय विभाग एवं सहकारिता विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी ढंग से हो और लाभुकों को समय पर आवश्यक इनपुट उपलब्ध कराया जाए।

कृषि विभाग की समीक्षा के क्रम में वित्तीय वर्ष 2024-2025, 2025-2026 में क्रियान्वित योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत- प्रतिशत योग्य किसानों को योजना का लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया गया। बीज विनिमय एवं वितरण की योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध बीज वितरण का कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों की ओर प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही कृषि तकनीकी शिविरों का आयोजन कर किसानों को आधुनिक तकनीक, फसल विविधीकरण एवं प्राकृतिक खेती की जानकारी दी जाए।

बैठक में उपायुक्त ने पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत लाभुकों के बीच आगामी बैठक से पहले पशु वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पशुओं का वैक्सीनेशन शत प्रतिशत करवाने का निर्देश दिया गया। पशुधन योजना अंतर्गत अभी तक हुए प्रगति की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने संबंधित सभी योजनाओं के संचालन के लिए लक्ष्य को पूर्ण करने और जन कल्याण के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध करायी गयी इन योजनाओं को शत प्रतिशत ग्रामीणों तक पहुंचा कर उन्हें इसका लाभ देने की बात कही। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने पर बल दिया।

कर्रा के बिनगाँव बाजार समीप अज्ञात जेसीबी के चपेट में आने से एक युवक की मौत

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा थाना क्षेत्र अन्तर्गत बिनगाँव बाजार समीप वृहस्पतिवार को शाम करीब छह बजे एक अज्ञात जेसीबी के चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। युवक की पहचान लोहरदगा थाना क्षेत्र के खगपतरा गांव निवासी 26 वर्षीय युवक संजीत कुमार लोहरा के रुप में की गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल बिनगाँव बाजार गया हुआ था। तभी बिनगाँव बाजार के पास एक अज्ञात जेसीबी के चपेट में आ गया और वह गम्भीर रुप से घायल हो गया जिससे उसकी मौत हो गयी। ज्ञात हो कि संजीत कुमार लोहरा कर्रा के बिनगाँव गाँव स्थित टाटा ट्रेंड हाऊस बिनगांव काम करता था। मृतक बिनगाँव में अपने दोस्तों के साथ किराया का कमरा लेकर रहता था और टाटा ट्रेंड हाऊस बिनगाँव में दैनिक मजदूरी करता था। वृहस्पतिवार को साप्ताहिक बाजार करने बिनगाँव गया हुआ था। तभी अज्ञात जेसीबी के बकेट के टक्कर से युवक के सीना व पेट में गंभीर चोट लगी। जिससे घटना स्थल पर ही संजीत की मौत हो गई। घटना को देखते ही मृतक युवक के मित्रों ने मदद की गुहार लगाई और लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी कर्रा पुलिस को दिया । तभी कर्रा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर युवक के शव को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा लाया। जहाँ चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया तभी कर्रा पुलिस शव को थाना लाया है। जिसका आज अन्त्यपरिक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया जाएगा। लेकिन समाचार लिखे जाने तक न तो जेसीबी क पता चल पाय है और न ही जेसीबी चालक गिरफ्तार हो पाया है। वहीं पुलिस जेसीबी के बारे पता लगाने में जुट गयी है।

बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी में अनियमित जलापूर्ति को लेकर पंचायत समिति सदस्य ने अधिकारियों संग वार्ता कर किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी में पिछले कई दिनों से जलापूर्ति अनियमित होने की समस्या गहराती जा रही है। स्थानीय लोगों की परेशानी को देखते हुए पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने गुरुवार को पीएचईडी विभाग के कार्यपालक अभियंता सुमित प्रकाश, एसडीओ महेंद्र बैठा एवं संवेदक बसंत सिंह से विस्तृत वार्ता की। इसके साथ ही उन्होंने बिष्टुपुर स्थित नया फिल्टर पंप हाउस और बागबेड़ा कॉलोनी पंप हाउस का संयुक्त निरीक्षण भी किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधि ने पंप हाउस में कार्यरत ऑपरेटरों से मुलाकात कर वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। पंसस सुनील गुप्ता ने बताया

कि जलापूर्ति का निर्धारित समय पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। गुरुवार को सुबह 6:00 बजे की सप्लाई शाम लगभग 4:00 बजे की गई, जबकि मंगलवार को शाम 4:00 बजे मिलने वाला पानी रात 7:00 बजे पानी की आपूर्ति की गई थी। पिछले कई दिनों से यही स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के 1140 क्वार्टर में रहने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।उन्होंने कहा कि पानी आपूर्ति की निश्चित समय-सारिणी न होने से लोगों को रोजमर्रा के कामों में कठिनाइयाँ आ रही हैं। समस्या के समाधान को लेकर अधिकारियों और संवेदक से सकारात्मक चर्चा की गई है ।वहीं, कार्यपालक अभियंता सुमित प्रकाश, एसडीओ महेंद्र बैठा और संवेदक बसंत सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि बिष्टुपुर स्थित नए फिल्टर पंप हाउस का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। नए पंप हाउस से बागबेड़ा कॉलोनी तक शुद्ध पानी की आपूर्ति का ट्रायल जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जलापूर्ति की वर्तमान अनियमितता को जल्द दूर कर दिया जाएगा तथा सुबह और शाम की सप्लाई का निर्धारित समय भी सुनिश्चित कर उपभोक्ताओं को बताया जाएगा।

लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहारः उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला ग्रामीण विकास शाखा द्वारा कार्यान्वित करायी जा रही योजनाओं एवं जिला पंचायती राज कार्यालय के कार्यों की गति व धरातल पर हो रहे कार्यों की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया।

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को जातीय, आय, स्थानीय निवासी, विवाह प्रमाण पत्र, वृद्ध पेंशन, विधवा पेंशन सहित विभिन्न प्रमाणझपत्र/पेंशन योजनाओं से जुड़े आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिए। उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुविधाओं, पेंशन एवं प्रमाण-पत्र निर्गमन से संबंधित कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

इस दौरान विभिन्न विभागीय पदाधिकारियों से योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने विस्तृत रूप से प्रखंडवार संचालित योजनाओं की जानकारी लेते हुए जल्द से जल्द सभी अपूर्ण योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं का कार्य समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लाभुकों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने, स्वीकृत योजनाओं की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने पंचायत स्तर तक विकास योजनाओं की जानकारी एवं लाभ पहुँचाने का निर्देश दिया।

बैठक में अबुआ आवास, मिट्टी मोरम रोड, पोटो हो खेल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिरसा कूप संवर्धन योजना, मानव दिवस, बिरसा हरित ग्राम योजना, जॉब कार्ड वेरीफिकेशन, एरिया ऑफिसर एप, रिजेक्टेड ट्रांजैक्शन, एनआरएम एक्सपेंडिचर, सोशल ऑडिट, जिओ टैगिंग एवं मनरेगा की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

जिला पंचायती राज कार्यालय से संबंधित कार्यों पंचायत स्तर पर चल रही गतिविधियों, ग्राम सभाओं, योजनाओं की निगरानी व्यवस्था, पंचायत भवनों से जुड़े कार्यों, तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदान की जा रही जनसुविधाओं–की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित कार्यों एवं आवेदनों का शीघ्र एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को सुविधाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, संबंधित पदाधिकारी, बीपीओ उपस्थित थे।

अफीम तस्करी करने वाले तीन आरोपीयों को 8 वर्षों का सश्रम कारावास की सजा

बिभा संवाददाता

लातेहार : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा की अदालत ने एनडीपीएस केस संख्या 8/ 2016 की सुनवाई के उपरांत दोषियों को 8- 8 वर्षों का सश्रम कारावास एवं 50-50 हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाया है. जुमार्ना की राशि का भुगतान नहीं करने पर 1- 1वर्ष की अतिरिक्त सजा निर्धारित किया है. अपर जिला अभियोजन पदाधिकारी शिव शंकर राम ने अदालत में कुल नौ गवाहों को प्रस्तुत किया. मामले के अनुसार तत्कालीन थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक कमलेश्वर पांडेय के फर्दबयान पर गत 17 जुलाई 2016 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

दर्ज प्राथमिकी के अनुसार पुलिस के वरीय पदाधिकारियो को अफीम की तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी. जिसके सत्यापन में पुलिस निरीक्षक कमलेश्वर पांडेय के नेतृत्व में एक टीम टोरी रेलवे स्टेशन पर घात लगाकर तैयार थी. इसी क्रम में तीन संदिग्ध जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन के इंतजार करते देखे गए तीनों अपराधी पुलिस को आगे बढ़ता देखकर भागने का प्रयास किया. पुलिस बल द्वारा उन्हें दौड़ाकर पकड़ा गया. पकड़े गए आरोपियों ने अपना झ अपना नाम नारायण यादव, महेंद्र यादव एवं लाल बिहारी यादव बताया. पुलिस ने बारी-बारी से तीनों की तलाशी ली. तलाशी के क्रम में हैंडबैग में एक प्लास्टिक में रखा एक किलोग्राम अफीम एवं कई आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद की. न्यायाधीश श्री मिश्रा ने दोनों पक्षों की दलीलें एवं गवाहों के बयान के आधार पर तीनों आरोपियों नारायण यादव, महेंद्र यादव एवं लाल बिहारी यादव को अफीम तस्करी के आरोप को सत्य पाया. मिश्रा की अदालत ने गुरुवार को एनडीपीएस की धारा 17 बी के तहत तीनों आरोपियों को सश्रम 8- 8 वर्षों की कारावास एवं 50-50 हजार रुपए की जुमार्ना की सजा मुकर्रर किया. अदालत ने जुमार्ना नहीं दिए जाने की स्थिति में एक झ एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाया है. अभियोजन पदाधिकारी शिव शंकर राम ने बताया कि इस फैसले से अफीम की तस्करी करने वालों में हड़कंप है. उन्होंने बताया कि तस्करों के द्वारा पहले से भी जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन से शहरों में ले जाकर अफीम बेचने की गुप्त सूचना लगातार पुलिस को मिल रही थी.

सीएम हेमंत सोरेने से मिला असम के चाय बागान का प्रतिनिधिमंडल

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज झारखंड विधान सभा में आदिवासी समन्वय समिति भारत (असम) ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने असम में रहने वाले आदिवासी समुदाय के विभिन्न समस्याओं एवं उनकी वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री के समक्ष प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने कहा कि आदिवासी समुदायों के प्रति असम सरकार की उदासीनता से समाज की दुर्दशा हुई है। असम में निवास कर रहे आदिवासी समाज यहां हर क्षेत्र में निरंतर पिछड़ रहा है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उन्हें भरोसा दिलाया कि झारखंड सरकार असम में रह रहे आदिवासी समुदायों को उनका हक-अधिकार एवं पहचान की संरक्षा के लिए सकारात्मक पहल करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए हमारी सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में रह रहे आदिवासी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए हम तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ कदम से कदम मिलाकर उनके साथ सदैव खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से कहा कि जल्द झारखंड सरकार का एक डेलिगेशन असम में रह रहे आदिवासियों की वर्तमान स्थिति से अवगत होने असम दौरे पर जाएगा। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने असम के चाय बागानों में काम कर रहे आदिवासियों को एसटी का दर्जा दिलाने की बात को दोहराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाय बागानों में काम कर रहे आदिवासी समुदायों के लोगों के दैनिक वेतन में वृद्धि हो सके इस निमित्त हमारी साकार सकारात्मक पहल करेगी तथा वहां रह रहे आदिवासियों के भूमि संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए भी कदम आगे बढ़ाएगी।

विदित हो कि अंग्रेजी शासन के दौरान झारखंड से आदिवासी समाज के परिवारों को ले जाकर असम में बसाया गया था एवं वर्तमान ने उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार हो रहा है। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी से उनका नेतृत्व करने का आग्रह किया जिससे कि उनकी आवाज को केंद्र एवं राज्य सरकार तक पहुंचाया जा सके। मौके पर अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा, आदिवासी समन्वय समिति भारत (असम) के जीतेन केरकेट्टा, बिरसा मुंडा, तरुण मुंडा, गणेश, अजीत पूर्ति, राजेश भूरी, बाबूलाल मुंडा, मंगल हेंब्रम सहित अन्य उपस्थित रहे।

सर्वजन पेंशन योजना: रांची के 2.28 लाख लाभुकों के खाते में पहुंची दिसंबर की राशि

बिभा संवाददाता

रांची : सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत रांची जिला में पेंशनधारियों को दिसंबर महीने की पेंशन राशि का भुगतान कर दिया गया है। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, मंजूनाथ भजन्त्री निदेर्शानुसार राज्य संपोषित सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत जिले में कुल 2 लाख 28 हजार 349 लाभुकों के बैंक खाते में पेंशन राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर कर दी गयी है।

मुख्यमंत्री राज्य आदिम जनजाति पेंशन योजना, एचआईवी/एडस पीड़ित व्यक्ति सहायतार्थ पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना, ट्रांसजेंडर/तृतीय लिंग के व्यक्तियों हेतु मुख्यमंत्री राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत लाभुकों के बैंक खाते में (एक-एक हजार रुपये) कुल 22 करोड़ 83 लाख 49 हजार की राशि का भुगतान किया गया है।

राज्य संपोषित सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत रांची जिले में लाभुकों को इस वर्ष दिसंबर माह की पेंशन राशि का बैंक खाते में भुगतान कर दिया गया है। जिन लाभुकों को पेंशन राशि का भुगतान नहीं हुआ है, उन्हें अपने बैंक खाते से आधार सीडिंग कराना अनिवार्य है। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा योजना अंतर्गत सभी लाभुकों से अपने संबंधित प्रखण्ड/अंचल में भौतिक सत्यापन कराने का अनुरोध किया गया ताकि उन्हें योजना का लाभ निरंतर मिलता रहे।

संक्षिप्त खबरें

15 दिनों से झारखंड में म्यूटेशन का ऑनलाइन आवेदन अपलोड होना बंद

रांची(बिभा) : झारखंड भर के रैयत अपनी जमीन के म्यूटेशन के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं भर पा रहे हैं. प्रज्ञा केंद्रों में जाकर उन्हें लौटना पड़ रहा है. ऐसे में 15 दिन से अंचल कार्यालयों में म्यूटेशन के आवेदन ही नहीं पहुंच रहे हैं. इससे रैयतों के साथ ही अंचल कार्यालय और प्रज्ञा केंद्रों के संचालक भी परेशान हैं. रैयत बार-बार कभी अंचल कार्यालय तो कभी प्रज्ञा केंद्र दौड़ रहे हैं. प्रज्ञा केंद्र के संचालकों का कहना है कि सॉफ्टवेयर की खराबी के कारण ऐसा हो रहा है. इधर, अंचल कार्यालय के कर्मियों का कहना है कि झारनेट और एनआइसी के कारण यह स्थिति हो रही है. संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया है. केवल एनजीडीआरएस के माध्यम से संपत्ति रजिस्ट्री के बाद दस्तावेज म्यूटेशन के लिए अंचल कार्यालयों के पास पहुंच रहा है. यानी सुओ मोटो म्यूटेशन सिस्टम के तहत जो दस्तावेज भेजने हैं, केवल वही जा रहा है. बाकी म्यूटेशन के लिए कोई भी व्यक्ति प्रज्ञा केंद्रों या कहीं से भी आवेदन फाइल नहीं कर पा रहे हैं.

महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने आकाशवाणी केंद्र में क्रिसमस संदेश किया रेकॉर्ड

रांची(बिभा): रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद रातु रोड में स्थित ऑल इंडिया रेडियो के आकाशवाणी केंद्र पहुंचे। वहां उन्होंने क्रिसमस संदेश रिकॉर्ड किया। महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद द्वारा संदेश का सीधा प्रसारण क्रिसमस पर्व के दिन 25 दिसंबर को प्रातः 10:30 बजे किया जाएगा। सन्देश रिकॉर्ड करने के पश्चात महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने वहां के कर्मचारियों के साथ विशेष बात- चीत की। साथ ही रेडियो पर प्रसारित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी हासिल की। इस क्रिसमस संदेश रिकॉर्डिंग करने के अवसर पर रांची के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद के अलावा, जेवियर कंडुलना, ऑल इंडिया रेडियो रांची के निर्देशक विनोद कुमार, आर्चबिशप के सेक्रेटरी फा. असीम मिंज एवं अन्य सहकर्मचारी मौजूद रहे ।

रिया तिर्की ने पुलिया के जीर्णोद्धार कार्य का किया शिलान्यास

रांची (बिभा): खिजरी विधायक राजेश कच्छप के अनुपस्थिति में उनकी धर्मपत्नी रिया तिर्की (जो झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की सचिव भी हैं) ने ओरमांझी प्रखंड के ग्राम सदमा, चन्द्रा एवं मधुकमा में सरना स्थल की पक्की घेराबंदी तथा सदमा-जरा में मुख्य पथ पर पुरानी पुलिया के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया। यह कार्य विधायक निधि से हो रहा है। रिया तिर्की ने अपने संबोधन में कहा कि राजेश कच्छप गांव से लेकर सदन तक आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और सरना धर्म स्थलों के संरक्षण के लिए हमेशा मुखर रहे हैं। सरना स्थलों की पक्की घेराबंदी से इन पवित्र स्थलों की गरिमा बढ़ेगी और भावी पीढ़ी तक ये सुरक्षित रहेंगे। वहीं पुलिया के जीर्णोद्धार से ग्रामीणों को वर्षों से चली आ रही यातायात की बड़ी समस्या से स्थायी निजात मिलेगी। मौके पर जिला परिषद् सदस्य कमिशनर मुण्डा विधायक प्रतिनिधि हरिमोहन महतो विधानसभा सह प्रभारी अब्दुल रशीद अंसारी प्रखण्ड अध्यक्ष तुलसी खरवार विधायक प्रतिनिधि बाल विकास उमा देवी महिला अध्यक्ष अनीता देवी, प० स० स० रीण मुण्डा, मुखिया सीमा तिर्की, सुनील उरांव मंडल अध्यक्ष प्रदीप मुण्डा कांग्रेस नेत्री पूजा कच्छप, ललीता देवी, सुनिता देवी सदमा पंचायत अध्यक्ष रवि पहान 22 पहाड़ा अध्यक्ष बाबुलाल महली , सुरेश लोहरा, अक्षय स्वांसी, संजय कुमार, झिरगा पहान, राजाराम महतो,भगत उरांव, सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे ।

सादा पट्टा में बेची जा रही जमीन, गायब हो रहे रिकॉर्ड : राजेश

रांची(बिभा)। शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन सदन में गुरुवार को रांची समय पूरे राज्य में आदिवासी जमीन को सादा पट्टा में बेचने का मामला कांग्रेस के विधायक राजेश कच्छप ने उठाया। इस पर प्रभारी मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि इस मामले पर राज्य सरकार गंभीर है। ऐसे मामले पर सरकार अविलंब कार्रवाई करेगी। विधायक ने गैर संकल्प के तहत सदन में सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य के आदिवासी मूलवासियों की जमीन की सुरक्षा के लिए ही छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट (सीएनटी) 1908 लागू हुआ था। लेकिन 118 साल बीतने के बावजूद आदिवासी मूलवासियों की जमीन लूट, जमीन के नेचर से छेड़छाड़, जमीन को सामान्य बनाने के मामले, रिकॉर्ड ऑफ राइट के संरक्षित स्थल अभिलेखागार से रिकॉर्ड गायब करने और रिकॉर्ड फाड़ देने जैसे काम धड़ल्ले से हो रहे हैं। इन्हीं कारणों से जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि राजधानी रांची में बड़ी संख्या में आदिवासी जमीनों को सादा पट्टा में लिखकर बेचने का कार्य बदस्तूर जारी है। इसपर रोक लगनी चाहिए। नहीं तो आने वाले समय में आदिवासी मूलवासी पूरी तरह अपने ही जमीन से बेदखल हो जाएंगे जो बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि एचईसी में भी कई तरह के ऐसे मामले सामने आए हैं। ऐसे में सादा पट्टा से जमीन बेचने की खिलवाड़ को रोकने की दिशा में सरकार को अहम भूमिका निभानी चाहिए। राजेश कश्यप ने कहा कि मामले में खासकर कई हल्का कर्मचारी, थाने की सांठगांठ से सरना स्थल, खूंटकटी भूईंहरी जमीन को बेच देते हैं। उपायुक्त जो मामले के कस्टोडियन हैं उन्हें ऐसे मामले पर हस्ताक्षेप करना चाहिए।

ओबीसी के छात्रों को छात्रवृति के नाम पर गुमराह कर रही है भाजपा: केशव महतो

बिभा संवाददाता

रांची: कांग्रेस भवन, रांची में आज एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि भाजपा छात्रवृति के नाम पर ओबीसी के छात्रों को गुमराह कर रही है। एक ओर केन्द्र की सरकार राज्य को छात्रवृति का पैसा उपलब्ध नहीं करा रही है और भाजपा के नेता छात्रवृति पर विधवा विलाप कर संवेदना लेना चाहती है, जबकि हकीकत यह कि राज्य सरकार ने छात्रवृति के मद में केन्द्र सरकार से 2023-24 में 271 करोड़ रूपैया मांगा और केन्द्र सरकार ने भुगतान सिर्फ 77 करोड ही किया। पुनः 2024-25 में 253 करोड रूपैया मांगा गया और मिला सिर्फ 33 करोड़, 2025-26 में 370 करोड मांगा गया और मिला 13 करोड रूपैया। भाजपा के नेताओं को इसपर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और महागठबंधन की सरकार इस पर काफी संजीदा है। हम छात्रों को छात्रवृत्ति का पैसा दिलवाकर रहेंगे इसके लिए 10 जनवरी 2026 को बडे पैमाने पर हमारी छात्र संगठन एनएसयूआई लोकभवन का घेराव करेगी और यह बताने का काम करेगी कि लोकभवन लोकहित में काम करे और छात्रों को छात्रवृति दिलाने में मदद करें और केन्द्र में फसी राशि राज्य सरकार को उपलब्ध करवायें।

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिर्की ने कहा कि केन्द्र यह इलजाम लगा रही है कि राज्य सरकार उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं दी जिसके कारण छात्रवृति का पैसा रिलीज नहीं हुआ जबकि हकीकत यह है कि छात्रवृति में उपयोगिता प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। मतलब झूठ बोलकर सिर्फ गुमराह करना, छात्रों को, युवाओं, महिलाओं को यही देश के प्रधानमंत्री और भाजपा का फितरत रही है। उन्होंने कहा कि 10 जनवरी को बड़े पैमाने पर छात्र इकटठा होंगे और अगर विपक्ष छात्रवृति चाहती है तो दलगत भावना से उपर उठकर लोकभवन के घेराव में सम्मिलित हों।

आज के संवाददाता सम्मेलन में महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव, प्रवक्ता कमल ठाकुर, जगदीश साहु उपस्थित थे।

अंडरग्राउंड पाइपलाइन के जरिए लोगों को मिलेगा तिलैया नहर का पानी : मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। अंडरग्राउंड पाइपलाइन के जरिए तिलैया नहर का पानी स्थानीय लोगों को मिलेगा। इस योजना का डीपीआर यूडीपीएल के तहत तैयार किया रहा है। अंडरग्राउंड पाइपलाइन का उपयोग करने से स्थानीय लोगों से भूमि अधिग्रहण का झंझट नहीं रहेगा। ग्रामीण अपनी जमीन योजनाओं के लिए नहीं देना चाहते हैं। यह बातें जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को कही। उन्होंने कहा कि 1948 में डीवीसी का गठन हुआ था, लेकिन उस समय डीवीसी को ही सभी अधिकार दे दिए गए।

उन्होंने बताया कि तिलैया डैम 1953 में बना था और उस समय के शर्तों के मुताबिक डैम के 246 एमटीएम जल का उपयोग झारखंड को करने का अधिकार दिया गया था।

इस मामले को अल्प सूचित प्रश्न के तहत बरकटठा से भाजपा के विधायक अमित कुमार यादव ने उठाया था। उन्होंने सरकार से कोडरमा जिले के तिलैया नहर योजना के निर्माण कार्य के लिए जल्द डीपीआर बनाने की मांग की थी। विधाय?क ने कहा कि तिलैया नहर योजना का निर्माण कार्य 1950 से ही विचाराधीन है।

इसे लेकर वर्ष 2014-15 में डीपीआर बनाने का निर्णय लिया गया था। लेकिन यह अब तक नहीं बन सका है। उन्होंने कहा कि डीवीसी के सभी डैम झारखंड में बने हैं, लेकिन यह दुखद है कि इन डैमों से सिंचाई का कार्य झारखंड के किसान नहीं कर सकते हैं। डीवीसी के डैम के पानी का इस्तेमाल पश्चिम बंगाल करता है।

रांची में होगा पूर्वी जोन स्कूल बैंड प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वाधान में इस वर्ष पूर्वी जोन स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन रांची में किया जाएगा। राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता के अंतर्गत झारखंड को इस बार जोनल स्तर की मेजबानी का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ है, जो राज्य की बढ़ती खेल-सांस्कृतिक क्षमता एवं उत्तम आयोजन प्रबंधन का प्रतीक है। प्रतियोगिता का आयोजन 14-15 दिसंबर को मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, खेलगांव, रांची में बड़े पैमाने पर किया जाएगा। झारखंड को पूर्वी जोन की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपी गई है, जिसमें पूर्वी भारत के कुल 11 राज्यों की स्कूल बैंड टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा तथा सिक्किम शामिल हैं। जोनल के चार विजेता टीम को राष्ट्रीय स्कूली बैंड प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा।

राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव श्री धीरसेन ए. सोरेंग ने बताया कि पूर्वी जोन स्कूल बैंड प्रतियोगिता की मेजबानी मिलना झारखंड के लिए गौरव का विषय है। यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बच्चों में अनुशासन, समरसता,तालझलय और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने का मंच है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद सभी राज्यों की टीमों के स्वागत हेतु पूरी निष्ठा से तैयार है और हम इस आयोजन को उत्कृष्ट, सुरक्षित एवं प्रेरक वातावरण में सम्पन्न करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए सभी तैयारी कार्य तीव्र गति से प्रारंभ कर दिए गए हैं। आगंतुक सभी टीमों के लिए आवास,भोजन,सुरक्षा,परिवहन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। परिषद का लक्ष्य है कि यह आयोजन उच्च स्तर, सुसंगठित और प्रेरणादायी रूप में सम्पन्न हो। साथ ही यह आयोजन न केवल प्रतिभागी विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन, सामंजस्य और ताल-लय को प्रदर्शित करेगा, बल्कि झारखंड की सांस्कृतिक विरासत एवं आयोजन क्षमता को भी राष्ट्रीय मंच पर उजागर करेगा। राज्य सरकार को विश्वास है कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में देशभक्ति, टीमवर्क और सामूहिकता की भावना को और सशक्त करेगी।

रेल मंत्री से मिले रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

बिभा संवाददाता

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गुरुवार को नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की इस मुलाकात के क्रम में सेठ ने रांची को दी जा रही रेल परियोजनाओं के लिए उनके प्रति आभार जताया और रांची में रेल यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर आग्रह पत्र भी सौंपा।

अपने पत्र में सेठ ने कहा कि झारखंड की राजधानी होने के कारण रांची से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। कई शहरों से सीधे कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण उन्हें बड़ी समस्या होती है। इसके समाधान हेतु विभिन्न ट्रेनों के परिचालन और फेरे बढ़ाने जैसे विषयों की तरफ सकारात्मक पहल आवश्यक है।

उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि रांची से आनंद विहार को जाने वाली हटिया आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस (ट्रेन नं.-12825/12826) का विस्तार जयपुर तक किया जाए। इससे झारखंड और राजस्थान की कनेक्टिविटी सुगम हो जाएगा। रांची से अहमदाबाद के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शुरू किया जाए। इससे देश के कई राज्यों की कनेक्टिविटी हो सकेगी। इस ट्रेन के परिचालन से आम जनता का आवागमन भी सुगम हो सकेगा। रांची से लोहरदगा के लिए एक पैसेंजर ट्रेन चलती है। इस पैसेंजर ट्रेन के फेरे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक लोग सुगम यात्रा कर सकें। इसकी मांग भी क्षेत्र की जनता लंबे समय से कर रही है। रांची, सिल्ली, मुरी के लिए भी एक नई मेमू ट्रेन के परिचालन की आवश्यकता है। प्रतिदिन इन क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान, विद्यार्थी, नौकरी-पेशा से और व्यवसाय से जुड़े रांची आवागमन करते हैं। ऐसे में नई मेमू ट्रेन का परिचालन यात्रा को और भी सुगम बनाएगा। हटिया-सांकी पैसेंजर/एक्सप्रेस (ट्रेन नं०-58663/58664/58665/58666) का विस्तार बरकाकाना-हजारीबाग टाउन तक किया जाए। ऐसा किए जाने से आम जनता की यात्रा कम खचीर्ली और सुगम हो सकेगी। बड़ी आबादी इससे लाभान्वित होगी। रक्षा राज्य मंत्री ने रेल मंत्री से रांची बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस को सप्ताह में तीन दिन वाया बक्सर होते हुए चलाने का आग्रह किया। उसके अतिरिक्त धरती आबा एक्सप्रेस, हटिया पुने एक्सप्रेस, हटिया एलटीटी एक्सप्रेस, हटिया बेंगलुरु एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के फेरे बढ़ाए जाने का भी आग्रह सेठ ने रेल मंत्री से किया है। सेठ ने मंत्री से कहा कि क्षेत्र की जनता की भावनाओं और आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए उपरोक्त मांगों पर आवश्यक कार्यवाही कर, दिशा निर्देश जारी किया जाए।

कोयला खदान से उड़ती धूलकण पर पानी छिड़काएगी सरकार : योगेंद्र

रांची(बिभा)। सदन में प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि अब सभी कोयला खादान या आसपास की सड़कों पर वाहनों के चलने के कारण निकलती और उड़ती धूलकण को देखते हुए क्षेत्र की सड़कों में सुबह-शाम टैंकर से पानी का छिड़काव होगा। इसके साथ ही कोयला ढुलाई करने वाले वाहनों को हर हाल में त्रिपाल ढकने के निर्देश दिया जाएगा। ताकि लोगों को उड़ते धूलकण से श्वांस से संबंधित बीमारियों से जूझना नहीं पड़े। मंत्री विधानसभा के शीताकलीन सत्र के दौरान गुरुवार को दूसरी पाली में झामुमो के विधायक हेमलाल मुर्मू की ओर से लाए गए गैर संकल्प के तहत पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। हेमलाल मुर्मू ने कहा कि पाकुड़ जिला के अमडापाड़ा प्रखंड में कोयला खादान का धूल पूरे क्षेत्रवासियों को प्रभावित करता है। स्थानीय लोग टीबी (यक्ष्मा), हृदय रोग, अस्थमा सहित अन्य श्वांस से संबंधित बीमारियों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र आदिवासी बहुल है। इसलिए सरकार कोयला खादान से होनेवाले प्रदूषण को रोकने की दिशा में समुचित कदम उठाए। इसपर मंत्री ने जबाव देते हुए कहा कि जो बातें सदन में आई हैं। उसपर राज्य सरकार आवश्यक कदम उठाएगी।

गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाशोत्सव के लिए 15 से निकलेगी प्रभातफेरी

रांची(बिभा)। खालसा पंथ के संस्थापक सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के 359वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में 15 दिसंबर से श्री गुरु सिंह सभा के दिशा निर्देशन में अलग-अलग गुरुद्वारों से प्रभातफेरी निकाली जाएगी। श्री गुरु सिंह सभा के महासचिव गगनदीप सिंह सेठी ने गुरुवार को बताया कि मेन रोड गुरुद्वारा से 15 दिसंबर से 22 दिसंबर तक सुबह 4.30 बजे से प्रभात फेरी निकालने का फैसला लिया गया। उन्होंने बताया कि पटना साहिब में होने वाले श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाशोत्सव और नगर कीर्तन में शामिल होने के लिए संगत का जत्था 24 दिसंबर को पटना श्री हरमंदिर साहिब के लिए रवाना होगा।

झारखंड को बड़ी सौगात : रांची-लखनऊ के बीच नई ट्रेन जल्द, राजधानी एक्सप्रेस अब हर दिन चलेगी

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंडवासियों के लिए रेल यात्रा से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। रांची से लखनऊ के बीच एक नई ट्रेन चलाने की तैयारी पूरी हो गई है, जो पलामू होकर अयोध्या के रास्ते लखनऊ तक जाएगी। इसके साथ ही रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस अब प्रतिदिन चलेगी, जिससे यात्रियों को काफी सुविधा होगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से झारखंड के सांसदों की मुलाकात के बाद यह सहमति बनी है। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम ने किया। उनके साथ जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, हजारीबाग के मनीष जायसवाल और चतरा के सांसद कालीचरण सिंह मौजूद थे।

बैठक में रेल मंत्री ने न केवल रांची-लखनऊ नई ट्रेन की मांग पर सहमति दी, बल्कि राजधानी एक्सप्रेस के फेरे बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की। अब राजधानी एक्सप्रेस सप्ताह में तीन दिन लोहरदगा-पलामू मार्ग से और चार दिन हजारीबाग-कोडरमा मार्ग से नई दिल्ली तक चलेगी।

मुलाकात के दौरान झारखंड के लिए एक और खुशखबरी मिली। कोहरे के कारण रद्द की गई झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस को फिर से चालू करने की सहमति रेल मंत्री ने दे दी है। यह ट्रेन पलामू क्षेत्र के लिए ह्यलाइफ लाइनह्न मानी जाती है, जिसकी वापसी से क्षेत्र के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

सांसद विष्णुदयाल राम ने मुलाकात में मिले आश्वासन और सहमति की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि झारखंड के यात्रियों की सुविधा के लिए रेल मंत्री ने सकारात्मक रुख दिखाया है। रांची-लखनऊ के बीच नई ट्रेन की लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी होने जा रही है। अगले कुछ महीनों में नई ट्रेन का परिचालन शुरू होने की उम्मीद है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: जीएसयू-इलेक्ट-एएसएन-2025-04-आर, दिनांक 09.12.2025; उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/विद्युत/गति शक्ति इकाई, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के निष्पादन के लिए वैध विद्युत ठेकेदारी का लाइसेंस तथा सुपरवाइजरी लाइसेंस रखने वाले तथा नीचे उल्लेखित कार्य सम्पन्न करने में वित्तीय रूप से सक्षम वांछित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा केस सं.:** जीएसयू-इलेक्ट-एएसएन-2025-04-आर, **कार्य का नाम:** गति शक्ति इकाई, आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के अधीन एसटीएल, डीजीएचआर, डीयूएमके, वीडीएस, जेएमटी, केएमएमई, एमडीपी, जीआरडी, बीएसकेएच, यूडीएल, एसयूआरआई, पीएडब्ल्यू, एसटीएन, पीएएन, एसएनक्यू स्टेशनों में अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था के सुधार (वॉल/हैंगिंग/फ्लोर माउंटिंग टाइप एलईडी प्रकाशित चिन्ह की डिजाइन, निर्माण, प्रदर्शन, स्थापना के साथ वायरिंग एवं आनुषंगिक कार्य) के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 1,94,97,656.38; **बयाना राशि:** रु. 2,47,500/-। **कार्य समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 9 महीने। **कार्य हेतु प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तारीख से 45 दिन। **खुलने की तारीख एवं समय:** 05.01.2026 को 12.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखे जा सकते हैं। (ASN-269/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

डीएवी सेक्टर 4 के विद्यार्थियों ने झुग्गी-झोपड़ी वासियों के दैनिक जीवन और उनकी वर्तमान समस्याओं पर किया सर्वेक्षण

बिभा संवाददाता

बोकारो : कला संकाय कक्षा 12वीं के डीएवी सेक्टर-4 के छात्रों ने अपने राजनीतिक विज्ञान परियोजना के अनिवार्य अंग के रूप में नजदीकी झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया। इस दौरे का व्यावहारिक उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में जीवनोयापन हेतु व्याप्त परिस्थितियों का अवलोकन करना और वहां के निवासियों के रोजमर्रा की जीवन- शैली ,चुनौतियों और आम कठिनायों को समझना था।

सर्वेक्षण के दौरान छात्रों ने स्थानीय महिलाओं, बच्चों और परिवारों के अन्य सभी सदस्यों के साथ बातचीत की तथा उनसे शिक्षा, रोजगार, स्वच्छता, आवासीय परिस्थितियाँ, मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित अपनी जिज्ञासा और उत्कंठा भरे सवाल किए।छात्रों ने अपने सर्वेक्षण नोटबुक में उनकी प्रतिक्रिया और सभी उत्तरों को अत्यंत तत्परता से सावधानीपूर्वक नोट किया।

इस सर्वेक्षण से छात्रों को पाठ्यपुस्तकों से इतर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में एवं सतही रूप से विषय वस्तु को समझने में सहायता मिली। उन्होंने वास्तविक जीवन की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं जैसे बुनियादी स्वच्छता की कमी, स्वच्छ पेयजल तक की सीमित पूर्ति, बेरोजगारी और शिक्षा संबंधी बाधाओं आदि के बारे में स्वयं खोजबीन करके तथ्यों को जाना,समझा और उनके प्रति प्रभावी ढंग से जानकार,संवेदनशील और सजग बने। अपने अवलोकनों, सूचनाओं और एकत्रित आंकड़ों के आधार पर, छात्रों ने बाद में एक विस्तृत फाइल रिपोर्ट तैयार की जिसे उन्होंने राजनीतिक विज्ञान परियोजना के अंतर्गत प्रस्तुत किया। यह क्षेत्र अध्ययन न केवल उनके सामाजिक मुद्दों की समझ को बढ़ावा देने वाला साबित हुआ, बल्कि उन्हें समाज के इन पिछड़े और पीड़ित वर्ग की मूलभूत समस्याओं के समाधान पर विचार करने और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की जीवन स्थितियों को सुधारने में सरकारी नीतियों की भूमिका के बारे में सोचने के लिए भी प्रेरित किया।

विद्यालय के प्राचार्य श्री एसके मिश्रा ने छात्रों के सर्वेक्षण अभियान को उनके शिक्षण प्रक्रिया की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए उसकी प्रासंगिकता पर बल दिया और स्पष्ट किया कि इससे बच्चों में सामाजिक संवेदनशीलता, समाज के हर वर्ग के प्रति ग्रहणशीलता और सचेतना बढ़ेगी जो देश के सामाजिक समरूपता के लिए आवश्यक है।

बोकारो में पति के अपहरण की आशंका, पत्नी ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

हरला पुलिस ने दर्ज की अपहरण की शिकायत, सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी टीम

बिभा संवाददाता

बोकारो : हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर-8ए के क्वार्टर नंबर 2197 में रहने वाली अमृता सिंह ने अपने पति जयंत कुमार के अपहरण की आशंका जताते हुए बीती रात थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।अमृता ने बताया कि बुधवार रात लगभग 10 बजे, उनके पति सिगरेट लेने मोड़ की तरफ गए थे। वह छत से उन्हें आते देख रही थीं। उसी वक्त सड़क किनारे एक सफेद रंग की कार और कुछ मोटरसाइकिलें खड़ी देखीं। लेकिन कुछ देर बाद जब जयंत घर नहीं लौटे तो अमृता नीचे उतरीं, पर न तो उनके पति दिखाई दिए और न ही वह गाड़ी।अमृता का आरोप है कि अज्ञात लोग उनके पति को जबरन कार में बैठाकर ले गए हैं। उन्होंने बताया कि आठ दिसंबर को जयंत के मोबाइल पर एक व्यक्ति, जिसे उन्होंने विनोद खोपड़ी बताया, की तरफ से धमकी भरा फोन आया था। फोन पर उनके पति और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। धमकी का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। अमृता ने कुछ अन्य व्यक्तियों के नाम भी संदिग्ध के तौर पर पुलिस को दिए हैं।हरला थाना प्रभारी, खुर्शीद आलम ने मीडिया को बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच कई तरफ से की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने जिन नामों का उल्लेख किया गया है, उनकी सत्यता की जांच कर रही है। आसपास के इलाकों में छानबीन की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। थाना प्रभारी ने जल्द ही मामले की गुत्थी सुलझाने का भरोसा दिया है।

संक्षिप्त खबरें

रैंप वाक काम्पटीशन में एमजीएम स्कूल के विद्यार्थियों का दिखा जलवा

बोकारो(बिभा) : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो के प्राइमरी विंग में नीलगिरी हाउस की ओर से रैंप वाक काम्पटीशन का आयोजन किया गया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि आज के दौर में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास आवश्यक है। इसलिए इस दिशा में सकारात्मक काम किया जा रहा है। विविध गतिविधियों के माध्यम से एक ओर विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने की दिशा में सकारात्मक काम किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर बच्चों को जीवन में सफलता की राह दिखाई जा रही है। शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन के विद्यार्थी सफलता की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने से बच्चों की प्रतिभा निखरती है। इसलिए बच्चों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उप प्राचार्य राखी बनर्जी व हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने पशु, फूल, फल, सब्जी, सुपर हीरो, बुक कैरेक्टर आदि पर आधारित पोशाक पहन कर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। ग्रुप ए में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर सृष्टि रानी पहले, मानवी श्रीवास्तव दूसरे एवं सान्वी चौधरी व आरव सूद्रानिया संयुक्त रुप से तीसरे स्थान पर रहे। ग्रुप बी में साक्षी पूर्ति पहले, चैतन्य दर्शील दूसरे व शेख अलीजा तीसरे स्थान पर रहे। ग्रुप सी में शीतल सिंह ने पहला, सान्वी सिंह ने दूसरा एवं आयशा इरशाद ने तीसरा स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडली में जोनाकी बिश्वास, रंजीता गिरि व रचना सिंह शामिल थीं। अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन रुख्सार जेबा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हाउस मिस्ट्रेस जूली बर्च, सुषमा कुजूर, कुमारी रुपम, रीना सिंह, जागृत सिंह, अपर्णा गुप्ता आदि का सराहनीय योगदान रहा।

स्थानीय विस्थापित जागरण मंच की महत्वपूर्ण बैठक, वनभोज कार्यक्रम का निर्णय

बोकारो(बिभा)। स्थानीय विस्थापित जागरण मंच द्वारा सी.आर.एम कोऑपरेटिव कैंटीन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता बादशाह महतो ने की, जबकि संचालन राजेंद्र प्रसाद ने किया। बैठक में बोकारो स्टील प्लांट के स्थानीय एवं विस्थापित स्थाई एवं ठेका कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि वर्तमान में प्लांट में विस्थापित स्थाई एवं ठेका कर्मचारियों की संख्या काफी कम हो गई है, जिससे प्रबंधन द्वारा स्थानीय एवं विस्थापित कर्मचारियों का शोषण बढ़ा है। इसी चिंता को लेकर मंच ने सभी कर्मचारियों की एकजुटता एवं आपसी सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए बैठक बुलाई है। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि दिनांक 24 जनवरी 2026 को एक वनभोज सह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नए कमेटी सदस्यों का चयन एवं विस्तार भी किया गया। नई कमेटी के पदाधिकारी इस प्रकार हैं-मुख्य संरक्षकः शंकर लाल गोप अध्यक्षः सुखदेव कु सिंह ,कार्यकारी अध्यक्षः राजेंद्र प्रसाद,उपाध्यक्षः अखिलेश कुमार मंडल, प्रदीप कुमार, एस.टी. अंसारी, मनी लाल गोप, मनी लाल सिंह,सचिवः प्रदीप कुमार महतो, सुजीत कुमार राय, मोती लाल महतो,सहसचिवः संजय कुमार महतो, रमा रवानी,कोषाध्यक्षः केशव महतो, शंभू रजवार, सुनीता बिरुवा, जीवन साहू, जयचंद गोप, राजेश कुमार महतो। बैठक में सभी पदाधिकारियों के साथ दिनेश कुमार महतो, शंभू रजवार, जय प्रकाश महतो, युगल मांझी, इमामुल हक अंसारी सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा एवं उनके हितों की रक्षा का संकल्प लिया।स्थानीय विस्थापित जागरण मंच ने अपने नए नेतृत्व के साथ कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर आवाज उठाने और एकजुट होकर बेहतर भविष्य निर्माण की दिशा में काम करने की बात कही है।

झारखंड महिला कबड्डी टीम महाराष्ट्र के लिए रवाना

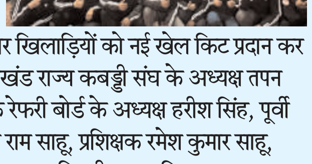

बोकारो(बिभा) : झारखंड महिला कबड्डी टीम टाटा स्टेशन से पांचवीं फेडरेशन सीनियर नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र के दौरे पर रवाना हुई। इस अवसर पर खिलाड़ियों को नई खेल किट प्रदान कर प्रोद्युक्त सम्मानित किया गया।झारखंड राज्य कबड्डी संघ के अध्यक्ष तपन कुमार रावत, भारतीय महासंघ के रेफरी बोर्ड के अध्यक्ष हरीश सिंह, पूर्वी सिंहभूम जिला के सचिव तिलक राम साहू, प्रशिक्षक रमेश कुमार साहू, पश्चिमी सिंहभूम के जिला अध्यक्ष राहुल तिवारी तथा सचिव श्यामल दास ने टीम को शुभकामनाएं दीं। इसके अतिरिक्त बसंती कुमारी और प्रेम लाल भी इस समारोह में उपस्थित रहे।टीम के साथ नेशनल रेफरी के रूप में बोकारो जिला से मनोज शर्मा और रांची से दीपिका कुमारी मौजूद रहे। झारखंड टीम के तकनीकी सदस्य रोहित शर्मा और कुणाल कुशवाहा के साथ प्रशिक्षक जगदेव तथा टीम मैनेजर अनूपपूर्ति भी टीम के साथ महाराष्ट्र रवाना हुए।इस प्रतियोगिता में झारखंड की महिला कबड्डी टीम बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरेगी।

बीएसएल के आरएमपी विभाग में 100 टन प्रति दिन क्षमता वाली लाइम क्रशर यूनिट का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने अपनी रॉ मटेरियल प्रबंधन प्रक्रिया को और भी सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आरएमपी विभाग के लाइम डिस्चार्ज परिसर में 100 टन प्रतिदिन उत्पादन क्षमता वाली नई लाइम क्रशर यूनिट की स्थापना की है। इस नवीन मशीन का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन ने किया, जबकि इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त भी मौजूद रहे।कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरी) नागराजन श्रीकांत, महाप्रबंधक (आरएमपी) मुकेश कुमार, उप महाप्रबंधक (आरएमपी) अनुराग डे, उप महाप्रबंधक (आरएमपी) समीर महापात्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे। प्रिय रंजन ने इस नई लाइम क्रशर यूनिट को इस्पात उत्पादन प्रक्रिया को अधिक दक्ष एवं गतिशील बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने इस परियोजना के लिए विभिन्न विभागों एवं फर्स्ट सोसाइटी ऑफ नॉलेज लिंक्ड कर्मियों के अथक प्रयासों की सराहना की।यह यूनिट विशेष रूप से सिंटर प्लांट के लिए फ्लक्स उत्पादन में अहम भूमिका निभाएगी। इससे कैल्शियम युक्त उच्च गुणवत्ता वाली लाइम का उत्पादन होगा, जो सिंटर की बाइंडिंग स्ट्रेंथ को बढ़ाकर रिटर्न सिंटर की मात्रा को कम करेगा। परिणामस्वरूप, सिंटर प्लांट की उत्पादकता में वृद्धि होगी और ब्लास्ट फर्नेस को बेहतर गुणवत्ता वाला सिंटर मिलेगा, जिससे उसकी उत्पादन क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।साथ ही, इस लाइम क्रशर यूनिट के संचालन से आरएमपी विभाग के रोटरी किल्न को लेस ऑफ-टेक की समस्या से बचाया जा सकेगा, जिससे किल्न की उत्पादकता और रिफ्रैक्टरी लाइनिंग की आयु दोनों में सुधार होगा।यह नवीनतम तकनीकी युगदान बीएसएल के उत्पादन और गुणवत्ता के स्तर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

सांप्रदायिक शक्तियों के खिलाफ लंबी लड़ाई की तैयारी, चेतावनी मार्च का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : निर्मल महतो स्मृति भवन (झामुमो कार्यालय), कारगली में विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में हाल ही में फुसरो बैंक मोड़ पर हुई घटना की कड़ी निंदा की गई और इसे बेरमो कोयलांचल के सौहार्दपूर्ण माहौल को तोड़ने की साजिश बताया गया।बैठक में चर्चा हुई कि कुछ शक्तियां युवाओं को भ्रमित करके नशे की ओर मोड़कर क्षेत्र की सामाजिक स्थिरता को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं, जो सभ्य समाज के लिए घातक है। अतः सांप्रदायिक ताकतों के विरुद्ध लंबी और संगठित लड़ाई की शुरूआत करना आवश्यक है जिसके लिए कई मोर्चों पर संघर्ष किया जाएगा।इस कड़ी में आगामी 14 दिसंबर 2025 को गांधी मूर्ति कारगली गेट से निर्मल महतो चौक तक एक चेतावनी मार्च का आयोजन किया जाएगा। यह मार्च सांप्रदायिकता के खिलाफ चल रही लड़ाई की शुरूआत मानी जाएगी।बैठक की अध्यक्षता झारखंड मुक्ति मोर्चा के नगर अध्यक्ष दीपक महतो ने की। प्रमुख रूप से झामुमो के वरिष्ठ नेता काशीनाथ केवट, भाकपा माले के भुवनेश्वर केवट, विकाश कुमार सिंह, झामुमो सचिव महताब आलम, भोलू खान, पान बाबू केवट, अनिल कुमार रजवार, सीपीआई के वरिष्ठ नेता

खुटरी पॉलिटेक्निक के समक्ष फुटबॉल मैदान में हासा-भाषा विजय दिवस मनाने को लेकर बैठक

बिभा संवाददाता

बोकारो : आदिवासी सेंगेल अभियान के तत्वावधान में आज खुटरी पॉलिटेक्निक के सामने फुटबॉल मैदान में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता बोकारो सेंगेल जिला अध्यक्ष एवं बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने की। बैठक में 22 दिसंबर 2025 को हासा-भाषा विजय दिवस मनाने का संकल्प लिया गया।सुखदेव मुर्मू ने कहा कि 22 दिसंबर 1855 और 22 दिसंबर 2003 के ऐतिहासिक विजय की स्मृति में यह दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि महान वीर शहीद सिदो मुर्मू के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ संथाल परगना में संघर्ष के बाद 22 दिसंबर 1855 को संताल परगना देश एवं संताल परगना कानून स्थापित हुआ था। वहीं, पूर्व सांसद और संताली भाषा मोर्चा के अध्यक्ष सालखन मुर्मू के नेतृत्व में लंबे संघर्ष के बाद 22 दिसंबर 2003 को संताली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था।सुखदेव मुर्मू ने बताया कि इसी तर्ज पर 22 दिसंबर 2025 को बोकारो जिले के सभी आदिवासी बहुल प्रखंडों में हासा-भाषा विजय दिवस मनाने का संकल्प सेंगेल अभियान द्वारा लिया जाएगा। जैनामोड़ व खुटरी पॉलिटेक्निक के फुटबॉल मैदान में भी बड़े पैमाने पर इस आयोजन का आयोजन किया जाएगा।बैठक में झारखंड प्रदेश संयोजक एवं बोकारो जोनल पर्गना करमचंद हांसदा, झारखंड प्रदेश संयोजक जयराम सोरेन, जिला संयोजक गोपीनाथ मुर्मू, पेटरवार प्रखंड सेंगेल बीडीओ विजय मार्डी, पेटरवार संयोजक सोनाराम मुर्मू, शिवलाल मुर्मू, रामनाथ हेम्ब्रम, रामलाल हेम्ब्रम, संजय टुडू, करण मुर्मू सहित कई अन्य प्रमुख नेता और सदस्य उपस्थित थे।

बोकारो रेलवे यार्ड के अपग्रेडेशन का डीआरएम ने किया निरीक्षण, प्लेटफॉर्म विस्तार का प्रस्ताव भी भेजा गया

बिभा संवाददाता

बोकारो : आद्रा मंडल के डीआरएम मुकेश कुमार गुप्ता गुरुवार को बोकारो रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहाँ उन्होंने यार्ड अपग्रेडेशन कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने मौजूद अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए और कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया।

एरिया रेलवे मैनेजर (एआरएम) विनीत कुमार ने बताया कि बोकारो यार्ड की क्षमता बढ़ाई जा रही है, ताकि मालगाड़ियों के संचालन को और अधिक सुगम और प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि डीआरएम का यह दौरा मुख्य रूप से इन कार्यों की समीक्षा के लिए था और उनके द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर शुक्रवार को विस्तृत सर्वे किए जाएंगे। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर अपग्रेडेशन कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा।

एआरएम विनीत कुमार ने बताया कि रेलवे की आय का बड़ा हिस्सा मालगाड़ी संचालन से आता है, जिसकी वृद्धि से यात्रियों की सुविधाओं के विस्तार में मदद मिलती है। इसी उद्देश्य से यार्ड का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है, ताकि अधिक संख्या में मालगाड़ियों का सुरक्षित और समयबद्ध संचालन संभव हो सके।

आद्रा मंडल के पीआरओ विकास ने बताया कि बोकारो रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म विस्तार के लिए प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं। अनुमोदन मिलने के बाद इस पर जल्द ही कार्य शुरू होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि अमृत भारत योजना के तहत बोकारो स्टेशन का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है और इस पूरे प्रोजेक्ट को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

विजेता खिलाड़ियों को खेल पदाधिकारी ने किया सम्मानित

बोकारो। मध्यप्रदेश के इंदौर में 1 दिसंबर से 4 दिसंबर तक आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली एथलेटिक्स प्रतियोगिता में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए आवासीय एथलेटिक्स केंद्र, चंदनकियारी (बोकारो) के खिलाड़ी रिस कुमार व आसिफ शेख अंडर-14 बालक रिले टीम में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4.100 मीटर रिले दौड़ के फाइनल में कांस्य पदक हासिल किया, साथ ही लातेहार में आयोजित 17वाँ झारखण्ड स्टेट क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में आवासीय एथलेटिक्स केंद्र, चंदनकियारी (बोकारो) के खिलाड़ी उत्तम कुमार ने 2कि० मी० स्पर्धा में सिल्वर मेडल प्राप्त कर राज्य एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है। खिलाड़ियों को जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन ने बेहतर प्रदर्शन के लिए सभी पदक विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षको को सम्मानित किया बधाई देते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की। मौके पर जिला खेल समन्वयक, प्रशिक्षक चौहान महतो, मोहन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

सरकारी योजनाओं से जुड़ाव को लेकर स्टेकहोल्डर मीटिंग का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : कसमार प्रखंड के दुगार्पुर पंचायत भवन में किशोरियों एवं महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से सहयोगिनी संस्था द्वारा स्टेकहोल्डर मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में पंचायत प्रतिनिधि, सेविकाझसहिया, महिला समूह की सदस्याएँ एवं अभिभावकों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया अमरेश कुमार महतो उर्फ अमरलाल जी ने की। उन्होंने कहा कि किशोरियों और महिलाओं को अपने अधिकारों, शिक्षा एवं सुरक्षा से संबंधित जानकारी जरूरी है, ताकि वे जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय आत्मविश्वास के साथ ले सकें। उन्होंने बाल विवाह, मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया।

उपमुखिया पंचानन महतो ने कहा कि सभी हितधारकों के सहयोग से पंचायत की किशोरियों और महिलाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने योजनाओं के लाभ को घरझघर तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता जताई।

सहयोगिनी संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड के 19 गाँवों में किशोरियों एवं युवा महिलाओं की नेतृत्व क्षमता विकसित करने और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने जानकारी दी कि सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना, कन्यादान योजना, स्कॉलरशिप, साइकिल योजना, स्वरोजगार योजनाओं तथा कौशल विकास प्रशिक्षण से किशोरियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जीवन कौशल प्रशिक्षण से किशोरियों में संचार क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता, नेतृत्व और समस्या समाधान कौशल विकसित हो रहे हैं।

एनिमेटर बिनीता देवी ने बताया कि समूह गठन के माध्यम से किशोरियों को हिंसा से सुरक्षा, अधिकारों की जानकारी और सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास लगातार जारी है।

बैठक में वार्ड सदस्य रंजू देवी, रविता देवी, पविता देवी, सोनी देवी, सेविका उषा बाला देवी, हेमंती देवी, यशोमती देवी, नुनीवाला देवी, शांति देवी, पूनम देवी, सनातन महतो, संबोधन महतो, बाबूचंद्र मांझी, विश्वेश्वर मांझी, भीम प्रसाद महतो, संतोष महतो समेत कई लोग मौजूद रहे।

हजारीबाग में एनआईए-एटीएस का तड़के ताबड़तोड़ ऑपरेशन!

अंसार नगर में खामोशी तोड़ी, पूरा इलाका छावनी में तब्दील

बिभा संवाददाता

हजारीबाग; हजारीबाग की सुबह अचानक सनसनीखेज बन गई, जब पेलावल थाना क्षेत्र स्थित अंसार नगर में केंद्रीय एजेंसियों की भारी हलचल दिखी। इलाके में अचानक तीन विशेष वाहनों का काफिला पहुंचा और देखते ही देखते एक पूरे मोहल्ले को सुरक्षा घेरा बनाकर सील कर दिया गया। लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले एनआईए और एटीएस की संयुक्त टीम एक घर में धावा बोल चुकी थी। स्थानीय लोग दहशत में जागे और घंटों तक पूरे क्षेत्र में सिर्फ सुरक्षाबलों की आवाजाही ही नजर आई।जांच टीम में महिला और पुरुष, दोनों यूनिटें शामिल थीं। लगभग 25 सीआरपीएफ जवानों ने घर को चारों ओर से घेर रखा था। अंदर मौजूद टीम हर कमरे, हर सामान और हर दस्तावेज को बारीकी से खंगाल रही थी। यह वही घर बताया जा रहा है जिसका कनेक्शन 2023 में पुणे से गिरफ्तार किए गए शहनवाज सफीउज्जमा से जुड़ता है। शहनवाज को एनआईए ने आतंकी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में पकड़ा था, और उसकी गिरफ्तारी के बाद जांच टीम हजारीबाग भी पहुंची थी। शहनवान के पिता स्थानीय शिक्षक हैं, जिससे पूरे इलाके में चचाओं का माहौल और गर्म हो गया है।ऑपरेशन के दौरान जांचकताओं ने प्रिंटर मशीन सहित कई संदिग्ध वस्तुएं घर के अंदर ले जाकर छानबीन शुरू की है। एजेंसियों ने अभी तक छापेमारी की वजह या बरामदगी पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। बावजूद इसके, पूरे ऑपरेशन को बेहद संवेदनशील माना जा रहा है।लंबी जांच के बाद भी जब अधिकारी चुप्पी साधे रहे, तो क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। लोग डर और उत्सुकता दोनों में हैं कि आखिर अंसार नगर में ऐसा क्या मिला जिसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों को तड़के यहां उतरना पड़ा। फिलहाल, हजारीबाग अलर्ट मोड में है और सभी की निगाहें इस हाई-प्रोफाइल छापेमारी के आधिकारिक खुलासे पर टिकी हुई हैं।

उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

हजारीबागः जिला समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत उपायुक्त के जनता दरबार में प्राप्त मामलों की प्रगति की समीक्षा से हुई। उपायुक्त ने सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया।इसके उपरांत आपकी योजनाझ्आपकी सरकारझ्आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रखंडों में आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों की प्रखंडवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बताया कि इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य जाति, आय, आवासीय, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित सभी प्रकार के प्रमाण पत्रों का निर्गतीकरण तेज गति से सुनिश्चित करना था। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी प्रखंडों में प्राप्त आवेदनों का एक सप्ताह के अंदर शून्यीकरण किया जाए।बैठक के दौरान म्यूटेशन, जमीन मापी, परिशोधन, ई-कोर्ट, सुओ-मोटो म्यूटेशन, पीजी पोर्टल के मामलों तथा सरकारी भूमि अतिक्रमण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व कार्यों में गति लाते हुए सभी मामलों का तत्परता एवं गंभीरता से निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने हाई कोर्ट से जुड़े भू अर्जन के मामले को सावधानी पूर्वक हल करने का निर्देश दिया। परिशोधन पोर्टल एवं म्यूटेशन के लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि राजस्व से संबंधित सभी मामलों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

धनबाद बस स्टैंड सड़क पर नगर निगम व ट्रैफिक पुलिस की बड़ी कार्रवाई,

अतिक्रमण हटाने से लोगों ने ली राहत की सांस

बिभा संवाददाता

धनबाद। बस स्टैंड स्थित सड़क पर रोजाना लगने वाली भीषण जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए गुरुवार को नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। लंबे समय से सड़क पर अवैध रूप से लगी दुकानों, ठेलों और खड़े वाहनों के कारण उक्त सड़क पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई थी। लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने आज सुबह से ही कार्रवाई शुरू की और इलाके से अतिक्रमण हटाया।

अभियान के दौरान बस स्टैंड रोड पर कई दुकानदारों द्वारा सड़क पर बढ़ाए गए चूल्हों और ढांचों को तोड़ा गया। फुटपाथ और सड़क पर फैलाए गए सामान को हटाया गया तथा गलत तरीके से खड़े वाहनों को भी मौके से हटवाया गया। वहीं, सब्जी बेचने वाले उन दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी गई जो सड़क के बीचोंबीच ठेला लगाकर यातायात बाधित करते थे। टीम ने स्पष्ट कहा कि यदि दोबारा अतिक्रमण पाया जाता है तो भारी जुमार्ना लगाया जाएगा और जरूरत पड़ने पर जब्ती की कार्रवाई भी होगी।

कार्रवाई के दौरान कई ठेले हटाए गए और आगे से इस स्थान पर ठेला न लगाने की चेतावनी दी गई। मौके पर ट्रैफिक इंस्पेक्टर लव कुमार, नगर निगम अधिकारी अनिल कुमार तथा ट्रैफिक जवान पूरी टीम के साथ मौजूद रहे।

फुटपाथ दुकानदारों ने निगम दफ्तर का घेराव कर किया विरोध-प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

धनबाद। सड़क किनारे के फुटपाथ दुकानदारों ने गुरुवार को नगर निगम भवन के सामने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की माने तो नगरपालिका द्वारा उनकी रेहड़ियों और ठेलों को हटाने तथा उन्हें किसी प्रकार का वैकल्पिक स्थल उपलब्ध न कराने के विरोध में यह आंदोलन शुरू किया गया है। फुटपाथ दुकानदारों का आरोप है कि नगर निगम बिना पूर्व जानकारी दिए उनकी दुकानें उजाड़ रही है, जिसके कारण उनके जीवनयापन पर गहरा संकट उत्पन्न हो गया है। इसी नाराजगी के चलते सैकड़ों फुटपाथ व्यापारी एकत्र होकर निगम कार्यालय के बाहर इकट्ठा हुए और अपनी मांगों के पक्ष में जोरदार नारे लगाए।

धरने के दौरान फुटपाथ दुकानदार संघ के अध्यक्ष श्यामल मजूमदार ने कहा कि पिछले दिनों धैया क्षेत्र में हमारे कई विक्रेताओं के साथ धनबाद के सीओ साहब द्वारा दुर्व्यवहार किया गया और दुकानों को तोड़-फोड़ कर नुकसान पहुँचाया गया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी समस्याओं का संतोषजनक निराकरण नहीं होता, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

नेताओं ने नगर निगम प्रशासन से आग्रह किया कि फुटपाथ विक्रेताओं को व्यवस्थित ढंग से पुनर्स्थापित किया जाए तथा उन्हें व्यवसाय करने की वैध अनुमति प्रदान की जाए।

संक्षिप्त खबरें

योग नगरी-हावड़ा एक्सप्रेस से आरपीएफ ने बरामद किया 7 कछुआ, वन विभाग को सौंपा

धनबाद(बिभा)। रेलवे सुरक्षा बल ने गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को योग नगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस के जनरल कोच में तलाशी अभियान चलाकर लावारिश हालत में सात कछुआ बरामद किया है। सभी कछुओं की प्राथमिक जांच के बाद उन्हें सुरक्षित रूप से वन विभाग को सौंप दिया गया। आरिपीएफ अधिकारियों ने बताया कि कछुओं की तस्करी एक गंभीर अपराध है, जिसके तहत अज्ञात व्यक्ति पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग ने आश्वस्त किया है कि कछुओं को उचित संरक्षण, देखभाल और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा तथा ऐसे अवैध कार्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाते रहेंगे।

इमर्जिंग झारखंड बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन 13 व 14 दिसंबर को

धनबाद(बिभा)। झारखंड इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड एसोसिएशन और एल्यूर सोसाइटी के द्वारा संयुक्त रूप से आगामी 13 एवं 14 दिसंबर को धनबाद के गोविंदपुर स्थित राजविलास लग्जरी रिसोर्ट में इमर्जिंग झारखंड बिजनेस कांक्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नॉलेज पार्टनर के तौर पर आईआईटी आईएसएम की बड़ी भूमिका है। इस संदर्भ में गुरुवार को यूनियन क्लब में प्रेस वार्ता आयोजन कर झारखंड इंडस्ट्री ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष अमितेश सहाय एवं महासचिव राजीव शर्मा ने मीडिया को बताया कि इस कॉनक्लेव का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, शिक्षा एवं संस्कृति, स्वास्थ्य, उद्योग एवं व्यवसाय तथा खनन क्षेत्र पर विचार-विमर्श करना है, ताकि झारखंड की औद्योगिक प्रगति को नई गति प्रदान की जा सके।

कल्चरल कार्निवल 2025 सीजन 1 का आयोजन 13 दिसम्बर को नगर भवन में

हजारीबाग(बिभा) : श्री मां संगीतायन एवं पैराडाइज ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम कल्चरल कार्निवल 2025 सीजन 1 का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में संस्थान के संगीत विद्यार्थियों द्वारा गीत और नृत्य की प्रस्तुति होगी। इस कार्यक्रम की विशेषता इसकी विविधता है। कार्यक्रम में छोटे से छोटे बच्चे और वरीय बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। इसमें जीवंत संगीत के साथ गीत और नृत्य प्रस्तुत किए जाने हैं। जीवंत संगीत में शास्त्रीय गायन एवं कथक नृत्य की प्रस्तुति होगी साथ ही विभिन्न लोक संगीत एवं बच्चों द्वारा आकर्षक गीत नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। शहर के विभिन्न व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा इस कार्यक्रम को प्रायोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजक श्री दीपक कुमार घोष एवं सुनील कुमार सोनी ने बताया कि इस तरह का यह पहला सांस्कृतिक कार्यक्रम है जिसका आयोजन अभी तक हजारीबाग में नहीं हुआ है। इस कार्यक्रम में किसी भी नामचीन हस्ती को ना बुलाकर शहर की प्रतिभाओं द्वारा उनके प्रदर्शन की तैयारी की गई है ताकि शहर की प्रतिभाओं को निखरने का अवसर प्राप्त हो और शहर में एक सांस्कृतिक माहौल बना रहे। कार्यक्रम में लगभग एक सौ पचास प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के बैठक में श्री दीपक कुमार घोष, सीमा घोष, गजानंद पाठक, सुनील कुमार सोनी, अनुज सोनी और शिवांश उपस्थित थे।

नगर निगम ने चलाया व्यापक अतिक्रमण अभियान, मुख्य सड़क और बाजार क्षेत्रों से हटाए गए अवैध निर्माण

हजारीबाग(बिभा) : शहर को सुचारु, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा आज बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मुख्य सड़कों, बाजार क्षेत्रों, फुटपाथों तथा सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अवैध कब्जों और निमाणों को हटाया गया। नगर निगम की टीम सुबह से ही बुलडोजर और पुलिस बल के साथ विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची और पहले दुकानदारों तथा अतिक्रमणकारियों को सामान हटाने की चेतावनी दी। निर्धारित समय के बाद भी अवैध रूप से रखे गए ठेले, शेड, बढ़े हुए प्लेटफॉर्म, सड़क किनारे फैलाए गए सामान और प अस्थाई ढांचे को निगम कर्मियों द्वारा जब्त या ध्वस्त कर दिया गया ! अधिकारीयों ने बताया कि लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण के कारण न सिर्फ यातायात प्रभावित होता है, बल्कि पैदल चलने वालों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अभियान का उद्देश्य शहर में स्वच्छता, सुगम यातायात व सार्वजनिक स्थानों की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है।निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ऐसे अभियान समय-समय पर चलाए जाते रहेंगे और किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी नियमों का पालन करें और शहर को व्यवस्थित व सुंदर बनाने में सहयोग दें।

केंदुआडीह के गैस रिसाव क्षेत्र का ड्रोन कैमरे से हुआ मेजरमेंट, सीएमपीडीआई रांची की टीम पहुंची है केंदुआडीह

बिभा संवाददाता

धनबाद। केंदुआडीह गैस रिसाव इलाके का ड्रोन कैमरे से मेजरमेंट किया जा रहा है। इसके लिए सीएमपीडीआई यानी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड रांची के जयॉलोजी मैनेजर भुवनेश कुमार गुप्ता अपनी टीम के साथ यहां पहुंचे हैं।

केंदुआडीह गैस रिसाव मामले का आज नौवा दिन है। हर दिन यहां गैस रिसाव का मेजरमेंट विशेषज्ञ टीम के द्वारा जारी है और अभी भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। गुरुवार को रांची से सीएमपीडीआई यानी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड की टीम भी मेजरमेंट के लिए पहुंची है। टीम ने ड्रोन के जरिए तापमान का पता लगाया। टीम में सीएमपीडीआई के जयॉलोजी मैनेजर भूवनेश गुप्ता ने बताया कि इस समय ठंड का समय है और ऐसे में अधिकतम तापमान 22 से 22 डिग्री है। अब अगर कही तापमान सामान्य से ज्यादा पाया जाता है तो यह समझा जा सकता है कि तापमान अधिक होने के पीछे गैस रिसाव हो सकता है। ड्रोन तापमान के साथ-साथ क्षेत्र की आबादी, घरों की संख्या आदि का डेटा भी कॉलेक्ट करेगी। उन्होंने बताया कि यह मेजरमेंट रिपीट भी होगा, ताकि मेजरमेंट का आकलन सही सही हो सके। उन्होंने बताया रिपोर्ट आने में 15 से 20 दिनों का समय लगेगा। बहरहाल, केंदुआडीह गैस रिसाव क्षेत्र में जाँच प्रक्रिया तेज है। गैस निकलने के कारणों का पता लगाने में सभी वैज्ञानिक तरीके अपनाये जा रहे हैं। दूसरी तरफ 9 दिनों के बाद भी अभी गैस का स्तर सामान्य से कही अधिक पाया जाना अभी भी चिंता का करण बना हुआ है।

स्वामी धर्मबन्धु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में व्यक्तिगत और अनुकूली अधिगम के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग पर चौथे दिन व्याख्यान आयोजित

बिभा संवाददाता

हजारीबागः स्वामी धर्मबन्धु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में क्द्दअउ के तत्वावधान में ह्लव्यक्तिगत और अनुकूली अधिगम के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोगह्व विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य प्रवक्ता डॉ. अजीत कुमार सिंह प्राचार्य के० एन० बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन बेंगाबाद, गिरिडिह, प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी एवं सभी सहायक प्राध्यापकों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। आज के मुख्य वक्ता डॉ. अजीत कुमार सिंह ने ह्लव्यक्तिगत एवं अनुकूली अधिगम हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोगह्व विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अक की बढ़ती भूमिका, अधिगम की गुणवत्ता में उसका योगदान तथा विद्यार्थियों को उनके स्तर के अनुरूप सीखने में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि आधुनिक युग में अक शिक्षण गुणवत्ता बढ़ाने का अत्यंत प्रभावी माध्यम बन चुका हैं उन्होंने इस व्याख्यान को प्रशिक्षुओं के लिए अत्यंत उपयोगी व ज्ञानवर्धक बताया। चौथे दिन के व्याख्यान माला का मंच संचालन दीपक भारती एवं मुख्य प्रवक्ता का सम्पूर्ण परिचय तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक डॉ. घनश्याम राम के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापकगण, शिक्षकेत्तर कर्मी एवं सभी प्रशिक्षुओं की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ किया गया।

झामुमो की केंद्रीय समिति ने केंदुआडीह गैस प्रभावित इलाके का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

धबवाद। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शानुसार झामुमो की केंद्रीय समिति के सदस्यों ने गुरुवार को निरीक्षण करने केंदुआडीह पहुंची। टीम ने केंदुआडीह गैस रिसाव प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया।

सबसे पहले टीम केंदुआडीह थाना प्रभारी से वार्ता के बाद सभी प्रभावित क्षेत्रों में गई। इस दौरान प्रभावित क्षेत्र में रह रहे लोगों के घर पर चिपकाये गए गैस रिसाव कीं मात्रा एवं बीसीसीएल के नोटिस का भी आकलन किया। केंद्रीय समिति सदस्यों ने प्रभावित लोगों से बात कर उनकी समस्याएं सुनी एवं उनके मनतव्यों को भी जाना। केंद्रीय समिति सदस्य डॉ. नीलम मिश्रा ने बताया कि प्रभावित इलाके में गैस रिसाव का उतार चढ़ाव जारी है और स्थिति अच्छी नहीं है। बीसीसीएल प्रबंधन गैस रिसाव को बंद करने में किये जानेवाले प्रयासों को ज्यादा तबज्जो न देकर स्थानीय लोगों को विस्थापित करने पर ज्यादा जोर दे रही है, जोकि न्याय संगत नहीं है। लोगों को एक साजिश के तहत हटाने का प्रयास हो रहा है। गैस रिसाव की घटना के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। कई लोग बीमार पड़ गए। लोगों को हटाने के बजाय बीसीसीएल पहले गैस रिसाव को बंद करे। उन्होंने बताया कि सीएम हेमंत सोरेन इस मामले में गंभीर हैं। उन्होने ट्वीट भी किया है और पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शानुसार ही केंद्रीय समिति आज यहां पहुंची है।

वहीं, टीम में शामिल झामुमो जिला अध्यक्ष लखी सोरेन ने सीधे सीधे बीसीसीएल पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीसीसीएल केवल कोयला खनन में ही ध्यान दे रही है, लोगों की सुरक्षा को लेकर बीसीसीएल गंभीर दिखाई नहीं पड़ती है। इस निरीक्षण में डॉ. नीलम मिश्रा, जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, उपाध्यक्ष मुकेश सिंह के अलावे अन्य जिला कमिटी के पदाधिकारी पहुंचे थे।

आखिरी सांस तक चले संघर्ष में झारखंड विजयी, केरल की चुनौती हुई धराशायी

हजारीबाग में झलका झारखंड का जलवा 6 रनों से केरल को मात

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर के संजय सिंह स्टेडियम में आयोजित कूच बिहार अंडर-19 टूनामेंट का चार दिवसीय मुकाबला गुरुवार को अत्यंत शानदार और ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ। 8 दिसंबर से शुरू हुए इस मैच में हजारीबाग के खेल प्रेमियों और शहरवासियों ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी निभाई। सुबह से शाम तक दर्शक तौलिया, जैकेट और छाते के सहारे मैदान में डटे रहे और हर गेंद पर जोश से मैच का आनंद लिया। एचडीसीए की पूरी टीम ने आयोजन को सफल और यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मैदान की व्यवस्था से लेकर खिलाड़ियों की आवश्यकताओं तक सभी पहलुओं को अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से संभाला गया। सांसद सह एसडीसीए अध्यक्ष मनीष जायसवाल दिल्ली में रहते हुए भी आयोजन की हर गतिविधि पर नजर बनाए रखें और लगातार कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शन देते रहे। तीसरे दिन झारखंड टीम ने दूसरी पारी में 313 रनों का शानदार स्कोर बनाकर मैच को रोमांचक मोड़ पर ला दिया। इसके आधार पर केरल को 186 रन का लक्ष्य मिला। चौथे दिन मैच की शुरूआत होते ही तनाव और उत्साह दोनों अपने चरम पर पहुंच गए। केरल के बल्लेबाज मानव कृष्णा ने 71 रनों की जुझारू पारी खेलकर टीम को संभालने का प्रयास किया, लेकिन झारखंड के गेंदबाजों के सामने वह भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। केरल की पूरी टीम 180 रनों पर ऑल आउट हो गई और झारखंड ने मात्र 6 रनों से इस रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की।

मैच समाप्त होने के बाद खिलाड़ियों के चेहरों पर जीत की चमक देखकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का जोश दोगुना हो गया। विजेता खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन ने सामूहिक तस्वीर लेकर इस ऐतिहासिक क्षण को संजोया। उत्साह और गर्व से भरा माहौल पूरे मैदान में महसूस किया गया। एसडीसीए के उपाध्यक्ष करण जायसवाल ने झारखंड टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जीत टीमवर्क, अनुशासन और अथक मेहनत का नतीजा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि हजारीबाग आगे भी ऐसे राष्ट्रीय स्तर के टूनामेंट का सफल आयोजन करता रहेगा। हजारीबाग में संपन्न यह मैच आने वाले वर्षों तक क्रिकेट प्रेमियों की स्मृतियों में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज रहेगा।

फेडरल बैंक ने खालसा नेशनल स्कूल को वाटर डिस्पेंसर भेंट किया

बिभा संवाददाता

हजारीबागः सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत फेडरल बैंक ने आज खालसा नेशनल स्कूल के बच्चों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्कूल परिसर में अत्याधुनिक वाटर डिस्पेंसर उपहार में दिया। बैंक की यह पहल बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और दैनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई है।स्कूल में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में बैंक के प्रतिनिधियों ने वाटर डिस्पेंसर का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि फेडरल बैंक समयझ्समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक विकास से जुड़े कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाता रहा है। वाटर डिस्पेंसर मिलने से स्कूल के सैकड़ों बच्चों को स्वच्छ और ठंडा पानी आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

स्कूल प्रशासन ने फेडरल बैंक के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को सुरक्षित व स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी, जो उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में बैंक अधिकारी, शिक्षकगण एवं बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम मेंः डॉ. एपी सिंह,जसमीत सिंह, परमवीर सिंह ,बबलू वासु, गुरुशरण सिंह,कुलवंत सिंह, अमृतपाल सिंह, कुलतार सिंह,राजदीप होरा समेत कई लोग शामिल थे। बैंक कि तरफ से अभय कुमार यादव, महेश प्रजापति, गौरव मिश्रा मौजूद थे। यह जानकारी गुरु सिंह सभा के मीडिया प्रभारी रोहित बजाज ने दी।

अमेरिका ने पाक पर लगाया करोड़ों डॉलर का दाँव, बलूचिस्तान के बारूद पर बैठकर सोना खोदेंगे ट्रंप !

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि रिकोडिक दुनिया के सबसे बड़े अविकसित तांबाझसोना भंडारों में से एक है। माना जाता है कि यहां 15 मिलियन टन तांबा और 26 मिलियन औंस सोना है। कनाडा की दिग्गज कंपनी बैरिक गोल्ड पहले ही 2028 तक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय कर चुकी है।

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान के सबसे अस्थिर और विद्रोह-ग्रस्त प्रांत बलूचिस्तान में स्थित रिकोडिक (Reko Diq) तांबा-सोना खदान के लिए 1.25 अरब डॉलर के यूएस EXIM बैंक वित्तपोषण को मंजूरी दे दी है। यह वही परियोजना है जिसे वर्षों से सुरक्षा संकट, राजनीतिक विवाद और बलूच विद्रोहियों की हिंसा ने कभी आगे बढ़ने नहीं दिया। इस निवेश के साथ निकट भविष्य में 2 अरब डॉलर तक की अमेरिकी मशीनरी और सेवाएँ पाकिस्तान भेजी जाएँगी। अमेरिकी चार्ज द'अफेयर्स नटाली बेकर ने कहा है कि यह परियोजना अमेरिका के लिए 6,000 और बलूचिस्तान में 7,500 नौकरियाँ उत्पन्न करेगी। उन्होंने रिकोडिक को दोनों देशों के लिए लाभकारी आदर्श मॉडल बताया है।

हम आपको बता दें कि रिकोडिक दुनिया के सबसे बड़े अविकसित तांबा-सोना भंडारों में से एक है। माना जाता है कि यहां 15 मिलियन टन तांबा और 26 मिलियन औंस सोना है। कनाडा की दिग्गज कंपनी बैरिक गोल्ड पहले ही 2028 तक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय कर चुकी है। इस परियोजना का 50% मालिकाना बैरिक के पास है, जबकि पाकिस्तानी संघीय व बलूचिस्तान सरकार के पास 25-25% हिस्सेदारी है। रिपोर्टों के अनुसार इस परियोजना से 37 वर्षों में 70 अरब डॉलर से अधिक मुक्त नकदी प्रवाह उत्पन्न होने की संभावना है।

हालाँकि, सुरक्षा खतरे सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। बलूच विद्रोही गुट लगातार सेना, खनन परियोजनाओं और विदेशी निवेश पर हमले करते रहे हैं। हाल ही में बलूच नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कोई भी विदेशी निवेशक बलूचिस्तान के कब्जे को वैधता देने की गलती नहीं करे। बलूच नेशनल मूवमेंट के अध्यक्ष नसीम बलूच ने इसे बलूच जनता की संपत्ति पर पाकिस्तानी कब्जे को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। इसी बीच विश्व बैंक की क्ऋछ, एशियन डेवलपमेंट बैंक और अन्य वैश्विक उधारदाता 2.6 अरब डॉलर से अधिक का वित्त पैकेज जोड़ रहे हैं। साथ ही सऊदी अरब की मनारा मिनरल्स भी 10-20% हिस्सेदारी खरीदने पर बातचीत कर रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल वही है कि क्या पाकिस्तान इतने लंबे समय तक सुरक्षा, बुनियादी ढाँचे और राजनीतिक स्थिरता की गारंटी दे पाएगा? देखा जाये तो अमेरिकी निवेश ऐसे समय में आया है जब वाशिंगटन चीन-प्रभुत्व वाली खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं से बाहर निकलने के लिए नए स्रोत तलाश रहा है। फिर भी, रिकोडिक पर यह दाँव एक हाई-रिस्क जुआ माना जा रहा है।

यह भी देखने में आ रहा है कि रिकोडिक में अमेरिकी निवेश सिर्फ आर्थिक सौदा नहीं बल्कि यह भू-राजनीतिक शतरंज की बिसात पर फेंकी गई भारी-भरकम चाल है। पाकिस्तान इसे बड़ी जीत बताकर छाती ठोक रहा है पर असलियत यह है कि अमेरिका ने यह पैसा दक्षिण एशिया के सबसे अस्थिर इलाके में आग से खेलने के अंदाज में डाला है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका क्यों आया? सवाल यह है कि वह इतना देर से और इतनी जगह पर क्यों आया?

हम आपको बता दें कि यह निवेश उस समय हो रहा है जब बलूचिस्तान में विद्रोह चरम पर है। बलूच नेता साफ चेतावनियाँ दे रहे हैं कि यह निवेश उनके लिए शोषण का नया अध्याय है। बलूच नेता कह रहे हैं कि प्रांत में दशकों से मौजूद असंतोष और सैन्य दमन को देखते हुए कोई भी समझदार निवेशक पहले सौ बार सोचे। लेकिन अमेरिका ने शायद जानबूझकर जोखिम को स्वीकार कर लिया है। ऐसा लगता है कि यह सौदा पाकिस्तानी नहीं, बल्कि अमेरिकी एजेंडे का हिस्सा है। दरअसल, अमेरिका का असली मकसद है चीन को पछाड़ना। आज की सच्चाई यह है कि दुनिया में तांबा, सोना और अन्य क्रिटिकल मिनरल्स नई सदी का तेल बन चुके हैं। चीन खासकर अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में इस क्षेत्र में भारी पकड़ बना चुका है। अमेरिका बड़ी तेजी के साथ नए स्रोत ढूँढ़ रहा है और पाकिस्तान का रिकोडिक, जो तिब्बती-ईरानी खनिज बेल्ट का हिस्सा है वह अमेरिकी रणनीति में एक खूबसूरत चेकमेट जैसा दिखता है। इसके साथ ही बलूचिस्तान का भौगोलिक महत्व इस कदम को और तीखा बनाता है। ईरान की सरहद पास है, अफगानिस्तान की अनिश्चितता बगल में है, चीनझपाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) ठीक सिर के ऊपर है। ऐसे में अमेरिका एक ही प्रहार में चीन को संकेत देता है कि हम अभी भी आपके बगल में मौजूद हैं और आपके बंदरगाह (ग्वादर) के पीछे की जमीन पर निवेश करने की ताकत रखते हैं। वहीं पाकिस्तान इस निवेश को आर्थिक राहत समझ रहा है, लेकिन असल में वह एक रणनीतिक जाल में फँसता दिख रहा है। देश की सुरक्षा एजेंसियों का इतिहास बताता है कि वह बलूचिस्तान को सेना-प्रभुत्व वाला इलाका मानती हैं। पर विदेशी निवेश वहीं चलता है जहाँ जनता को न्यूनतम सहमति या सुरक्षा मिले। यह दोनों ही पाकिस्तान के पास नहीं हैं। रिकोडिक के लिए न रेल लाइन है, न स्थायी सड़कें, न विश्वसनीय सुरक्षा तंत्र। ऊपर से बलूचिस्तान में हर विदेशी निवेश, चाहे चीनी हो, सऊदी हो या अब अमेरिकी, यह विद्रोही गुटों का प्राथमिक निशाना बन जाता है। सवाल उठता है कि कनाडा की बैरिक गोल्ड इतने वर्षों में हिल-डुल भर नहीं सकी तो अमेरिका किस आत्मविश्वास से यहां आ रहा है?

अमेरिका के इस क्षेत्र में आने से यह भी आशंका है कि चीनझअमेरिका प्रतिस्पर्धा नई तीव्रता पर पहुँचेगी। दरअसल, अमेरिका रिकोडिक को चीन की आपूर्ति श्रृंखला का प्रभुत्व तोड़ने के लिए इस्तेमाल करेगा। ऐसे में पाकिस्तान दोनों महाशक्तियों के बीच रस्साकशी में फँस जाएगा। इस परियोजना से ईरान भी असहज होगा क्योंकि अमेरिका समर्थित विशाल रणनीतिक परियोजना उसकी सीमा के ठीक पास उभरना तेहरान को बिल्कुल रास नहीं आएगा। साथ ही अमेरिकी परियोजना से अफगानिस्तान का प्रभाव भी बढ़ेगा क्योंकि इसकी सुरक्षा और आपूर्ति रूट तालिबान द्वारा नियंत्रित इलाकों के बेहद करीब हैं। तालिबान इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। साथ ही इस परियोजना से बलूच विद्रोह को नई ऊर्जा मिलेगी। विदेशी निवेश उनके लिए हमेशा दमन के नए प्रतीक के रूप में देखा गया है। परिणामस्वरूप सुरक्षा स्थिति और बिगड़ सकती है।

बहरहाल, यह निवेश पाकिस्तान के लिए आर्थिक संजीवनी नहीं बल्कि शक्ति के वैश्विक खेल में एक गैंबलिंग चिप है। अमेरिका को चाहिए क्रिटिकल मिनरल्स, पाकिस्तान को चाहिए डॉलर, लेकिन बलूचिस्तान को चाहिए न्याय, अधिकार और सुरक्षा जो किसी भी सौदे में शामिल नहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि रिकोडिक आने वाले वर्षों में दक्षिण एशिया की नई भू-रणनीतिक लड़ाई का केंद्र बन सकता है। साथ ही अगर पाकिस्तान ने बलूचिस्तान की राजनीतिक समस्या को सैन्य तरीके से संभालने की भूल जारी रखी, तो अमेरिकी निवेश भी उसी तरह डूबेगा जैसे पहले के तमाम विदेशी प्रोजेक्ट डूब चुके हैं। यह सही है कि अमेरिका ने एक बड़ा दाँव लगाया है लेकिन यह भी सच्चाई है कि यह दाँव जितना चमकदार दिखता है, उतना ही बारूद के ढेर पर रखा हुआ है।

संपादकीय

चुनाव सुधार अर्थात 'वोट चोरी'

लोकसभा में चुनाव सुधार के मुद्दे पर बहस हुई, लेकिन कोई सुधार या संवैधानिक संशोधन सामने नहीं आया। सरकार की ओर से भी कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया कि अमुक सुधार किए जा सकते हैं। यह विशुद्ध रूप से राजनीतिक बहस थी। चुनाव सुधार की आड़ में 'वोट चोरी' का आरोप संसद के भीतर गूंजता रहा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत, सांठगांठ से चुनाव जीते जाने का बेहद गंभीर आरोप चस्पां किया। उन्होंने मौजूदा चुनाव आयुक्तों को लगभग धमकी दी कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो आपको ढूंढ कर दंडित किया जाएगा, क्योंकि 'वोट चोरी' के जरिए आपने 'लोकतंत्र-चोरी' का काम कराया है। नेता प्रतिपक्ष ने इस कानूनी संशोधन पर भी सवाल उठाया है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तय करने वाले पैनल में से देश के प्रधान न्यायाधीश को क्यों हटाया गया? चुनाव आयुक्तों के किसी भी फैसले अथवा काम के मद्देनजर उन्हें इम्युनिटी, कानूनी छूट, क्यों दी गई है? उनके खिलाफ कोई भी कानूनी केस दायर क्यों नहीं किया जा सकता? सीसीटीवी की फुटेज चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के 45 दिन बाद नष्ट क्यों की जाए? यह कानून गलत और भ्रामक है। नेता प्रतिपक्ष कांग्रेसी सत्ता के इतिहास को नहीं जानते, जब सरकार, यानी प्रधानमंत्री ही, मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन और नियुक्ति करते थे। बाद में उन्हें मंत्री भी बना दिया जाता था अथवा किसी उच्च ओहदे पर बिठा दिया जाता था। तब सत्ता न तो संसद और न ही देश के प्रति जवाबदेह होती थी। तब नेता प्रतिपक्ष को इतना भी अधिकार नहीं था कि वह अपनी 'असहमति' जता सकता। कमोबेश आज प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री और नेता प्रतिपक्ष के चयन-पैनल में विपक्ष का प्रतिनिधि अपनी असहमति का नोट तो दर्ज करा सकता है।

कांग्रेस के ही वरिष्ठ सांसद मनीष तिवारी ने व्याख्या की कि एक साथ कई राज्यों में या एक ही पूर्ण राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) नहीं कराया जा सकता। चुनाव आयोग को यह संवैधानिक अधिकार प्राप्त है कि जहां उसे मतदाता सूची में विसंगति लगे, वह उसी क्षेत्र में एसआईआर का अभियान शुरू कर सकता है। यह बहस सर्वोच्च अदालत में भी उभर कर सामने आई है। एसआईआर को देश के 'जनप्रतिनिधित्व कानून' का उल्लंघन करार दिया गया है। आज 2025 में कई राज्यों में मतदाताओं से पूछा जा रहा है कि उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था अथवा नहीं। अर्थात मतदाता को पुष्टि करनी है कि अतीत में वह मतदाता रहा था। दरअसल मतदाताओं को न तो पुरानी मतदाता सूची उपलब्ध है और न ही चुनाव आयोग के पोर्टल और वेबसाइट काम कर रहे हैं। यह पुष्टि देश का औसत मतदाता कैसे कर सकता है? 2003 या इतने पुराने मतदाता की पुष्टि सिर्फ चुनाव आयोग ही कर सकता है, क्योंकि उसके पास तमाम रिकॉर्ड हैं और वह मतदान कराता आया है। लिहाजा सर्वोच्च अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने एसआईआर को एक ह्यअसंवैधानिक प्रक्रियाह्न करार दिया है। सर्वोच्च अदालत को इस संदर्भ में अपनी व्याख्या देनी है।

चिंतन-मनन

व्यवहार की दुनिया

बहुत बड़ा कवि था इमरसन। वह घूमने निकला। अकस्मात वर्षा आ गई। उसके पास अपनी कविताओं की एक पांडुलिपि थी। भीगने के डर से उसने वह पांडुलिपि एक दुकानदार के पास रख दी। इमरसन चला गया। दुकानदार ने कहा कि पन्ने भरे हुए हैं, कुछ खाली हैं वह भरे हुए पन्नों में वस्तुएं लपेटकर ग्राहकों को देता रहा। कुछ देर बाद जब वर्षा रूकी, इमरसन आया। पांडुलिपि मांगी। दुकानदार ने कहा, माफ करना, भरे पन्नों का मैंने उपयोग कर लिया है। खाली पन्ने ज्यों के त्यों हैं। भरे काम के नहीं थे। खाली लिखने के काम आ सकते हैं। यह सुनते ही इमरसन का माथा ठनका। उसकी महत्वपूर्ण कविताओं के पन्ने निकल चुके थे। शेष बचे थे केवल कोरे कागज।

व्यवहार की दुनिया में खाली का मूल्य नहीं होता, भरे का मूल्य होता है। खाली पन्ने का क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? इसी प्रकार खाली चित्त और खाली मन का भी क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? व्यवहार में जीने वाले यही चाहते हैं कि ये सब सदा भरे ही रहें, कभी खाली न हों। जब अध्यात्म की यात्रा शुरू होती है तब भरे का क्या मूल्य है और खाली का क्या मूल्य है, स्पष्ट हो जाता है।

उस यात्रा में अनुभव होता है कि लिखा हुआ कागज चला गया, अच्छा हुआ। भरा हुआ मन, भरी हुई बुद्धि, भरा हुआ चित्त खाली हो गया तो अच्छा हुआ। वहां खाली होना ही श्रेयस्कर माना जाता है। जब खाली होने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है, तब उस क्षण में जो अनुभव होता है, वही वास्तव में चैतन्य का अनुभव है।

वंदे मातरम् पर विवाद देश की मूल भावना से खिलवाड़

मनोज कुमार अग्रवाल

इस से ज्यादा शर्मसार करने वाली बात क्या हो सकती है कि आज लोकतंत्र के पावन मंदिर में राष्ट्रगीत को लेकर खेमेबाजी हो रही है जबकि इस पर समूचे राष्ट्र को एकमत होना चाहिए था। वंदेमातरम्‍ गीत के 150 वर्ष पर चर्चा होने के अवसर पर लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वंदे मातरम्‍ गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी बल्कि पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। यह गीत आजादी का उद्गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है।

आपको पता रहे वंदे मातरम को 1950 में भारत के संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। वंदे मातरम की की रचना शुरू में स्वतंत्र रूप से की गई थी और बाद में इसे बंकिम चंद्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इसे पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में गाया था। एक राजनीतिक नारे के रूप में वंदे मातरम का पहली बार प्रयोग 7 अगस्त 1905 को हुआ था। इस वर्ष, 7 नवंबर 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ थी, जिसका अनुवाद मां, मैं आपको नमन करता हूं, है। आज 8 दिसंबर को सदन में इस पर चर्चा हुई। जिस पर सरकार एवं विपक्षियों ने अपनी अपनी राय रखी। यह रचना, एक चिरस्थायी गान ने स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निमार्ताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित किया है, जो भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित, वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने अमर उपन्यास आनंदमठ में भजन को शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यता, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मील के पत्थर को मनाने का अवसर एकता, बलिदान और भक्ति के कालातीत संदेश की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। बंदे मातरम पर संसद में आज 8 दिसंबर सोमवार को विशेष चर्चा हुई और, ये ऐसे दौर में हो रहा है जब विपक्ष एसआईआर पर चर्चा चाहता है। राज्यसभा बुलेटिन में वंदे मातरम को भी जय हिंद और दूसरे शब्दों के साथ शामिल किया गया है। ममता बनर्जी का भी इस मुद्दे पर मुखर हो जाना, वंदे मातरम के बंगाल कनेक्शन की तरफ खास इशारे कर रहा है। संसद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम्‍ के 150 साल पूरे होने पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। वंदे मातरम्‍ पर यह बहस केवल एक रस्म नहीं है बल्कि यह ऐसे समय पर हो रही है जब इस गीत को लेकर राजनीति गरम है। नवंबर महीने में इस गीत के 150 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने 1937 के अधिवेशन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम्‍ के कुछ जरूरी हिस्से हटा दिए। कांग्रेस का यह कदम विभाजन के बीज बोने जैसा था। पीएम मोदी का आरोप था कि राष्ट्रगीत को टुकड़ों में बांटकर इसकी मूल भावना कमजोर कर दी गई है। सबसे पहले वंदे मातरम्‍ की रचना की बात करें तो बॉकम चंद्र चटर्जी ने इस राष्ट्रगीत की रचना की थी। इसे पहली बार सात नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। उस दिन से लेकर आजतक यह गीत करोड़ों देशवासियों के हृदय में देशभक्ति को अलख जगा रहा है। मातृभूमि की आराधना के प्रतीक इस गीत को सुनते ही ब्रिटिश अफसरों के कान खड़े हो जाते। अंग्रेजों द्वारा वंदे मातरम्‍ गीत को गाने या छापने पर भी बैन लगा दिया गया था। आगे चलकर यह छह छंदों वाला गीत मूल रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास में सन्यासी विद्रोह की कहानी के माध्यम से बंकिम ने ने भारत को मां दुर्गा के रूप में चित्रित किया इसमें सुफला, सुफला, मलयजशीतलाम...। यह गीत गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत को समृद्धि और शक्ति का सपना दिखाता था। 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इस गीत को एक नई पहचान मिली। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीतमय रूप दिया और इसे कलकत्ता के अधिवेशन में गाया। संगीतमय प्रस्तुति ने इस गीत को अमर कर दिया। यह गीत जनमानस में तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हर तरफ वंदे मातरम् की गूंज सुनाई देने लगी। तब ब्रिटिश राज ने इसे अपनी सरकार के खिलाफ खतरनाक मान लिया। उसके बाद 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान स्वदेशी आंदोलन में यह नारा बन गया। कालांतर में इस गीत को लेकर मुसलमानों की तरफ से आपत्ति जताई जाने लगी। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् गायन के समय तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर मंच से उठकर चले गए थे। इस गीत को लेकर मुस्लिम पक्ष की आपत्ति है कि वंदे मातरम्‍ के जरिए उन पर हिंदू देवी देवताओं की पूजा का दवाव डाला जा रहा है। वंदे मातरम्‍ में मंदिर और दुर्गा शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 में तय किया कि राष्ट्रीय आयोजनों में इस गीत के केवल पहले दो पद ही गाए जाएंगे। यही कारण रहा कि 1937 में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम्‍ के केवल दो छंद ही गाए गए। उस समय से इसी नियम का पालन किया जाने लगा। आजादी के बाद इसे नियम बनाते हुए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित कर दिया।

सामाजिक सुरक्षा की ओर कदमः श्रम संहिताएं और डिजिटल ढांचा

लेखिका
जी. मधुमिता दास

सामाजिक सुरक्षा प्रणालियाँ गरीबी कम करने, मजबूती बढ़ाने और न्यायसंगत विकास को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रत्येक निवासी को, उसकी आय, रोजगार की स्थिति या जनसांख्यिकीय विशेषता की परवाह किए बिना, पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, बेरोजगारी भत्ता या दिव्यांगता सहायता जैसे न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुँच प्रदान करता है। भारत अब सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाने की दिशा में पहले से कहीं अधिक नजदीक है-एक ऐसी प्रणाली जिसे अधिकांश राष्ट्र, यहाँ तक कि सबसे विकसित देश भी, दशकों तक निरंतर निवेश और प्रयास करने के बाद ही स्थापित कर पाए।

श्रम संहिताओं, विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के माध्यम से, देश के पास हर कामगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी ढांचा मौजूद है –चाहे वह गिग ड्राइवर हो, फैक्ट्री कर्मचारी हो या निर्माण कार्य करने वाला प्रवासी मजदूर हो । सामाजिक सुरक्षा संहिता नौ प्रमुख कानूनों को एकल एकीकृत ढांचे में समेकित करती है। इससे प्रशासनिक जटिलता कम करने, लाभों को हस्तांतरित करने की योग्यता बेहतर बनाने, नियोक्ताओं के लिए अनुपालन सरल बनाने और निगरानी व प्रवर्तन मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इसकी बदौलत विशेषकर असंगठित क्षेत्र के छोटे उद्यमों के कामगार – जहाँ भारत के 90% कामगार काम करते हैं–नौकरशाही की अड़चनों में उलझे बगैर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

यह संहिता सरकार को भी यह अधिकार देती है कि वह सभी क्षेत्रों में उद्यमों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), मातृत्व लाभ और ग्रेच्युटी का कवरेज बढ़ा सके, ताकि अब तक असुरक्षित रहे कामगारों को लाभ मिल सके और छोटे उद्यमों में स्वैच्छिक पंजीकरण को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, यह राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कोष / राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष की व्यवस्था प्रदान करती है, जहाँ सरकार का वित्तीय योगदान, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का योगदान, नियोक्ता और कर्मचारियों का योगदान एकत्रित किया जा सकता है, जो सामाजिक सुरक्षा कवरेज को सहायता प्रदान कर सकता है।

लेकिन केवल कानून बनाना भर ही पर्याप्त नहीं है। जो बात वास्तव में भारत को उसके वैश्विक समकक्षों से अलग कर सकती है, वह है उसका उभरता डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तंत्र–ई-श्रम डेटाबेस और आधार प्रमाणीकरण से लेकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और प्रत?यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्लेटफॉर्म तक। ये सभी उपकरण मिलकर भारत को पारंपरिक कल्याण मॉडल से आगे बढ़ने और एक पोर्टेबल, पारदर्शी, तकनीक-सक्षम कल्याण प्रणाली बनाने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं, जो दुनिया की किसी भी प्रणाली से अलग है।

आधारः सार्वभौमिकरण की रीढ़

सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश सार्वभौमिकता सुनिश्चित करने के लिए हर निवासी को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं जो सीधे लाभों से जुड़ी होती है। भारत के पास आधार झ के रूप में यह सुविधा पहले से मौजूद है–जो अत्यंत विश्वसनीय और निशुल्क प्रमाणीकरण प्रदान करता है।

आधार सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की सबसे बड़े बाधाः अर्थात, विभिन्न राज्यों, क्षेत्रों और नियोक्ताओं में लाभार्थियों की पहचान और प्रमाणीकरण को हल करता है। प्रवासी कामगारों के लिए, आधार-सक्षम पोर्टेबिलिटी वह कर सकती है, जो पिछली पीढ़ी के कल्याणकारी सुधार हासिल नहीं कर पाए : स्थान की परवाह किए बगैर लाभों तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करना। यह प्रणाली नॉर्वे और डेनमार्क जैसे देशों में डिजिटल आईडी आधारित प्रणालियों की तरह है, जहाँ नागरिक अपनी कल्याण पहचान को अलग-अलग क्षेत्रों और सेवाओं में निर्बाध रूप से अपने साथ रख सकते हैं।

एकीकृत डेटाबेस पर आधारित एकीकृत संहिता

जहाँ एक ओर दुनिया भर में संगठित क्षेत्र के कामगार सामान्यतः सामाजिक सुरक्षा कवरेज के अंतर्गत आते हैं, वहीं नियोक्ता-कामगार के बीच स्थिर रोजगार संबंध नहीं होने के कारण असंगठित क्षेत्र के कामगारों को कवर करना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है । कई देश एकीकृत श्रम कानूनों पर भरोसा करते हैं, लेकिन बहुत कम देशों के पास भारत के ई-श्रम डेटाबेस जैसा विशाल राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर मौजूद है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में एकीकृत पंजीकरण तंत्र का प्रावधान ई-श्रम के साथ पूरी तरह मेल खाता है, जो पहले से ही 310 मिलियन से अधिक असंगठित क्षेत्र के कामगारों के जनसांख्यिकीय, कौशल और व्यवसाय संबंधी डेटा को संग्रहित करता है। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से प्रत्येक कामगार की विशिष्ट रूप से पहचान की जाती है और उन्हें एक ई-श्रम यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) प्रदान किया जाता है।

भारत की क्षमता–एकल डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से असंगठित कामगारों की विशिष?ट पहचान करना, उन्हें सीधे पंजीकृत करना और ट्रैक करना–सामाजिक सुरक्षा लाभों के लिए तेज पंजीकरण, बेहतर पोर्टेबिलिटी और कामगार डेटा के रियल-टाइम अपडेट की सुविधा प्रदान कर सकती है। भविष्य में, यदि ई-श्रम और ईपीएफओ यूएएन को पोर्टेबल बनाया जाता है, तो असंगठित क्षेत्र और संगठित क्षेत्र के बीच श्रमिकों की गतिविधियों को ट्रैक करना संभव होगा। इससे श्रम बाजार की गतिशीलता का विश्लेषण किया जा सकेगा और यह सार्वजनिक नीतियों के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण डेटा स्रोत साबित होगा।

यूपीआई और डीबीटीः वह महत्वपूर्ण कड़ी जिसे ज्यादातर देश अभी तक अपना नहीं पाए

कल्याण पर ज्यादा ध्यान देने वाले देश बैंकों और पारंपरिक भुगतान प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं। हालाँकि भारत ने दुनिया के सबसे तेज, कम लागत वाले और इंटरऑपरेबल भुगतान नेटवर्क में से एक यूपीआई की पहल की है। डीबीटी के साथ एकीकृत होने के कारण, भारत के पास सामाजिक सुरक्षा भुगतान को तुरंत और सीधे कामगारों के खाते में पूरे देश में कहीं भी भेज सकने की प्रमाणित क्षमता है।

यह एक ऐसी क्षमता है जिसके लिए विकसित अर्थव्यवस्थाएँ भी संघर्ष करती हैं। महामारी के दौरान, अमेरिका तक में लाखों लोगों को प्रोत्साहन चेक के लिए हफ्तों बाट जोहनी पड़ी थी ।इसके विपरीत, भारत ने आपातकालीन कोविड-19 भुगतान लाखों लाभार्थियों तक अभूतपूर्व गति से हस्तांतरित किया था।

केंद्रीय और राज्य सरकारों के पास जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य कवरेज, मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा आदि से जुड़ी कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ हैं। इन योजनाओं में ई-श्रम पंजीकृत कामगारों को शामिल करके तथा यूपीआई और डीबीटी का उपयोग करके, सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा को बड़े पैमाने पर, उपयोगकर्ता-अनुकूल, पारदर्शी और कुशल तरीके से हासिल किया जा सकता है।

भारत दुनिया से आगे निकल सकता है

इतिहास में पहली बार, भारत के पास सभी महत्वपूर्ण साधनः कानूनी ढांचा (श्रम संहिताएँ), एक राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर (ई-श्रम), एक सार्वभौमिक पहचान प्रणाली (आधार), एक रियल-टाइम भुगतान प्रणाली (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली (डीबीटी) मौजूद हैं । यह संयोजन वैश्विक स्तर पर दुर्लभ है। यदि इसे सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो भारत एक ऐसा सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा मॉडल बना सकता है जो केवल समावेशी ही नहीं, बल्कि मूल रूप से डिजिटल आधारित और भविष्य के लिए सुरक्षित भी हो– एक ऐसा मॉडल, जिसका अन्य देश एक दिन अध्ययन करें।

सामाजिक सुरक्षा संहिता केवल एक कानून नहीं है; यह 21वीं सदी में किसी राष्ट्र द्वारा अपने कामगारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीके को पुनः परिभाषित करने का अवसर है। भारत को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि श्रम संहिताएँ सभी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के इस अनूठे अवसर को पूरा करें।

(लेखक श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार हैं)

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमा- वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजा- यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।
2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।
3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।
4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।
2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।
3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।
4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।
5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।
2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।
3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडने़ लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।
4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।
5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बड़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डैसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डैसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं। डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.
- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थो, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है -

ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्र ति र क्षा प्रणाली बनाता है मजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी क` रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.

राज्यसभा में चर्चा के दौरान नेहरू को लेकर आपस में भिड़ गए जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खरगे

नड्डा का आरोप, कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है या फिर नेहरू हैं। खरगे ने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि यह बहस वंदे मातरम को लेकर है या पंडित जवाहरलाल नेहरू को लेकर। यहां जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह विकृत है और सच नहीं है।

यह सवाल दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गया, जब केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की संस्कृति से समझौता किया है। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि मैं सिर्फ वंदे मातरम की बात कर रहा हूं। अगर नेहरू से जुड़ी बातें उन्हें अच्छी नहीं लगतीं, तब मैं क्या कर सकता हूं? समस्या यह है कि शुरू से ही आप लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से समझौता किया है...दुर्गा, सरस्वती, भारत माता और शक्ति इस देश के सभी लोगों के लिए हैं, और सभी को उसमें आस्था है।

इन टिप्पणियों के चलते राज्यसभा में हंगामा शुरु हो गया और स्थिति को शांत करने के लिए अध्यक्ष उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा। नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू की छवि को धूमिल नहीं करना चाहती और उसका एकमात्र उद्देश्य ऐतिहासिक तथ्यों को सही करना है। उन्होंने कहा, वंदे मातरम को वह सम्मान नहीं मिला जिसके वह हकदार थे... उस समय सत्ता में रहे लोग (सरकार) इस स्थिति के लिए जिम्मेदार थे।

नड्डा ने कहा कि पहले आपने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटा दिए। जून 1947 में आपने भारत को खंडित स्वतंत्रता दी और जिन्ना के सपनों को पूरा साकार कर दिया। उसके बाद आपने पाकिस्तान की गुरिल्ला सेनाओं के सामने पीओके समर्पित किया, खंडित कश्मीर पर कब्जा कर लिया और फिर अनुच्छेद 370 लागू कर दिया... देश समझौतों से नहीं चलता-यही हमारी विचारधारा है।

सलमान खान ने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा को लेकर खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर गुरुवार को न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा सुनवाई करेंगे। सलमान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कई सोशल मीडिया मंचों और ई-कॉमर्स वेबसाइट को उनके नाम, छवियों और व्यक्तित्व के अनधिकृत इस्तेमाल से रोकने और उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करने का अनुरोध किया है।

हाल ही में अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, जया बच्चन, ऋतिक रोशन और अजय देवगन, फिल्म निर्माता करण जौहर, गायक कुमार सानू, तेलुगु अभिनेता अक्किनेनी नागार्जुन, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक रवि शंकर, पत्रकार सुधीर चौधरी और पॉडकास्टर राज शमानी ने भी अपने व्यक्तित्व एवं प्रचार अधिकारों की सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत भी प्रदान की थी। तेलुगु अभिनेता एनटीआर जूनियर ने भी अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने अभी तक उनकी याचिका पर कोई आदेश पारित नहीं किया है।

कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर एमएलसी ने सिरे से खारिज किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही आंतरिक कलह की अटकलों को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे, एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया ने सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी में नेतृत्व को लेकर कोई अस्पष्टता या खींचतान नहीं है और सब कुछ स्पष्ट है। उन्होंने बताया कि पार्टी हाई कमांड ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि फिलहाल राज्य के नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा है कि वह और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दोनों दिल्ली स्थित कांग्रेस हाई कमांड के किसी भी फैसले का पालन करने वाले है। उन्होंने मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे आंतरिक संघर्ष पर कहा कि वह पार्टी को शर्मिंदा या कमजोर नहीं करना चाहते और उन्हें अंतरात्मा के अनुसार काम करना चाहिए। डीके शिवकुमार का विधायकों (मंत्री एचसी महादेवप्पा और सतीश जारकीहोली सहित) के साथ लगातार बैठकें करना नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अनिश्चितता को बरकरार रखे हुए है। सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों ने दो बार नाश्ते पर मुलाकात की है और पार्टी की एकता पर जोर दिया है। दोनों ही नेता पार्टी हाई कमांड के फैसले का पालन करने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व वाले उच्च कमान द्वारा इस मामले पर जल्द ही कोई स्पष्ट निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

आजम खान आठ साल पुराने मामले में बरी... सेना को लेकर दिया विवादित बयान

रामपुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मंत्री आजम खान के खिलाफ सेना पर विवादित बयान देने के आठ साल पुराने मामले में एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने आरोप साबित न होने पर आजम को दोषमुक्त किया है। इस दौरान आजम वीडियो कान्फ्रेंस के द्वारा न्यायालय में उपस्थित रहे। आजम के अब तक 14 मुकदमे निस्तारित हो चुके हैं। इसमें सात में सजा मिली है, जबकि इतने ही मुकदमों में वे बरी हुए हैं। दरअसल सेना पर विवादित बयान का यह मुकदमा भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जून 2017 को दर्ज कराया था। तब आजम खान सांसद थे। भाजपा विधायक का कहना था कि आजम सपा कार्यालय पर अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। वह केंद्र और प्रदेश सरकार के विरोध में बोल रहे थे। अचानक उन्होंने सेना के जवानों को लेकर आपत्तिजनक बयानबाजी कर दी। आजम खान के अधिवक्ता विनोद शर्मा ने बताया कि न्यायालय ने आरोप साबित नहीं होने पर दोषमुक्त कर दिया है।

महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो सहित अन्य एयर लाइंस की फ्लाइट्स का नियमित संचालन

अयोध्या (एजेंसी)। महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस की 5 फ्लाइट्स के साथ अन्य एयर लाइंस की 7 फ्लाइट्स का नियमित संचालन हो रहा है। बुधवार को केवल हैदराबाद की इंडिगो की उड़ान निरस्त की गई है। आगे के दिनों में इसका नियमित संचालन होगा। यह जानकारी एयरपोर्ट के डायरेक्टर धीरेन्द्र सिंह ने दी। एयरपोर्ट के डायरेक्टर सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के सभी ऑपरेशन अब सुचारू रूप से संचालित हैं। यात्री सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार मॉनिटरिंग हो रही है। यात्रियों से उनके अनुभव और फीडबैक भी लिया गया, जिसमें अधिकांश यात्री एयरपोर्ट की सुविधाओं और सेवाओं से संतुष्ट दिखे। विशेष रूप से भोजन व्यवस्था की भी सराहना की गई। यात्रियों को समयानुसार स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि यात्रा के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि सभी वेंडर कंपनियों को निर्देश है कि वे सामानों की कीमत बढ़ाने से परहेज करें। पार्किंग फीस को भी उचित दर पर ही चार्ज कर यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखा जाए। निरस्त होने वाली उड़ानों के पैसेंजर्स को 4 दिन पहले ही सूचना दे दी गई थी जिससे यहां यात्रियों की भीड़ नहीं पहुंची। तीन एयर लाइंस के 16 काउंटर बाहरी हिस्से में खोल दिए गए हैं, जिससे वे रिफंड व अन्य समस्या का निपटारा आसानी से कर लें। एयरपोर्ट के डायरेक्टर सिंह ने बताया कि बुधवार को कुल 11 निर्धारित उड़ानों का संचालन होना था, जिसमें से एक उड़ान रद्द रही। रद्द उड़ान की सूचना यात्रियों को पूर्व में ही उपलब्ध करा दी गई थी, ताकि किसी यात्री को असुविधा न हो। एयरपोर्ट प्रशासन ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी यात्री सुविधाओं, सुरक्षा मानकों तथा भोजन जैसी आवश्यक सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती रहेगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या एयरपोर्ट से 5 उड़ानें इंडिगो बाकी 7 में स्पाइस जेट, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अलाएंस एयर और अकासा एयर की संचालित हो रही है.

जापान से लौटकर सीएम मान बोले– 500 करोड़ में सीएम की कुर्सी मिलेगी तो सेवा नहीं उगाही होगी

चंडीगढ़। जापान दौरे से लौटे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि अगर पंजाब में मुख्यमंत्री की कुर्सी 500 करोड़ में मिल रही है तो पहले सीएम 500 करोड़ इकट्ठा करेगा, वो सेवा थोड़ी न करेगा। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान नवजोत कौर सिद्धू के 500 करोड़ में कुर्सी वाले बयान पर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि इन लोगों ने पंजाब का टेंडर लगा दिया है। मंडियों में फसलों की तरह दाम बता रहे हैं। यह एमएलए, एमसी, सीएम के रेट बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने 500 करोड़ देकर कुर्सी ली है तो वह पहले 500 करोड़ इकट्ठा करेगा, सेवा नहीं। गौरतलब है कि नवजोत कौर सिद्धू लगातार कांग्रेस नेताओं के खिलाफ खुलेआम बयानबाजी करती नजर आ रही थीं। इसी कारण पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष राजा वड़िंग ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। अब यह पूरा मामला कांग्रेस हाईकमान तक पहुंच चुका है। बताया जा रहा है कि संसद सत्र के बाद पंजाब कांग्रेस को लेकर दिल्ली में हाईकमान की ओर से बैठक बुलाई जा सकती है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान जापान दौरे से पंजाब लौट आए हैं। यहां उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मीडिया के साथ अपने विदेश दौरे की जानकारी शेयर की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अपने दौरे के दौरान कई विदेशी कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिले। उन्होंने कहा कि इन मीटिंग्स का मुख्य मकसद पंजाब का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करना, स्किल्स बढ़ाना और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए सहयोग के मौके तलाशना था।

रोहिणी आचार्य ने पोस्ट में लिखी ऐसी बात... लालू और राबड़ी देवी को जरूर चुभेगी

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और अपने परिवार (लालू फैमिली) से नाता तोड़ चुकीं रोहिणी आचार्य ने एक ऐसा पोस्ट कर दिया, जो उनके माता-पिता (लालू और राबड़ी देवी) को जरूर चुभेगा। रोहिणी आचार्य ने एक ओर नीतीश सरकार को आड़े हाथों लिया, दूसरी ओर मायके में उनके साथ हुई कथित बदसलूकी पर भी चुभन वाली बात कही।

लालू यादव की छोटी बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि लड़कियों को 10,000 रुपये देना या साइकिलें बांटना, भले ही नेक इरादे से किया हो, लेकिन ये भारत में महिलाओं के सशक्तीकरण में बाधा डालने वाले व्यवस्थागत मुद्दों को हल करने के मद्देनजर अपर्याप्त है। उन्होंने लिखा कि बिहार में गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्तात्मक मानसिकता सामाजिक और राजनीतिक, दोनों क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता पैदा करती है।

रोहिणी ने लिखा कि प्रत्येक बेटी को आश्वासन के साथ बड़े होने का अधिकार है कि उसका मायका एक ऐसा सुरक्षित स्थान है, जहां वह बिना किसी डर, अपराधबोध, शर्म या किसी को कोई स्पष्टीकरण दिए बिना लौट सकती है। इस उपाय को लागू करना केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं है, बल्कि अनगिनत महिलाओं को भविष्य में होने वाले शोषण और उत्पीड़न से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

बात दें कि राजद के विधानसभा चुनाव हारने के बाद से लालू परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया था कि उनके साथ मायके में अच्छा व्यवहार नहीं किया। रोहिणी ने इतना तक कहा कि उनके चप्पल तक मारने की कोशिश की गई। इसके लिए उन्होंने पूर्ण रूप से अपने भाई तेजस्वी यादव को जिम्मेदार ठहराया।

गोवा सरकार की मिलीभगत से थाइलैंड भाग गए लूथरा बंधु... आप सांसद संजय सिंह का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने लूथरा बंधुओं के भारत से भागने के मामले की गहन जांच की मांग की है। उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा अधिकारियों की संलिप्तता का आरोप लगाया और कहा कि उनके समर्थन के बिना वे गोवा से नहीं भाग सकते थे। आप सांसद सिंह ने अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाकर आलोचना की कि 25 लोगों की दुखद मौत के बावजूद उन्हें भागने से नहीं रोका गया। संजय सिंह ने सवाल उठाया कि जिन व्यक्तियों की लापरवाही से 25 लोगों की जान गई, वे इंडिगो का इस्तेमाल करके भारत से भाग गए, जबकि देश की जनता को उड़ानें उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह अच्छा है कि वे पकड़े गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द वापस लाया जाए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

दरअसल 6 दिसंबर की देर रात बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में भीषण आग लगी। इस घटना में 25 लोगों की जान चली गई, जिनमें 5 पर्यटक और 20 कर्मचारी शामिल थे। लूथरा बंधु, गौरव और सौरभ, इस नाइटक्लब (बर्च बाय रोमियो लेन) के मालिक हैं। एफआईआर के अनुसार, लूथरा बंधुओं ने उचित सुरक्षा सावधानियों का पालन किए बिना एक फायर शो का आयोजन किया और पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए, जिससे यह दुखद घटना हुई। गोवा पुलिस ने 7 दिसंबर को एफआईआर संख्या 154/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 105, 125, 125(ए), 125(बी), 287 और धारा 3(5) के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया है। गौरव और सौरभ लूथरा अग्निकांड के अगले दिन सुबह ही थाईलैंड के फुकेत रिसॉर्ट शहर भाग गए थे। उन्हें थाईलैंड के फुकेत स्थित एक आव्रजन केंद्र में हिरासत में रखा गया है। यह हिरासत दिसंबर में जारी किए गए ब्लू कॉर्नर नोटिस के आधार पर सुनिश्चित की गई।

राजद को बड़ा झटका : नीतीश कुमार को हराने वाले इस पूर्व सांसद ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद राष्ट्रीय जनता दल में घमासान मचा हुआ है। हार की जिम्मेदारी कोई लेने को तैयार नहीं है और एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ने के लिए सिर फुटव्वल जारी है। नतीजा ये है कि राजद के कई नेता घर बैठ गए हैं तो कुछ ने पार्टी को ही बाय-बाय कह दिया है। कभी लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पटकनी देने वाले राजद के दिग्गज नेता एवं पूर्व मंत्री विजय कृष्ण ने राजद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो लाल प्रसाद यादव को एक भावुक पत्र भी लिखा है। अपने त्यागपत्र में विजय कृष्ण ने स्पष्ट किया कि वे अब दलगत राजनीति और सक्रिय सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने लिखा कि लंबे विचार-विमर्श के बाद उन्होंने राजनीतिक जीवन से पूरी तरह अलग होने का फैसला किया है और पार्टी से निवेदन किया कि उनका त्यागपत्र स्वीकार किया जाए। विजय कृष्ण की राजनीतिक पहचान 2004 के लोकसभा चुनाव में तब मजबूत हुई जब उन्होंने बाढ़ सीट से तत्कालीन रेलमंत्री नीतीश कुमार को 37 हजार से अधिक वोटों से मात दी थी। इससे पहले वे 1996, 1998 और 1999 में नीतीश कुमार से चुनाव हार चुके थे। 2004 में जीत के बाद वे बिहार सरकार में मंत्री भी बने। अपने राजनीतिक करियर में विजय कृष्ण ने कई बार दल बदले। 2009 में उन्होंने राजद छोड़कर जदयू का दामन थामा। 2010 में वे फिर से राजद में लौट आए। विधानसभा चुनाव में हार के बाद राजद पहले से ही आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में विजय कृष्ण जैसे वरिष्ठ नेता का पार्टी छोड़ना राजद के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

बीजेपी अध्यक्ष पद पर अटकलें तेज, फडणवीस बोले- 2029 में भी मोदी ही करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है, लेकिन इसी बीच पार्टी नेतृत्व ने साफ संकेत दिए हैं कि 2029 का लोकसभा चुनाव भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से हाल ही में इस विषय पर प्रश्न पूछे गए, क्योंकि उन्हें अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों में शामिल बताया जा रहा था। इसके साथ ही उनकी चर्चा पीएम मोदी के उत्तराधिकारी के रूप में भी चल रही थी।

एक कार्यक्रम में फडणवीस से पूछा गया कि क्या वे पीएम मोदी के संभावित उत्तराधिकारी हो सकते हैं। जवाब में उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस तरह की चर्चाओं की कोई आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह स्वस्थ हैं और वे ही 2029 में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। फडणवीस ने कहा कि मोदी किसी 40 वर्ष के व्यक्ति से भी अधिक ऊर्जावान हैं, दिन में 17 घंटे से अधिक काम करते हैं और बैठकों के दौरान कभी थकान के संकेत नहीं दिखाते। उन्होंने कहा कि जब तक वह मानसिक और शारीरिक रूप से फिट हैं, तब तक नेतृत्व के लिए किसी और विकल्प पर विचार करने का कोई कारण नहीं है।

फडणवीस का यह बयान उस समय आया है जब कुछ राजनीतिक हलकों में सत्ता परिवर्तन या भविष्य के नेतृत्व को लेकर चर्चा हो रही थी। इसी क्रम में कांग्रेस नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने हाल में अमेरिका में सुर्खियां बनी 'एपस्टीन फाइल्स' का संदर्भ देते हुए दावा किया था कि इस मामले से जुड़े दस्तावेज सामने आने पर भारतीय राजनीति में बड़ा बदलाव संभव है और कोई मराठी नेता प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि इसका असर अगले महीने तक भी दिखाई दे सकता है।

उधर, बीजेपी अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। बीते हफ्तों में संभावित दावेदारों में फडणवीस का नाम भी लिया गया था, हालांकि उन्होंने स्वयं इसे लेकर कोई दावा नहीं किया। साथ ही पार्टी की ओर से भी इस बारे में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। चर्चाओं में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और शिवराज सिंह चौहान के नाम भी शामिल रहे हैं।फिलहाल पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले वर्षों में भी प्रधानमंत्री मोदी ही संगठन और चुनावी रणनीति के केंद्र में रहेंगे, जिससे नेतृत्व परिवर्तन की सभी अटकलों पर विराम लगता दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस सांसद का मोदी सरकार पर तंज... मुझे यकीन है कि वे नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखते

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने संसद में चुनावी सुधारों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन की कड़ी आलोचना कर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में एक दशक से अधिक समय बिताने के बाद भी नेहरू-गांधी परिवार पर ही अटकी हुई है। कांग्रेस सांसद शुक्ला ने दावा किया कि सत्ताधारी पार्टी नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखती है। उन्होंने सवाल उठाया कि मोदी सरकार बीते 11 वर्षों की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने के बजाय इतिहास का सहारा क्यों लेती रहती है।

कांग्रेस नेता शुक्ला ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि भाजपा कब तक इतिहास की बात करेगी। वे हर बात में नेहरू को घसीटकर ले आते हैं। मुझे यकीन है कि वे नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखते हैं। आप पिछले 11 वर्षों से सरकार में क्या कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का भाषण बहस के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए मुख्य मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहा। शुक्ला की आलोचना का समर्थन कर कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि सरकार चुनावी सुधारों पर चर्चा के दौरान अपेक्षित पारदर्शिता प्रदान करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि जिस पारदर्शिता की उम्मीद थी, वह नहीं दिखी। हरियाणा में जो हुआ, उन्होंने उसके असली सवालों का जवाब नहीं दिया, बल्कि कांग्रेस पर आरोप लगाए। आज जो हो रहा है, उसका कोई जवाब नहीं मिला। बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह पर अपना हमला जारी रखा, जिन्होंने लोकसभा में चुनाव सुधार पर बहस के दौरान कांग्रेस पार्टी की कड़ी आलोचना की थी।

पीएम मोदी और शाह के साथ बैठक में बोले राहुल- सीआईसी और सीवीसी की सूची में एससी, एसटी और ओबीसी से कोई नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तीन सदस्यीय चयन समिति की बैठक में बुधवार को नए मुख्य सूचना आयुक्त, सूचना आयुक्तों और एक विजिलेंस कमिश्नर की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई। बैठक के दौरान राहुल गांधी ने चयन प्रक्रिया और उम्मीदवार सूची पर गंभीर आपत्तियाँ दर्ज कराईं।

सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने बताया कि शॉर्टलिस्ट की गई सूची में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व लगभग न के बराबर है। उन्होंने बताया कि उन्होंने कई सप्ताह पहले सरकार से आवेदकों की जातीय संरचना का विवरण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था, जो उन्हें बुधवार को उपलब्ध कराया गया। इस सूची के मुताबिक केवल सात प्रतिशत आवेदक ही पिछड़े समुदायों से थे और शॉर्टलिस्ट में केवल एक ही उम्मीदवार ऐसा था। राहुल ने इस असंतुलन को अस्वीकार्य बताया और बैठक में एक विस्तृत असहमति नोट सौंपा।

राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि सूचना के अधिकार कानून को लगातार कमजोर किया जा रहा है और शॉर्टलिस्ट किए गए कुछ उम्मीदवारों का पारदर्शिता का रिकॉर्ड संतोषजनक नहीं रहा है। उनका कहना था कि संवैधानिक और स्वायत्त संस्थाओं में नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान वंचित समूहों को व्यवस्थित रूप से बाहर रखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि उनकी आपत्ति के बाद उपलब्ध उम्मीदवारों में से योग्य नामों पर विचार करने को लेकर समिति में आंशिक सहमति बनी।

बैठक से एक दिन पहले राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा था कि चयन पैनल की बैठकों में विपक्ष की भूमिका औपचारिक भर रह गई है। उनके अनुसार, ÷एक तरफ प्रधानमंत्री और गृह मंत्री होते हैं, दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष। मेरी आवाज वहाँ सुनी ही नहीं जाती। जो वे तय करते हैं, वही होता है। उन्होंने यह टिप्पणी उन नियुक्तियों के संदर्भ में की जिनकी प्रक्रिया सीआईसी और सीवीसी की तर्ज पर ही है।

मुख्य सूचना आयुक्त का पद 13 सितंबर से खाली है, जब तत्कालीन सीआईसी हीरालाल समारिया सेवानिवृत्त हुए। सूचना आयोग में अधिकतम दस आयुक्तों के पद हैं, लेकिन वर्तमान में सिर्फ दो ही कार्यरत हैं जबकि आठ पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। यह पहला मौका नहीं है जब विपक्ष ने सीआईसी की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाए हों। 2023 में समारिया की नियुक्ति के समय भी विपक्षी सांसदों ने परामर्श की कमी का आरोप लगाया था। 2020 में पूर्व राजनयिक यशवर्धन कुमार सिन्हा और पत्रकार उदय महूरकर की नियुक्तियों का भी विरोध किया गया था, लेकिन आपत्तियों के बावजूद दोनों नियुक्तियाँ कर दी गई थीं। स्थिति यह दर्शाती है कि नियुक्ति प्रक्रिया पर असहमति और प्रतिनिधित्व का सवाल लगातार बना हुआ है, जबकि महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थाओं में पद लंबे समय से खाली पड़े हैं।

ट्रूकॉलर ने पूरे परिवार को फ़ोन पर होने वाले स्कैम से बचाने के लिए लॉन्च किया फैमिली प्रोटेक्शन

फैमिली प्रोटेक्शन सीधे एंड्रॉइड और आईओएस पर उपलब्ध ट्रूकॉलर ऐप में मौजूद है

मुंबई, एजेंसी।
ट्रूकॉलर ने आज एक नए और बेहद महत्वपूर्ण फीचर, यानी फैमिली प्रोटेक्शन के लॉन्च की घोषणा की, ताकि परिवार अपने अनुभवों को एक-दूसरे से साझा करके इस डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रह सकें। फैमिली प्रोटेक्शन सीधे एंड्रॉइड और आईओएस पर उपलब्ध ट्रूकॉलर ऐप में मौजूद है, जिससे यूज़र्स को भरोसेमंद फ़ैमिली ग्रुप बनाने की सुविधा मिलती है ताकि उन्हें स्कैम और अनचाहे कॉल से तुरंत सुरक्षा मिल सके। एंड्रॉइड की बात करें, तो फ़ैमिली एडमिनिस्ट्रेटर को उस फैमिली ग्रुप के दूसरे सदस्यों के फोन पर आने वाले संभावित स्कैम कॉल का अलर्ट मिल सकता, और वो ऐसे कॉल को दूर बैठे ही बंद कर सकता है।

इस मौके पर ट्रूकॉलर के सीईओ, ऋषित झुनझुनवाला ने कहा, ट्रूकॉलर का

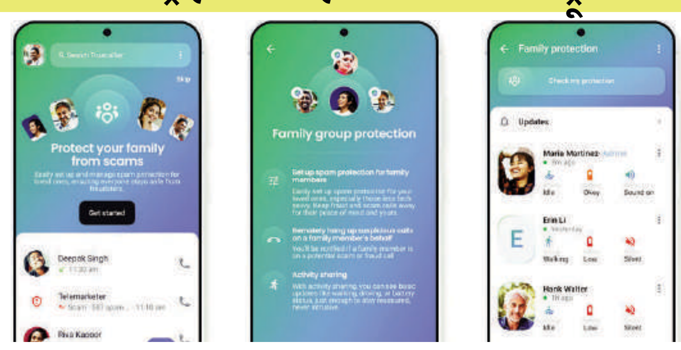

इस्तेमाल तो परिवार के सदस्य पहले से ही कर रहे हैं, और अब हमने परिवार के सीटीओ को यह सुविधा उपलब्ध कराई है कि वे कम तकनीकी समझ वाले सदस्यों की भी सुरक्षा कर सकें। धीरे-धीरे स्कैम के तरीके बदल रहे हैं, इसलिए हम ट्रूकॉलर को ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बनाना चाहते हैं, जिस पर परिवार मन की शांति और एहतियाती सुरक्षा के लिए भरोसा करें। फ़ैमिली प्रोटेक्शन के ज़रिये ज़्यादा-से-ज़्यादा पाँच लोग ही एक भरोसेमंद फ़ैमिली ग्रुप में जुड़ सकते हैं, जहाँ शेयर किए गए टूल्स उन्हें स्कैम कॉल से सुरक्षित रहने में मदद करते हैं। हर ग्रुप में एक फ़ैमिली एडमिन होता है, जो प्रोटेक्शन लेवल सेट कर सकता है, ब्लॉकलिस्ट को मैनेज कर सकता है, साथ ही अनचाहे कॉल्स को संभालने के बारे में भी निर्देश दे सकता है। एंड्रॉइड की बात करें, तो एडमिन संदिग्ध कॉल आने पर रियल-टाइम सपोर्ट टूल्स का इस्तेमाल करके भी कार्रवाई कर सकता है। इसका उद्देश्य बेहद सरल है- टेक्नोलॉजी की कम जानकारी रखने वाले अपनों के लिए स्कैम कॉल्स से बचाव को आसान बनाना, क्योंकि स्कैम कॉल के तरीके लगातार बेहतर हो रहे हैं। फ़ैमिली प्रोटेक्शन में फ़ैमिली एडमिन को पूरे ग्रुप में सुरक्षा बनाए रखने के लिए टूल्स का एक सेट मिलता है। फ़ैमिली एडमिन सुरक्षा के स्तर तय कर सकता है और उसे अपडेट कर सकता है, ब्लॉकलिस्ट संभाल सकता है और ज़रूरत के समय रिमोट सपोर्ट टूल का इस्तेमाल कर सकता है। एंड्रॉइड पर, एडमिन को संभावित स्कैम कॉल के दौरान अलर्ट भी मिल सकता है, दूर से ही फैमिली ग्रुप में आने वाले संदिग्ध कॉल की जानकारी प्राप्त कर सकता है,।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 426, निफ्टी 140 अंक ऊपर आया

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों के बाद भी ऑटो और मेटल शेयरों में खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 426.86 अंक बढ़कर 84,818.13 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.55 अंक ऊपर आकर 25,898.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ऑटो और मेटल शेयरों में सबसे अधिक उछला आया। निफ्टी ऑटो 1.11 फीसदी और निफ्टी मेटल 1.06 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 570.30 अंक बढ़कर 59,578.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 137.90 अंक ऊपर आकर 17,228.05 पर बंद हुआ । सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एमएंडएम, ट्रेंट, एचसीएल टेक और एचयूएल के शेयरा लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट खुला। सुबह 9ः18 पर सेंसेक्स 12 अंक की मामूली गिरावट के साथ 84,379 और निफ्टी 2 अंक की कमजोरी के साथ 25,762 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने दिन की शुरुआत 84,456 अंकों पर की। हालांकि खुलते ही इसमें हल्की कमजोरी और तेजी का दौर दिखा यह मात्र 16.36 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 84,407.63 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 25,771 पर खुलने के बाद शुरुआती व्यापार में उतार-चढ़ाव दिखाया। सुबह निफ्टी 31.80 अंकों की बढ़त लेकर 25,789.80 पर पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के लगातार तीसरी बार 0.25 फीसदी की ब्याज दर कटौती से भी बाजार पर प्रभाव पड़ा है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फ़ंड ऑफ फ़ंड

मुंबई, एजेंसी । भारत की अग्रणी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने आज एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फ़ंड ऑफ फ़ंड लॉन्च करने की घोषणा की । यह एक ओपन–एंडेड फंड ऑफ फंड्स स्कीम है, जो गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स की यूनिट्स में निवेश करेगी । नया फंड ऑफर 10 दिसंबर 2025 से सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 22 दिसंबर 2025 को बंद होगा । इस नए फ़ंड के लॉन्च पर बोलते हुए, एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ श्री बी. गोपकुमार ने कहाः सोना और चांदी ऐतिहासिक रूप से मुद्रास्फीति और मुद्रा अस्थिरता के खिलाफ प्रभावी सुरक्षा प्रदान करते रहे हैं और पोर्टफोलियो को विविधता देने में सहायता करते हैं । एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फ़ंड ऑफ फ़ंड के माध्यम से, हम निवेशकों को इन कीमती धातुओं में एक्सपोज़र प्राप्त करने का सरल और किफायती तरीका दे रहे हैं, वह भी फिजिकल स्वामित्व की जटिलताओं के बिना ।

पब्लिक ऑफर के माध्यम से 50.92 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रही है

अहमदाबाद एजेंसी । एचआरएस अलुग्लेज़ लिमिटेड, जो एल्युमिनियम उत्पादों के डिजाइन, निर्माण और इंस्टॉलेशन में संलग्न है, अपनी पब्लिक ऑफर से 50.92 करोड़ रुपये तक जुटाने की तैयारी में है । यह पब्लिक ऑफर 11 दिसंबर 2025 को खुलेगा और 15 दिसंबर 2025 को बंद होगा । इस ऑफर के लीड मैनेजर क्यूम्युलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड हैं । कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे ।50.92 करोड़ रुपये का यह आईपीओ 53.04 लाख इक्विटी शेयरों के फ्रेश इश्यू से बना है, जिसमें 2.748 लाख शेयरों का मार्केट मेकर पोर्शन शामिल है । सार्वजनिक निवेशकों को कुल 50.29 लाख इक्विटी शेयर पेश किए जाएंगे, जिनका फेस वैल्यू 10 रुपये है, और प्राइस बैंड 94–96 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है । इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय में से 18.30 करोड़ रुपये राजोदा, अहमदाबाद में फसाड वर्क के लिए असेंबली और ग्लास ग्लेज़िंग लाइन स्थापित करने हेतु फंडिंग केपिट पर खर्च किए जाएंगे, 19 करोड़ रुपये वर्किंग केपिटल्स की जरूरतों के लिए उपयोग होंगे, और शेष राशि सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए रहेगी । रिटेल श्रेणी में कुल 17.85 लाख शेयर उपलब्ध हैं ।

नया ट्रेंडसेटर एक्सयूवी700 की विरासत को आगे बढ़ाने को तैयार

मुंबई, एजेंसी । भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में अपनी अगली बड़ी पेशकश— एक्सयूवी 7एक्सओ —के नाम की घोषणा की । एक्सयूवी700 की विरासत पर बनी, जिसने सिर्फ चार वर्षों में 300,000 से अधिक गर्वित मालिकों के साथ भारत में एसयूवी सेगमेंट में क्रांति ला दी थी, एक्सयूवी 7एक्सओ उन सभी चीजों को ऊपर उठाती है जिसने एक्सयूवी700 को गेमचेंजर बनाया था । प्रेरित करने के लिए तैयार की गई और रोमांच पैदा करने के लिए इंजीनियर की गई, यह एक्सयूवी700 की सिद्ध खूबियों को बेहतरीन डिज़ाइन, टेक्नोलॉजी, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस के साथ जोड़ती है—एक ऐसी एसयूवी प्रदान करती है जो न केवल विकसित हुई है, बल्कि वास्तव में असाधारण है ।

घरों की कीमतें दो वर्षों में छह फीसदी की दर से बढ़ेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी । मकानों की कीमतें दो वर्षों में 6 फीसदी की दर से बढ़ेंगी । लेकिन वर्तमान में बाजार को गति देने वाले लग्जरी क्षेत्र में तेजी पांच वर्षों में समाप्त हो जाएगी । घरों की औसत कीमतें पिछले दशक में दोगुनी से भी ज्यादा बढ़ी हैं । पिछली तिमाही की तुलना में थोड़ी कमजोर रही । सर्वे के मुताबिक, ये पूर्वानुमान भारत में 8.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि की पृष्ठभूमि में आए हैं, जिसने अधिकांश समकक्षों को पीछे छोड़ दिया है । अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस तेजी का लाभ असमान रूप से उच्च आय वालों को मिला है ।

भारत की विश्व कप जीत का जश्न तनिष्क एक्सचेंज के माध्यम से भारत के अपने सोने के साथ मनाया

मुंबई, एजेंसी।
भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा समूह का एक हिस्सा, तनिष्क भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रहा है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने अटूट कौशल, दृढ़ संकल्प और साहस का प्रदर्शन करते हुए पूरे देश की उम्मीदों को पूरा किया। उनकी यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं बल्कि साहस, दृढ़ता, टीम वर्क, और पूरे भारत में महिलाओं की असीमित क्षमता को दर्शाती है। बाधाओं को तोड़कर और देश भर की युवा लड़कियों को प्रेरित करके, भारतीय महिला क्रिकेट टीम राष्ट्रीय गौरव का एक सच्चा प्रतीक बन गई हैं। उनकी इस जीत ने पूरे देश में प्रशंसा और खुशी की लहर पैदा कर दी है।

दशकों से, तनिष्क ने पूरे भारत में महिलाओं की कहानियों और उन्होंने हासिल किए हुए पड़ावों को दर्शाया है। अपनी स्थापना से लेकर आज तक, यह ब्रांड हर महिला की यात्रा को सशक्त बनाने और समर्थन देने के लिए खड़ा रहा है। इसी भावना में, भारतीय महिला क्रिकेट टीम के तनिष्क ब्रांड द्वारा किए जा रहे सम्मान ने एक विशेष रूप लिया है। तनिष्क ने देश भर के परिवारों द्वारा एक्सचेंज किए गए सोने से बनी अंगूठियों के माध्यम से उन्हें सम्मानित किया है। यह अंगूठियाँ प्रत्येक भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी को उनकी उल्लेखनीय जीत के उपलक्ष्य में उपहार में दी गईं। यह एक

सार्थक भाव है जो भारतीय घरों को उन महिलाओं से जोड़ता है जिन्होंने देश को गौरवान्वित किया, यह भारत का ही एक हिस्सा है जिसे भारतीय विजेताओं के लिए फिर से तैयार किया गया है। टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीज़न के सीईओ, श्री अजॉय चावला ने कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने देश को ऐसा गौरव प्रदान किया है जिसे आने वाली कई पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। उनका धैर्य, दृढ़ संकल्प और जिस तरह से उन्होंने 1.4 अरब लोगों की उम्मीदों को पूरा किया, वह यक़ीनन असाधारण है। तनिष्क की ये अंगूठियाँ उनकी भावना, प्रतिबद्धता और सफलता का सम्मान करने का हमारा तरीका हैं – इन्हें उस रिसाइकल्ड सोने से बनाया गया है जिसे लाखों ग्राहकों ने हमारे पास एक्सचेंज किया है। हर एक अंगूठी में देश का एक हिस्सा शामिल है, ठीक वैसे ही जैसे टीम देश का गौरव अपने दिल के करीब रखती है।

इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस ने सिट्रोइन इंडिया के साथ साझेदारी की

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (जो पहले रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी) ने आज सिट्रोइन इंडिया के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह साझेदारी ग्राहकों को अधिक सुविधा, भरोसा और सुरक्षा देने के लिए की गई है, ताकि हर सिट्रोइन ग्राहक पहले दिन से ही निश्चिंत ड्राइविंग का अनुभव कर सके। इस साझेदारी के ज़रिए हम ग्राहकों को अनोखी लचीलापन और विकल्प दे रहे हैं, जिसमें कस्टमाइज़्ड मोटर इंश्योरेंस समाधान की व्यापक रेंज शामिल है। अभिनव कवरेज विकल्पों से लेकर आसान, डिजिटल-फर्स्ट क्लेम प्रक्रियाओं तक हम पूरे ओनरशिप अनुभव में गति, पारदर्शिता और पूर्ण मानसिक शांति सुनिश्चित करते हैं। हम अपना मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण लेकर आ रहे हैं, जो तेज़, कैशलेस क्लेम सेटलमेंट और पूरे भारत में प्रभावी सर्विस सपोर्ट सुनिश्चित करता है। चाहे ग्राहक शहरी क्षेत्र में हों या दूरदराज़ के इलाके में, अब सिट्रोइन मालिकों को तेज़ सेवा, कम तनाव और अनावश्यक देरी के बिना मदद मिलेगी। साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पहले रिलायंस जनरल इंश्योरेंस) के सीईओ राकेश जैन ने कहाः हम सिट्रोइन इंडिया के साथ साझेदारी करके ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा और सुविधा प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं। अपनी डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच और विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से, हमारा लक्ष्य इंश्योरेंस को सिर्फ एक आवश्यकता नहीं, बल्कि एक मूल्य-वर्धित अनुभव बनाना है, जो कार ओनरशिप को और बेहतर करे।

बोधि ट्री का एच1 एफवाय26 में 185 प्रतिशत मुनाफ़ा उछाल

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी कंटेंट प्रोडक्शन कंपनियों में से एक, बोधि ट्री मल्टीमीडिया लिमिटेड , जिसने टीवी और डिजिटल दुनिया में कई हिट शो दिए हैं, ने क्यू2 एफवाय26 और एच1 एफवाय26 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम जारी कर दिए हैं। बोधि ट्री मल्टीमीडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री मौतिक तोलिया ने कहा- इस तिमाही में हमारी मजबूत वृद्धि का सिलसिला जारी रहा है। यह हमारी क्रिएटिव टीम की क्षमता और ब्रॉडकास्टर्स व ओटीटी पार्टनर्स के हमारे प्रति बढ़ते विश्वास का स्पष्ट संकेत है। ˏचष्ट॥ के साथ हमारी हालिया साझेदारी ने उद्योग में हमारी स्थिति को और सुदृढ़ किया है और प्रीमियम कहानी कहने के लिए एक बड़ा कैनवास उपलब्ध कराया है। कुछ क्षेत्रों में आधार थोड़ा नरम रहने के बावजूद, बेहतर दक्षता और बेहतर निष्पादन के कारण हमारा समग्र प्रदर्शन सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

चंदन हेल्थकेयर का एच1 एफवाय26 में 137 राजस्व, 16 शुद्ध लाभ

लखनऊ, एजेंसी । चंदन हेल्थकेयर लिमिटेड उत्तर भारत के डायग्नोस्टिक्स क्षेत्र में सशक्त और अग्रणी कंपनियों में से एक, ने एच1 एफवाय26 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम की घोषणा की है । चंदन हेल्थकेयर लिमिटेड के प्रमोटर और प्रबंध निदेशक श्री अमर सिंह ने कहा– एच1 एफवाय26 ने मजबूत वृद्धि का दौर दर्शाया, जिसमें राजस्व 23.38 प्रतिशत बढ़कर 137 करोड़ हो गया और लाभप्रदता भी मजबूत बनी रही । यह प्रदर्शन लगातार वॉल्यूम वृद्धि, बेहतर व्यवसाय मिश्रण और शिस्तबद्ध लागत प्रबंधन से समर्थित रहा । विस्तार की गति और बढ़ती डायग्नोस्टिक वॉल्यूम ने मार्जिन और समग्र वित्तीय प्रदर्शन को और मजबूत किया । साल की पहली छमाही में, हमने पटना, लखनऊ और अयोध्या जैसे शहरों में नए अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक केंद्र खोले और अपने चंदन मेडिकल सेंटर नेटवर्क का विस्तार जारी रखा, जिससे अधिक समुदायों तक पहुँच संभव हुई ।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 42 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.92 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे टूटकर 90.11 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.95 पर खुला था। यह पिछले बंद भाव 89.87 के मुकाबले कमजोरी दर्शाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में जोखिम से बचने की भावना और आयातकों की ओर से डॉलर की

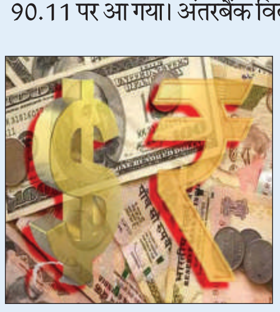

बढ़ती मांग ने रुपये को कमजोर किया। इसके अलावा घरेलू शेयर बाजारों में नरमी और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी भी गिरावट के लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। निवेशक अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। अगर सकारात्मक संकेत मिले, तो आने वाले दिनों में रुपये को मजबूती मिल सकती है। फिलहाल, बाजार में रुपये पर दबाव बना हुआ है।

एफएआई सेमिनार 2025 में इंटीग्रेटेड न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट होगा केंद्र बिंदु

भारत की जलवायु स्मार्ट खेती की प्रगति को मिलेगी गति

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई 10 से 12 दिसंबर तक अपना वार्षिक सेमिनार 2025 नई दिल्ली में आयोजित करेगी। इसका उद्घाटन माननीय केमिकल्स एवं फ़र्टिलाइज़र्स तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा किया जाएगा। 'हरे भविष्य के लिए उर्वरक प्रबंधनः किसानों के सशक्तिकरण को गति' विषय पर आधारित यह सेमिनार उर्वरक उद्योग के लिए एक वैश्विक मंच होगा, जहाँ प्रमुख नीतिनिर्माता, वैज्ञानिक और उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ एक साथ मिलकर सस्टेनेबल नुट्रिएंट मैनेजमेंट और किसान-केंद्रित विकास के अगले चरण पर चर्चा करेंगे।

इस कार्यक्रम में माननीय राज्य मंत्री सुश्री अनुप्रिया पटेल और उर्वरक विभाग के सचिव श्री रजत कुमार मिश्रा भी शामिल होंगे। इनके साथ ही तकनीकी प्रदाता,

पर्यावरण विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि और किसान प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में चार तकनीकी सत्रों और सोलह प्रस्तुतियों के दौरान भारत और विदेश से आए प्रतिनिधि उर्वरक नीति, पोषक तत्व दक्षता, हरित उत्पादन के नए तरीक़ों और नवाचारों पर विचार-विमर्श करेंगे। इस कार्यक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एफएआई के चेयरमैन और कोरोमंडल इंटरनेशनल के एमडी एवं सीईओ, श्री एस. शंकरसुब्रमण्यम ने कहा, जब भारत खाद्य सुरक्षा को मज़बूत करने के साथ-साथ सतत विकास के लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है, ऐसे समय में उर्वरक क्षेत्र एक बड़े बदलाव के मोड़ पर खड़ा है। एफएआई का वार्षिक सेमिनार संवाद और ज्ञान-साझा करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है, ताकि हरित और बेहतर पोषक प्रबंधन की दिशा तय की जा सके। उर्वरक उद्योग संसाधनों का बेहतर उपयोग करके और संतुलित पोषण को बढ़ावा देकर नवाचार और सस्टेनेबिलिटी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, यह उर्वरक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। हम अपने लक्ष्यों को देश की कृषि जरूरतों के अनुरूप रखते हुए विकास, मजबूती और लंबे समय की खाद्य सुरक्षा को आगे बढ़ाते रहेंगे। भारत का उर्वरक उद्योग देश की खाद्य सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। वर्ष 2024-25 में घरेलू उत्पादन 51 मिलियन टन तक पहुँच गया है, जो दस साल पहले 38 मिलियन टन था। देश में 150 से अधिक कंपनियाँ कुल पोषक तत्वों की आवश्यकता का लगभग तीन-चौथाई पूरी करती हैं, जबकि शेष भाग आयात के माध्यम से पूरी की जाती है। नई तकनीकों को अपनाकर– जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन अमोनिया जैसी पहलें शामिल हैं–वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी पकड़ मजबूत की है। भारत में 14 करोड़ से अधिक किसान परिवार उर्वरक का उपयोग करते हैं, और देश की उर्वरक खपत लगभग 70 मिलियन टन है, जो चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। सिंचाई का दायरा बढ़ने, किसानों का अधिक मूल्य वाले फसलों की ओर रुझान बढ़ने और मिट्टी के स्वास्थ्य पर ज़्यादा ध्यान देने से पोषक तत्वों की मांग लगातार बढ़ रही है।

लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड- रेनालिक्स को मिला क्लास सी विश्व की पहली एआई आधारित स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीन बनाने का लाइसेंस

मुंबई, एजेंसी। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने भारत के मेड-टेक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन से क्लास ष्ट श्रेणी की विश्व की पहली ˏएआई-आधारित स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीनें बनाने का लाइसेंस मिला है। यह एक अहम कदम है जो जीवन बचाने वाली हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी में देश की आत्मनिर्भरता को मज़बूत करता है।

यह उपलब्धि और भी ऐतिहासिक हो जाती है क्योंकि लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड- रेनालिक्स को अब विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सीई मार्किंग भी मिल गई है, जिससे यह डायलिसिस सिस्टम के लिए यह सर्टिफिकेशन पाने वाला दुनिया भर में सिर्फ़ छठा ब्रांड बन गया है। सीई मार्किंग यह पक्का करती है कि प्रोडक्ट यूरोपियन यूनियन के

स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण सुरक्षा के उच्चतम मानकों को पूरा करता है, जिससे पूरे यूरोपियन इकोनॉमिक एरिया में कानूनी तौर पर इसकी पहुँच संभव हो जाती है।

क्लास ष्ट वर्ल्ड की पहली एआई-बेस्ड स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीन बनाने का लाइसेंस मिलना भारत के मेड-टेक सिस्टम में सबसे मुश्किल रेगुलेटरी उपलब्धियों में से एक है। क्लास ष्ट डिवाइस हाई-रिस्क, जीवन बचाने वाली कैटेगरी में आते हैं, जिसका मतलब है कि इंजीनियरिंग या प्रोसेस में थोड़ी सी भी गड़बड़ी सीधे मरीज़ की जान पर असर डाल सकती है। यह लाइसेंस पाने के लिए, कंपनियों को लगभग 140 से ज़्यादा क्वालिटी, सेफ्टी और रिस्क-मैनेजमेंट पैरामीटर पर पूरी तरह से कम्प्लायंस दिखाना होता है, जिसमें बायो-कम्पैटिबिलिटी प्रूफ, इलेक्ट्रोमैकेनिकल सेफ्टी वैलिडेशन, स्टेरिलिटी एश्योरेंस, हर कंपोनेंट की ट्रेसिबिलिटी, सख्त डॉक्यूमेंटेशन और मल्टी-स्टेज प्लांट ऑडिट शामिल हैं। बहुत कम मैन्युफैक्चरर इस कैटेगरी में कोशिश करते हैं क्योंकि अप्रूवल का स्टैंडर्ड ग्लोबल रेगुलेटरी स्टैंडर्ड के बराबर है। इसलिए यह सर्टिफिकेशन बहुत ज़रूरी हैः यह वह ऑफिशियल ऑथराइजेशन है जो लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड को देश में ही एडवांस्ड रीनल-केयर इक्विपमेंट बनाने, इम्पोर्टेड मशीनों पर देश की निर्भरता कम करने और यह पक्का करने की अनुमति देता है कि भारत का डायलिसिस इंफ्रास्ट्रक्चर ग्लोबल स्टैंडर्ड वाली, पूरी तरह से कम्प्लायंट, जीवन बचाने वाली टेक्नोलॉजी से सपोर्टेड हो।

माइक्रोसॉफ्ट भारत में 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने को लेकर उत्साहित : सत्य नडेला

बेंगलुरु। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने गुरुवार को कहा कि कंपनी बड़े बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) इकोसिस्टम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है ।
माइक्रोसॉफ्ट के यहां आयोजित कार्यक्रम में सत्य नडेला ने कहा कि हम भारत में निवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं, ताकि हम यहां सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का बुनियादी ढांचा ला सकें। यह 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश है । नडेला ने इसे एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा निवेश बताया। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहा है और एआई-संचालित भविष्य के लिए लाखों भारतीयों को कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है । माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन ने अपने संबोधन में देशभर में कंपनी के क्लाउड नेटवर्क के तेजी से विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पास दुनियाभर में 70 से अधिक डेटा सेंटर क्षेत्र हैं । नडेला ने कहा कि भारत में हमारी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है ।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है ।
ई–निविदा सं० : ईसीआर–सीएओ–सी–एस–एटेन–गया–02, **कार्य का नामः** पूर्व रेलवे के धनबाद मंडल में चोपन–चुनार दोहरीकरण कार्य के संबंध में चौ. 141.430 से चौ. 143.070 के बीच छोटे पुलों का निर्माण, रिटेनिंग वॉल, निर्माण में मिट्टी का काम, कंबलिंग, गिट्टी की आपूर्ति सहित स्थायी मार्ग को जोड़ना, पी.वे सामग्री का परिवहन, निर्माण कार्य, पानी की पाइप लाइन और अन्य संबंधित कार्य । **आकलित लागत (रू.):** 18,99,71,720.68, **बोली प्रतिभूति (रू.):** 10,99,900.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 (बारह) महीने

उप मुख्य अभियंता (निर्माण)
पूर्व मध्य रेलवे, गया
पीआर/1440/कॉन गया/टी/25–26/24

दूसरे टी20आई से पहले हरमनप्रीत कौर और युवराज सिंह के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे पुरुष टी20आई से पहले भारतीय महिला कप्तान हरमनप्रीत कौर और पूर्व पुरुष ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन किया गया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (PCA) के कार्यवाहक सचिव सिद्धांत शर्मा ने हरमनप्रीत और युवराज को उनके नाम पर स्टैंड का नाम देकर सम्मानित करने के बारे में बताया था।

गुरुवार को उद्घाटन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और क्ष अध्यक्ष अमरजीत मेहता ने किया जिसमें BCCI अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद थे। पिछले महीने हरमनप्रीत ने नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में ODI विश्व कप खिताब जीतकर महिला क्रिकेट में भारत को पहली सीनियर ICC ट्रॉफी दिलाकर इतिहास रचा था।

इस बीच युवराज ने भारत की दोहरी विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें 2007 में पहला टी20 विश्व कप और 2011 में ODI विश्व कप शामिल है। उन्होंने सफेद गेंद क्रिकेट में खेल के महान मैच विजेताओं में से एक के रूप में अपनी विरासत को मजबूत किया था। युवराज दूसरे टी20आई से पहले भारतीय टीम के साथ भी शामिल हुए और सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को कुछ सलाह दी।

हरमनप्रीत तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं जिनके नाम पर स्टैंड का नाम रखा गया है। इससे पहले झूलन गोस्वामी (ईडन गार्डन्स, कोलकाता) और मिताली राज (ACA-VDCA क्रिकेट स्टेडियम, विशाखापत्तनम) जैसी दिग्गज खिलाड़ियों को यह सम्मान दिया गया था। मान और अन्य PCA पदाधिकारियों की उपस्थिति में हरमनप्रीत, अमनजोत कौर और हरलीन देओल को 11 लाख रुपए के नकद पुरस्कार भी दिए गए जबकि विश्व कप विजेता टीम के फील्डिंग कोच मुनीश बाली को 5 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया।

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करने पर बोले डिविलियर्स, गंभीर से कुछ हद तक सहमत हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते।' उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है।' भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है। डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है। यह तीनों प्रारूपों में सबसे अस्थिर प्रारूप है और ऐसे में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने का मतलब है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि इसका संबंध भारतीय क्रिकेट की गहराई से है।'

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो भारतीयों को मिली जगह

मेलबर्न । नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेली थी।

भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, 'आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खोली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था।' ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरुआत में नामीबिया पहुंचेगी और नौ से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 पुरुष टीम

ओलिवर पीक, कैसी बार्टन, नादेन कूरे, जेडन ड्रेपर, बेन गॉर्डन, स्टीवन होगन, थॉमस होगन, जॉन जेम्स, चार्ल्स लाचमंड, विल मलाजचुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम टेलर, एलेक्स ली यंग।

बीसीसीआई की आम बैठक में घरेलू महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित कई अन्य मामलों पर होगी बात

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सालाना आम बैठक इसी माह 22 दिसंबर को होगी। एपेक्स कमेटी की इस बैठक में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित अन्य पांच मामलों पर बात हो सकती है। इसमें घरेलू टूर्नामेंट में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस को बढ़ाने पर भी बात होगी। इस बार एकदिवसीय विश्वकप में महिला टीम की शानदार जीत से भी खिलाड़ी उत्साहित है और ऐस में उन्हे मैच फीस में बदलाव की उम्मीद है। बीसीसीआई भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुशी है और प्रतिभाओं को आगे लाने मैच फीस बढ़ाने पर फैसला ले सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिला खिलाड़ियों के वेतन में समानता है पर घरेलू प्रतियोगिताओं में अब तक ऐसा नहीं हुआ है। वहीं इस बैठक में क्रिकेटरों के केन्द्रीय अनुबंध पर भी बात होगी। इसके अलावा बीसीसीआई अंपायरों की मैच फीस में भी बदलाव करना चाहता है। उसको भी लेकर इस बैठक में विचार किया जाएगा। इसके अलावा कई और मामले भी इस बैठक में उठेंगे।

सैमसन की प्रशंसा वाले गंभीर के पुराने पोस्ट वायरल होने के बाद प्रशंसकों ने उठाये सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब तक भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने के साथ ही मध्यक्रम सहित कई जगहों पर आजमाये गये हैं और उनका प्रदर्शन भी ठीक रहा है। इसके बाद भी उन्हें हमेशा ही बाहर कर दिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में भी शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें अवसर नहीं मिला। इसी को लेकर अब प्रशंसकों का गुस्सा फूटा है। इस बार प्रशंसकों ने अनोखे अंदाज में अपनी नाराजगी जतायी है। प्रशंसकों ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के तीन पुराने पोस्ट जारी किये हैं जिसमें गंभीर सैमसन की प्रशंसा करते दिख रहे हैं।

ये पोस्ट 2019 और 2020 के हैं, तब सैमसन आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से जबरदस्त बल्लेबाजी कर रहे थे पर उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पा रही थी। गंभीर ने तब सैमसन को न केवल

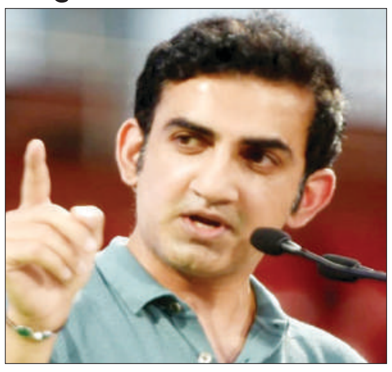

बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज बल्कि उन्हें विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के योग्य बताया था। वहीं अब जबकि गंभीर भारतीय टीम के कोच है फिर भी सैमसन को टीम में जगह नहीं मिल पा रही है। पहले उन्हें कप्तान शुभमन गिल की वापसी के बाद सलामी बल्लेबाजी से बाहर किया गया। वहीं अब मध्यक्रम से भी बाहर कर दिया गया है।

सैमसन और शुभमन गिल के टी20 में आंकड़े देखें तो यह साफ है कि सैमसन आंकड़ों के हिसाब से उनसे कहीं आगे है। सैमसन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टी20 में तीन शतक और एक अर्धशतक लगाया है जबकि शुभमन ने एक शतक ही लगाया है।

गंभीर का पहला वायरल पोस्ट 22 सितंबर 2020 का है, जहां उन्होंने लिखा, यह अजीब है कि सैमसन को केवल भारतीय टीम में जगह नहीं मिलती। बाकी सब जब अवसर मिल जाते हैं।

वहीं एक और पोस्ट में गंभीर ने कहा, सैमसन अभी भारत के सबसे अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिये।

गंभीर ने एक और पोस्ट में कहा कि सैमसन की स्किल्स देखकर खुशी हुई कि वह भारत का सबसे अच्छा विकेटकीपर-बल्लेबाज है, मेरे लिए वह विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध में शुभमन हो सकते हैं प्रमोट, विराट और रोहित होंगे डिमोट

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की इसी माह 22 दिसंबर को होने वाली सालाना जनरल बैठक (एजीएम) में केन्द्रीय अनुबंध पर बड़ा फैसला लिया जा सकता है । इसमें एकदिवसीय और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को प्रमोट कर ए प्लस ग्रेड में रखा जाना तय है । वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को डिमोट किया जा सकता है । इसका कारण है कि अब विराट और रोहित केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं । वहीं नियमों के अनुसार ए प्लस अनुबंध तीनों प्रारुप खेलने वालों को ही दिया जाता है । इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले इन दोनो ने ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था । वहीं साल 2024 टी20 विश्वकप के बाद टी20 प्रारुप से भी संन्यास ले लिया था ।

रोहित और कोहली की जोड़ी अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में पहले और दूसरे नंबर पर बनी हुई है । अभी ए प्लस सूची में विराट और रोहित के अलाव जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा भी शामिल हैं । ग्रेड ए प्लस अनुबंध में सालाना सात करोड़ रुपये जबकि ए में पांच, वहीं बी में तीन और सी में एक करोड़ रुपये मिलते हैं । बीसीसीआई के नियमानुसार अनुबंध उन खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने एक सत्र में 3 टेस्ट मैच या 8 एकदिवसीय या 10 टी20 मैच खेले हों ।

सैमसन के रहने से मुझे बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है : जितेश

मुम्बई । भारतीय टीम में आज सीमित ओवरों के खेल में विकेटकीपर की जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है । टीम के पास संजू सैमसन, जितेश शर्मा और ऋषभ पंत जैसे विकेटकीपर हैं। विकेटकीपिंग में सैमसन और जितेश के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है । वहीं इस तरह के माहौल से ड्रेसिंग रूम में तनाव की संभावनाओं को जितेश ने गलत बताया और कहा कि उन्हें सैमसन की मौजूदगी से तो उन्हें प्रेरणा ही मिलती है । जितेश ने कहा कि मुझे सैमसन के साथ टीम में रहने पर काफी अच्छा अनुभव हुआ है । मुझे उससे काफी कुछ सीखने को मिला है । वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं । जितेश के अनुसार इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा से खिलाड़ियों को अपने खेल का स्तर ऊंचा करने की प्रेरणा मिलती है । उन्होंने कहा, 'स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी बेहतरीन प्रतिभा निककर बाहर आती है जिससे टीम को लाभ होता है ।' सैमसन के दल में रहने को फायदेमंद बताते हुए जितेश ने कहा, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं । ऐसे में अगर मुझे उनके साथ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर खेलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा । वहीं अब तक के आंकड़ों को देखें तो सैमसन कहीं आगे हैं । सैमसन ने अब तक 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं । उनमें उनके नाम 995 रन है । उनका औसत 25 ।51 और स्ट्राइक रेट 147 ।4 का है । उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्री में 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं । सैमसन ओपनर के तौर पर ही सबसे ज्यादा सफल रहे हैं । 2022 में उन्हें पहली बार ओपनिंग का मौका मिला । अब तक बतौर ओपनर उन्होंने 14 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 512 रन हैं । औसत भी 39 ।38 का है और स्ट्राइक रेट 182 ।2 का । उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में अपने तीनों शतक बतौर ओपनर जड़े हैं । इसके अलावा ओपनिंग करते हुए उन्होंने एक अर्धशतक भी जड़ा है ।

जूनियर विश्व कप हॉकी : भारत का दो गोल से पिछड़ने के बाद ऐतिहासिक प्रदर्शन, 9 साल बाद जीता पदक

चेन्नई (एजेंसी)। दो गोल से पिछड़ने के बाद मेजबान भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 9 साल बाद पुरुषों के जूनियर विश्व कप में पहला कांस्य पदक जीता। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हुए प्ले-ऑफ मैच में भारत ने अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। मेजबान टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार 4-2 से वापसी करते हुए जीत हासिल की और सिर्फ 11 मिनट के छोटे से समय में चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया।

निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे') और सैंटियागो फर्नांडीज ने (44वें) मिनट में मेहमान टीम को बढ़त दिलाई थी जिसके बाद भारत के लिए अंकित पाल ने (49वें), मनमीत सिंह ने (52वें), शरदानंद तिवारी ने (57वें) और अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल किए। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और अर्जेंटीना के डिफेंस में सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि यह मेहमान टीम थी जिसने खेल के विपरीत जाकर बढ़त हासिल की, जब निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला।

एक गोल के बाद मेजबान टीम ने जोरदार जवाब दिया और तुरंत बराबरी की तलाश में थी। भारत को पहले क्वार्टर के अंत में लगभग एक मौका मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। दूसरे क्वार्टर में भारत के लिए यह एक उत्साहजनक शुरुआत थी, उन्होंने वहीं से शुरुआत की जहां उन्होंने पहले क्वार्टर में छोड़ा था। वे खेल में अपनी पकड़ बनाने लगे और अधिक महत्वपूर्ण मौके बनाए, जिससे

अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव पड़ा जो ज्यादातर मौकों पर मजबूत बना रहा। दिलराज सिंह ने गोल पर शॉट लगाया, जबकि मेजबान टीम ने पहले हाफ में आठ सकर्ल पेनिट्रेशन के साथ कुछ आधे मौके बनाए और बराबरी की तलाश में गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि अर्जेंटीना ने पहले हाफ को 1-0 की बढ़त के साथ खत्म किया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। वे हमले में लगातार बने रहे, और अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा जो पीछे हट रहा था।

मेहमान टीम काउंटर अटैक पर खेलने की कोशिश कर रही थी और उन्हें कुछ मौके भी मिले, लेकिन प्रिंसदीप सिंह ने शानदार डबल सेव करके भारत को खेल में बनाए रखा। अर्जेंटीना ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के अंत में सैंटियागो फर्नांडीज (44वें) मिनट में किये गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। मेजबान टीम अपने पहले गोल की तलाश में आगे बढ़ती रही और लगभग दस मिनट शेष रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में सफल रही। अनमोल एक्का के शानदार ड्रैगफ्लिक की मदद से अंकित पाल ने (49वें) मिनट अर्जेंटीना के गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल किया, जिससे भारत ने एक गोल की बराबरी कर ली। मोमेंटम अपने पक्ष में होने के कारण, भारत ने दो मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर पर इसी तरह का मूव किया, जिसमें मनमीत सिंह ने (52वें) मिनट अनमोल एक्का के सेटअप का फायदा उठाते हुए भारत को बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद भारत को एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला और शारदानंद तिवारी ने (57वें) मिनट में कोई गलती नहीं की और मैच खत्म होने में तीन मिनट से भी कम समय बचा था, तब भारत को बढ़त दिला दी। अपने तीसरे गोल की तलाश में, अर्जेंटीना ने बिना गोलकीपर के खेलने का फैसला किया। उन्हें एक पेनल्टी कॉर्नर से मौका मिला, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसे विफल कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल से जीत पक्की कर ली।

ग्यारह मिनट में चार गोल के साथ भारत ने FIH हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 में कांस्य पदक हासिल करने के लिए एक शानदार वापसी की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों को 5 लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ को 2.5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

हार के बाद रियल मैड्रिड के खिलाड़ी हुए बेकाबू, कई प्लेयर्स पर लगे प्रतिबंध

मैड्रिड । सेल्टा विगो से हार के बाद रियल मैड्रिड पर मुख्य रूप से रेफरी के साथ दुर्व्यवहार के कारण उसके खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाए गए है । रियल मैड्रिड को सेल्टा विगो के साथ मैच के दौरान दूसरे हाफ में डिफेंडर फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास और फॉरवर्ड एंड्रिक को दिखाए गए रेड कार्ड के लिए भारी अनुशासनात्मक कीमत चुकानी पड़ी । गार्सिया पर स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (RFEF) की अनुशासनात्मक कमेटी ने एक मैच का बैन लगाया है, जिसे वह इस वीकेंड डेपोर्टिवो अलावेस के खिलाफ मैच में नहीं खेल सकेंगे । उन्हें दो येलो कार्ड मिलने के बाद मैच से बाहर कर दिया गया था । हालांकि, कैरेरास और एंड्रिक को दो मैचों के लिए प्रतिबंधित किया गया है, कैरेरास को रेफरी क्विंटरो गोंजालेज को बाहर किए जाने के बाद 'एरेस मालिसिमो' (तुम बहुत बुरे हो) कहने के लिए सजा दी गई है । मैदान पर नहीं उतरने वाले एंड्रिक को भी रेड काड 'दिखाया गया और' बेंच से उठकर टेक्निकल एरिया से बाहर जाने, चौथे रेफरी पर चिल्लाने और टेक्निकल स्टाफ के सदस्यों द्वारा रोके जाने की जरूरत पड़ने' के लिए दो मैचों का प्रतिबंध लगाया गया । घुटने की सर्जरी के बाद फिलहाल बाहर चल रहे डैनी कार्वाजल को भी मैच के बाद ड्रेसिंग रूम के टनल में रेफरी का अपमान करने के लिए दो मैचों के लिए प्रतिबंधित किया गया है ।

अफरीदी ने रोहित-विराट की सराहना की , गंभीर पर निशाना साधा

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि भारतीय टीम को 2027 एकदिवसीय विश्वकप में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरुरत है । इसलिए इन दोनो को टीम में बनाये रखना चाहिये । अफरीदी ने कहा कि ये दोनो अनुभवी बल्लेबाज भारतीय टीम की रीढ़ की हड्डी की तरह है । इसके साथ ही अफरीदी ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी निशाना साधा और कहा कि वह हमेशा जो सोचते हैं जरुरी नहीं कि वह सही हो । अफरीदी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की भी प्रशंसा की । उन्होंने कहा कि ये दोनों अनुभवी होने के कारण भारत की एकदिवसीय टीम के लिए फायदेमंद रहेंगे । ऐसे में भारतीय टीम को इन स्टार खिलाड़ियों का सही उपयोग करना चाहिये । अफरीदी ने कहा, ऽये सही है कि विराट और रोहित भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप की रीढ़ हैं । जिस प्रकार उन्होंने वापसी करते हुए एकदिवसीय सीरीज खेली है । उससे ये तय है कि उनमें 2027 विश्वकप तक खेलने की क्षमता हैं । टीम प्रबंधन को इन दोनों खिलाड़ियों को बड़े मुकाबलों के लिए संभालकर रखना चाहिये ।' अफरीदी ने रोहित की तारीफ भी की, जिन्होंने एकदिवसयी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का उनका रिकॉर्ड तोड़ा है । अफरीदी ने कहा, 'रिकॉर्ड्स टूटने के लिए ही होते हैं और अब ये रिकॉर्ड भी टूट गया है । मुझे खुशी है कि जिस खिलाड़ी को मैं हमेशा पसंद करता था, उसने ये रिकॉर्ड तोड़ा है । अफरीदी ने कहा, 'गंभीर ने जिस तरह से अपनी कोचिंग की शुरुआत की, ऐसा लगा कि उन्हें लगता है कि जो वे सोचते और कहते हैं वही सही है, लेकिन कुछ समय बाद साबित हो गया कि आप हमेशा सही नहीं होते ।'

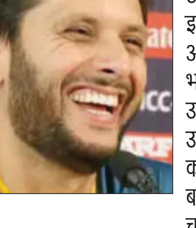

भारतीय जर्सी पहनना ही हमें प्रेरित करता है, विश्व कप की जीत पर बोलीं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने बताया कि उन्हें क्रिकेट से बढ़कर कुछ भी प्यारा नहीं है। 29 वर्षीय इस स्टार क्रिकेटर ने भारत के साथ आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने के अपने अनुभव के बारे में भी खुलकर बात की। भारतीय महिला टीम ने 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप खिताब जीता।

मंधाना ने अमेज़न संभव समिट में कहा कि मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट से बढ़कर मुझे कुछ और प्यारा है। भारतीय जर्सी पहनना ही हमें प्रेरित करता है। आप अपनी सारी परेशानियां भूल जाते हैं, और यही सोच आपको जीवन पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है। बचपन से ही बल्लेबाजी का जुनून मुझमें था। कोई इसे समझ नहीं पाया, लेकिन मेरे मन में हमेशा से विश्व चैंपियन बनने का सपना था। भारतीय उप-कप्तान ने कहा, ÷विश्व कप जीत वर्षों के संघर्ष का फल है। हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मैं 12 साल से अधिक समय से क्रिकेट खेल रही हूं और कई बार हालात हमारे पक्ष में नहीं रहे। फाइनल से पहले हमने इसकी कल्पना की थी, और जब आखिरकार हमने इसे स्क्रीन पर देखा, तो हमारे रोंगटे खड़े हो गए। यह हम सभी के लिए एक खास पल था।÷

इससे पहले, रविवार को मंधाना ने पुष्टि की कि संगीतकार पलाश मुच्छल से उनकी शादी रद्द हो गई है, जिससे हफ्तों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया। यह घोषणा उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक सार्वजनिक पोस्ट में की, जिसमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान ने कहा कि पिछले महीने समारोह के अचानक स्थगित होने के बाद फैल रही अफवाहों पर उन्हें जवाब देना जरूरी लगा। मंधाना ने दोनों परिवारों के लिए निजता बनाए रखने का अनुरोध किया है।

मंधाना ने अपने पोस्ट में लिखा कि पिछले कुछ हफ्तों से मेरे जीवन को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए इस बारे में बोलना जरूरी है। मैं बहुत ही निजी व्यक्ति हूं और मैं इसे इसी तरह रखना चाहती हूं, लेकिन मुझे यह स्पष्ट करना है कि शादी रद्द हो गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा ही करने का अनुरोध करती हूं। मैं आप सभी से निजता का सम्मान करने का अनुरोध करती हूं और हमें अपने हिसाब से आगे बढ़ने और इस पर विचार करने का समय देने की अपील करती हूं।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया में आर्मी ने की प्रदर्शनकारी महिलाओं पर फायरिंग, 9 की मौत

अबुजा, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया के अदामावा राज्य में विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर सेना के जवानों ने गोलियां चलाईं, जिसमें कम से कम 9 महिलाओं की मौत हो गई। यह आरोप प्रदर्शनकारियों और पीड़ित परिवारों ने लगाया है। घटना सोमवार को लामुर्दे इलाके में हुई। गवाहों और पीड़ितों के परिजनों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, महिलाएं स्थानीय समुदायों के बीच चल रहे हिंसक झड़पों और सेना की कथित लापरवाही के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थीं। इसी दौरान सेना के जवानों ने रास्ता रोके जाने पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। हालांकि नाइजीरियन आर्मी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि प्रदर्शनकारियों की मौत सेना की गोली से नहीं, बल्कि स्थानीय सशस्त्र समूहों (मिलिशिया) की कार्रवाई में हुई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने गवाहों और पीड़ित परिजनों के बयान के आधार पर दावा किया है कि फायरिंग सेना ने की। एमनेस्टी नाइजीरिया के निदेशक ईसा सनुसी ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि सेना के मानवाधिकार उल्लंघन का रवैया अब भी नहीं बदला है। अदामावा में हाल के महीनों में बाचामा और चोबो समुदायों के बीच जमीन को लेकर लगातार झड़पें हो रही हैं। इसी के चलते इलाके में कर्फ्यू लगाया गया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सुरक्षा बल कर्फ्यू लागू कराने में नाकाम हैं, जिससे हिंसा थम नहीं रही है। एक पीड़ित पिता ने बताया, 'सैनिक संघर्ष वाले इलाके से लौट रहे थे और रास्ते में महिलाओं को देख अचानक एक जवान ने हवा में गोली चलाई, फिर बाकी सैनिकों ने सीधा फायर कर दिया।' नाइजीरिया में सुरक्षा बलों पर इस प्रकार की कार्रवाइयों के आरोप पहले भी लगे हैं। 2020 में लागोस में पुलिस अत्याचार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी सेना पर गोलीबारी और 'हत्याकांड' के आरोप लगे थे। एमनेस्टी ने इस घटना की स्वतंत्र जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

नेपाल में 4.3 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया है। काठमांडू में अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को चीन की सीमा से लगे नेपाल के कालापानी क्षेत्र में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। तत्काल किसी प्रकार के नुकसान या हताहत की कोई सूचना नहीं मिली है। वहीं राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सुदूर पश्चिम प्रांत के दार्चुला जिले के उत्तर में स्थित कालापानी में भूकंप के झटके रात 9:24 बजे दर्ज किए गए। सोमवार को इसी प्रांत के बाजुरा जिले के मार्टाडी में शाम 6:58 बजे 3.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

क्यूबा के पूर्व मंत्री फर्नांडीज को जासूसी के आरोप में उम्रकैद

हवाना , एजेंसी। क्यूबा के सुप्रीम पॉपुलर ट्रिब्यूनल ने पूर्व अर्थव्यवस्था मंत्री अलेजांद्रो गिल फर्नांडीज को जासूसी के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई है। एक अलग मामले में उन्हें रिश्वत, फर्जी दस्तावेज और टैक्स चोरी के लिए 20 साल और मिले। 2018-2024 तक मंत्री रहे गिल राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कनेल के बेहद करीबी थे, लेकिन हटाए जाने के बाद उन पर गंभीर गलतियों का आरोप लगा। अदालत ने जासूसी के विवरण नहीं बताए।

नेपाल : एयरपोर्ट घोटाले में पूर्व मंत्रियों समेत 55 पर केस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पोखरा के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निर्माण में भारी गड़बड़ी के आरोप में पूर्व मंत्रियों समेत 55 लोगों और एक चीनी निर्माण कंपनी पर मामला दर्ज किया है। आयोग के अनुसार, 2012 में तय बोली 169.6 मिलियन डॉलर (करीब 15 अरब 24 करोड़ भारतीय रुपया) थी, लेकिन अधिकारियों ने चीनी कंपनी की मिलीभगत से इसे बढ़ाकर करीब 21 अरब 92 करोड़ रुपया कर दिया, यानी 7.4 करोड़ डॉलर से ज्यादा की अनियमितता। यह मामला काठमांडो की विशेष अदालत में दाखिल किया गया।

अमेरिका में अप्रवासी बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अप्रवासी बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। अमेरिकी इमीग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) ने कोर्ट में दायर एक दस्तावेज में माना है कि इस साल अगस्त-सितंबर के दौरान करीब 400 बच्चों को 20 दिन की कानूनी सीमा से अधिक समय तक हिरासत में रखा गया। यह खुलासा उन वकीलों ने किया जो 1985 से चल रहे मामले की निगरानी कर रहे हैं। इसी मुकदमे से 1990 के दशक में फ्लोरेस सेटलमेंट एग्रीमेंट बना, जो बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सीमित अवधि की हिरासत अनिवार्य करता है। वकीलों ने अदालत को बताया कि कई केंद्रों में अस्वच्छ हालात, चिकित्सा सेवा में देरी और होटल कमरों में तय सीमा से अधिक समय तक बच्चों को रखने की शिकायतें मिलीं।

जेलेंस्की से मुलाकात के बाद ईसाई धर्मगुरु के निशाने पर आए ट्रंप!

रोम, एजेंसी। ईसाई धर्मगुरु पोप लियो 14वें ने मंगलवार को अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की ओर से लंबे समय से चले आ रहे अमेरिका-यूरोपीय गठबंधन को तोड़ने की कोशिश की आलोचना की। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के सर्वोच्च धर्मगुरु की ओर से इस तरह की खुली आलोचना अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ा झटका माना जा सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं को कमजोर होने के साथ यूक्रेन को मिलने वाले अमेरिकी समर्थन को कम करने का भी संकेत दिया था। इस मुद्दे पर पोप लियो 14वें ने अप्रत्यक्ष रूप से जोर देकर कहा कि यूक्रेन शांति समझौते में यूरोप की भूमिका होनी चाहिए।

पोप लियो का कीव दौरा यूरोपीय समर्थन जुटाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात के बाद पत्रकारों से युद्धविराम की जरूरत और रूसी अधिकारियों की ओर से पकड़े गए यूक्रेनी बच्चों की वापसी में मदद के लिए वेटिकन की कोशिशों पर चर्चा की।

ईसाई धर्मगुरु से अमेरिकी शांति प्रस्ताव और इस प्रक्रिया में यूरोपीय शक्तियों को दरकिनार किए जाने के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में यूरोप की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'यूरोप को वार्ता में शामिल किए बिना शांति समझौते की कोशिश करना

अवास्तविक है, क्योंकि युद्ध यूरोप में चल रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'आज और भविष्य में सुरक्षा की गारंटी भी मांगी जा रही है। यूरोप को इसका हिस्सा होना चाहिए, और दुर्भाग्य से हर कोई इसे नहीं समझता, लेकिन मुझे लगता है कि यूरोपीय नेताओं के लिए एकजुट होकर हल तलाशने का यह एक बेहतरीन मौका है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय साझेदारों के साथ शांति समझौते के तीन दस्तावेजों पर चर्चा की जा रही है, 20 बिंदुओं का एक रूपरेखा दस्तावेज, सुरक्षा गारंटी वाला दूसरा दस्तावेज और यूक्रेन को फिर से उठ खड़ा करने के बारे में तीसरा दस्तावेज।

बीते हफ्ते में ट्रंप प्रशासन ने अपनी अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी की थी, जिसमें अमेरिका-यूरोपीय गठबंधन पर सवाल उठाए गए हैं और अमेरिका-रूस संबंधों को बेहतर बनाने की इच्छा पर जोर दिया गया है। लियो ने कहा कि उन्होंने जो पढ़ा है, वह 'यूरोप और अमेरिका के बीच कई वर्षों से चले आ रहे एक सच्चे गठबंधन में एक बड़ा बदलाव लाएगा।' इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कुछ टिप्पणियों से ऐसा लगता है कि 'आज और भविष्य में जिस गठबंधन की जरूरत है, उसे तोड़ने की कोशिश की जा रही है।'

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में कुछ लोग इस कोशिश से सहमत हो सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि कई अन्य लोग चीजों को अलग तरीके से देखेंगे। पोप लियो अब तक जेलेंस्की से तीन बार मिल चुके हैं और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कम से कम एक बार टेलीफोन पर बात कर चुके हैं।

चीन की चाल: नेपाल को खोखला कर रहा ड्रैगन? पोखरा एयरपोर्ट घोटाले में रंगे मिले 'अपनों' के हाथ; जांच शुरू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कारण है कि नेपाल के भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट निर्माण में 55 नेपाली अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर 74 मिलियन डॉलर की गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इसके साथ ही इन 55 अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर मामला भी दर्ज किया है। माना जा रहा है कि यह नेपाल में अब तक का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का मामला है। आयोग के अनुसार, सरकार और चीनी कंपनी ने निर्माण खर्चों में गड़बड़ी करके 74 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की रकम बढ़ा दी। इसके तहत 2012 में जो बिडिंग तय हुई थी, वह 169.6 मिलियन डॉलर थी, लेकिन इसे बढ़ाकर 244 मिलियन डॉलर कर दिया गया। पोखरा एयरपोर्ट और चीन का संबंध, समझिए नेपाल के पोखरा एयरपोर्ट में चीन की भूमिका को ऐसे समझा जा सकता है कि पोखरा एयरपोर्ट चीन के एक्जिम बैंक के लोन पर बनाया गया था। यह शहर नेपाल के प्रमुख पर्यटन स्थलों और ट्रेकिंग रूट्स की शुरुआत का केंद्र है, लेकिन 2023 में संचालन शुरू होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को आकर्षित नहीं कर सका।

राजमार्ग पर आपात लैंडिंग के दौरान कार से टकराया विमान, पायलट और यात्री सुरक्षित, महिला चालक घायल

ऑरलैंडो (फ्लोरिडा), एजेंसी। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो के पास सोमवार शाम को एक छोटे विमान ने अंतरराज्य राजमार्ग-95 (आई-95) पर आपातकालीन लैंडिंग की। इस दौरान विमान कार से टकरा गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ।

ब्रेवर्ड काउंटी दमकल और बचाव सेवा के मुताबिक, विमान आई-95 राजमार्ग पर मील चिह्न 201 के पास दक्षिण दिशा में आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश कर रहा था, तभी वह एक कार से टकरा गा और दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

फॉक्स 13 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, विमान में दो लोग सवार थे। इनमें एक 27 वर्षीय पायलट और 27 वर्षीय यात्री शामिल थे। विमान फिक्स्ड विंग मल्टी-इंजन बीचक्राफ्ट 55 बताया जा रहा है। फ्लोरिडा राजमार्ग पुलिस के मुताबिक, पायलट और यात्री दोनों सुरक्षित रहे और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान टोयोटा कैमरी कार से टकराया, जिसे एक 57 वर्षीय महिला चला रही थी। इस टक्कर में वह घायल हुई और उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला को भी हल्की चोटें आई हैं।

अमेरिका की विमानन निगरानी संस्था संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि पायलट ने विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले इंजन में समस्याओं की सूचना दी थी। इस घटना की जांच राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) कर रहा है। एनटीएसबी ने बताया कि विमान मेरिट आईलैंड से एक प्रशिक्षण उड़ान पर उड़ा था, लेकिन उड़ान के कुछ समय बाद दोनों इंजनों में शक्ति चली गई। पायलट को विमान को नजदीकी राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें विमान को कार से टकराते देखा जा सकता है।

इंडोनेशिया के जकार्ता में सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में लगी भीषण आग, 20 लोगों की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के केमायोरन इलाके में मंगलवार दोपहर एक सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आग पर काबू पा लिया गया है और इमारत के अंदर राहत व खोजबीन अभियान जारी है। इस जानकारी की पुष्टि सेंट्रल जकार्ता पुलिस प्रमुख सुसात्यो पुरनोमो कोंड्रो ने की।

आग पहली मंजिल से ऊपर की मंजिलों तक फैल गई : कोंड्रो के अनुसार आग दोपहर के समय इमारत की पहली मंजिल पर लगी और धीरे-धीरे ऊपर की मंजिलों तक फैल गई। जिस समय आग लगी, कई कर्मचारी लंच कर रहे थे, जबकि कुछ ऑफिस से बाहर जा चुके थे।

आग के कारणों की जांच जारी : जकार्ता डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के प्रमुख इस्नावा अदजी ने बताया कि आग के कारणों की जांच जारी है और नुकसान के आकलन पर काम हो रहा है। उनके मुताबिक आग कैसे लगी, यह अब भी जांच

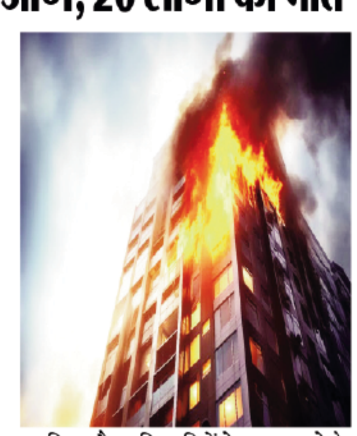

का विषय है। अधिकारियों ने आग बुझाने के लिए 28 फायर ट्रक और 101 कर्मियों को तैनात किया था। मृतकों और घायलों को पहचान और इलाज के लिए पूर्वी जकार्ता के क्रामत जाति पुलिस हॉस्पिटल ले जाया गया। यह इमारत टेरा ड्रोन इंडोनेशिया का मुख्यालय है, जो खनन, कृषि समेत कई क्षेत्रों में ग्राहकों को हवाई सर्वे ड्रोन सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी है। अधिकारियों का कहना है कि राहत कार्य पूरा होने तक इमारत को पूरी तरह सील रखा जाएगा।

इमरान की बहनों ने अडियाला जेल के बाहर डाला डेरा

क्या बड़ी साजिश रच रही है शरीफ सरकार!

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल से रिहाई को लेकर उनकी बहनों ने एक बार फिर अडियाला जेल के बाहर डेरा डाल दिया। पूर्व प्रधानमंत्री की बहनों ने मंगलवार को सैकड़ों समर्थकों के साथ जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है। इस दौरान उन्होंने हिरासत में इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है। दूसरी तरह शहबाज शरीफ की सरकार इमरान खान की रिहाई को और मुश्किल बनाने की तैयारी में है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का मामला चलाया जा सकता है।

इससे पहले मंगलवार को इमरान की दोनों बहनें, उज्मा खान और अलीमा खान जेल के गेट के पास प्रदर्शन किया। इस दौरान समर्थकों ने 'सरफरोशी की तमन्ना

अब हमारे दिल में है', 'आजादी आजादी' जैसे नारे भी लगाए। इस मौके पर जेल के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। बता दें कि इमरान खान की सेहत को लेकर चिंताओं और उनकी मौत के बाद पिछले सप्ताह उनकी बहन उजमा को पूर्व प्रधानमंत्री से मिलने की इजाजत मिली थी।

खान की बहन डॉ. उज्मा खान ने जेल में अपने भाई से मुलाकात करने के बाद कहा कि उनका स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक है लेकिन उन्हें मानसिक यातना दी जा रही है। वहीं उज्मा की मुलाकात के बाद पीटीआई ने एक बयान में कहा था कि इमरान खान को खान को दिन के अधिकतर समय जेल की कोठरी में ही रखा जाता है और केवल थोड़ी देर के लिए बाहर जाने की अनुमति दी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इमरान खान को किसी से बात करने की अनुमति भी नहीं है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं।

क्या साजिश रच रही शहबाज सरकार : इससे बीच न्यूज 18 ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान का राजनीतिक तबका पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का मामला चलाने और उनकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पर प्रतिबंध लगाने पर की तैयारी में है।

सूत्रों का दावा है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की आसिम मुनीर के इशारों पर सरकार कई तरह के और प्रतिबंध लगाने पर भी विचार कर रही है। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने कहा है कि इमरान खान का राजनीतिक विरोध और देश के संस्थानों के साथ टकराव पाकिस्तान को एक खतरनाक स्थिति में डाल सकता है।

मेहुल चोकसी की अपील बेल्जियम के सुप्रीम कोर्ट में भी खारिज, जल्द होगा भारत प्रत्यर्पण?

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम की सर्वोच्च अदालत 'कोर्ट ऑफ कैसेशन' ने भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया है। यह फैसला भारत के पक्ष में गया है और अब चोकसी के प्रत्यर्पण की औपचारिक प्रक्रिया बेल्जियम में आगे बढ़ सकती है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।

ब्रसेल्स में हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील के 17 अक्टूबर के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने साफ कहा कि चोकसी की यह दलील निराधार है कि भारत भेजे जाने पर उसे यातना का जोखिम है। ब्रसेल्स के महाधिवक्ता हेनरी वेंडरलिंडेन ने ईमेल के जरिए बताया- सर्वोच्च अदालत ने चोकसी की अपील खारिज कर दी है। इसलिए निचली अदालत का फैसला ही प्रभावी रहेगा।

मेहुल चोकसी ने पंजाब नेशनल बैंक में 13000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के मामले में भारत प्रत्यर्पण को चुनौती दी थी। एंटवर्प की अपीली अदालत ने चोकसी के प्रत्यर्पण के भारत के अनुरोध को लागू-योग्य बताते हुए बरकरार रखा था। एंटवर्प में अपीली अदालत के चार सदस्यीय अभियोग कक्ष को 29 नवंबर, 2024 को जिला अदालत के 'प्री-ट्रायल चैंबर' द्वारा जारी आदेशों में कोई खामी नहीं मिली। जिला अदालत ने मई 2018 और जून 2021 में मुंबई की विशेष अदालत द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू-योग्य बताया था और चोकसी के प्रत्यर्पण की अनुमति दी थी।

उसके अपहरण के दावे का कोई ठोस सबूत नहीं है : चोकसी ने दावा किया था कि 2021 में अण्टीगुआ और बारबूडा में उसका अपहरण भारत की मदद से कराया गया था। अदालत ने कहा कि इंटरपोल की सीसीएफ रिपोर्ट भी इस दावे की पुष्टि नहीं करती और बहुत सतर्क शब्दों में लिखी गई है। अपीली अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि 13,000 करोड़ रुपये के पीएनबी घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किए जाने पर निष्पक्ष सुनवाई से वंचित किए जाने या किसी प्रकार के दुर्व्यवहार का कोई जोखिम नहीं है।

900 करोड़ के बंगले में शिफ्ट होंगे न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी

न्यूयार्क, एजेंसी। पिछले महीने अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद के चुनाव को जीतकर इतिहास रचने वाले जोहरान ममदानी एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। इस बार इसकी वजह उनका नया ऐलान है। दरअसल न्यूयॉर्क के निर्वाचित मेयर ममदानी ने हाल ही में यह घोषणा की है कि वे 1 जनवरी को पद संभालने के बाद मैनहट्टन में स्थित मेयर आवास में शिफ्ट होने जा रहे हैं। अपने चुनाव अभियान में अफोर्डेबिलिटी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने वाले ममदानी के इस 100 मिलियन डॉलर वाले बंगले में शिफ्ट होने के फैसले को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा है कि वह और उनकी पत्नी मैनहट्टन के मेयर रेजिडेंस में जाने के लिए तैयार हैं। ममदानी ने कहा है कि उन्होंने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। उन्होंने लिखा, 'मेरी पत्नी रमा और मैंने जनवरी में ग्रेसी मेंशन में जाने का फैसला किया है। यह फैसला हमारे परिवार की सुरक्षा और न्यूयॉर्क के लोगों ने जिस किफायती आवास के एजेंडे के लिए वोट दिया था, उस पर अपना पूरा ध्यान देने के महत्व को देखते हुए लिया गया है।'

10,000 वर्ग फुट में फैला है मेंशन : ग्रेसी मेंशन शहर के पॉश अपर ईस्ट साइड में स्थित है। ईस्ट रिवर के किनारे 10,000 वर्ग

फुट से ज्यादा में फैला यह घर 1799 में बनाया गया था। यह हवेली 1942 से न्यूयॉर्क के मेयर का आवास रही है। हालांकि नियमों के मुताबिम मेयर का वहां रहना जरूरी नहीं है। इसके बाद यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या 34 साल के ममदानी, जिन्होंने किफायती आवास जैसी समस्याओं पर चुनाव प्रचार किया था, अपना साधारण दो-बेडरूम वाला घर छोड़ कर इस विला में शिफ्ट होंगे।

झेल चुके हैं आलोचना : इससे पहले ममदानी को इस बात के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है कि वह शुरू से ही सब्सिडी वाले आवास में रह रहे थे। इस घर के लिए वह हर महीने 2,300 डॉलर का किराया दे रहे थे, जो शहर के मानकों के हिसाब से कम माना जाता है। विरोधियों का तर्क था कि न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य के रूप में उनकी सैलरी और उनकी पत्नी की आय को देखा जाए तो वे किराए की सब्सिडी के बिना भी गुजारा कर सकते थे।

यूरोप का समर्थन जुटाने पर जेलेंस्की का जोर, रूस को क्षेत्र सौंपने से इनकार किया

कीव, एजेंसी। रूस के साथ समझौते के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने किसी भी क्षेत्र को छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है। यूक्रेन के लिए यूरोपीय समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे जेलेंस्की ने कहा, ''निस्संदेह, रूस इस बात पर ज़ोर दे रहा है कि हम अपने क्षेत्र उसे सौंप दें। ज़ाहिर है, हम कुछ भी नहीं छोड़ना चाहते। हम इसी के लिए लड़ रहे हैं। जेलेंस्की ने सोमवार देर रात व्हाट्सएप पर संवाद में पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''क्या हम कोई क्षेत्र छोड़ने पर विचार कर रहे हैं? क़ानून के अनुसार, हमारे पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है। यूक्रेन के क़ानून, हमारे संविधान, अंतरराष्ट्रीय क़ानून और, सच कहूं तो, हमारे पास नैतिक अधिकार भी नहीं है।'' वहीं, 'पोलिटिको' के साथ एक साक्षात्कार में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से ज़ेलेंस्की पर अमेरिका के इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए दबाव डाला कि यूक्रेन रूस को अपना क्षेत्र सौंप दे। जेलेंस्की ने मंगलवार को रोम के बाहर स्थित पोप निवास, कास्टेल गंडोल्फो में पोप लियो 14वें से मुलाकात की। वह इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से भी बातचीत करेंगे। वेटिकन ने कहा कि पोप ने ''बातचीत जारी रखने की आवश्यकता दोहराई और वर्तमान राजनयिक पहल से न्यायपूर्ण एवं स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद जताई। सोमवार को, जेलेंस्की ने लंदन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टारमर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ के साथ बातचीत की। अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने शनिवार को तीन दिन की वार्ता पूरी कर ली, जिसका उद्देश्य अमेरिकी प्रशासन के शांति प्रस्ताव पर मतभेदों को दूर करना था। इस योजना में एक प्रमुख अड़चन यह सुझाव है कि यूक्रेन को डोनबास क्षेत्र का

नियंत्रण रूस को सौंपना होगा। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने क्षेत्र सौंपने के विचार का कड़ा विरोध किया है। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने कल रात देश भर में विभिन्न प्रकार के 110 ड्रोन दागे। अधिकारियों ने बताया कि वायु रक्षा प्रणाली ने 84 ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। पूर्व के हमलों के कारण कई जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रूस के विभिन्न क्षेत्रों और क्रीमिया में 121 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया।

लिथुआनिया ने बेलारूस से आए गुब्बारों पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया

विनियस, एजेंसी। लिथुआनिया की सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। वजह हैं हाल के हफ्तों में बेलारूस से उड़कर आए मौसम संबंधी गुब्बारे, जिन्हें लिथुआनिया अपनी हवाई सीमा का उल्लंघन और सुरक्षा खतरा मान रहा है। इन गुब्बारों की वजह से लिथुआनिया को बार-बार अपना मुख्य हवाई अड्डा बंद करना पड़ा, जिससे हजारों यात्री फंस गए। यूरोप पहले ही यूक्रेन युद्ध के दौरान नाटो देशों की हवाई सीमा में हुई घुसपैठ को लेकर अलर्ट पर है। प्रधानमंत्री इंगा रुगीनीएने ने कहा बेलारूस की इस हाइब्रिड हमले की रणनीति से निपटने के लिए हमें सख्त कदम उठाने होंगे।

केंद्रीय राशि के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में हुई नोक-झोक, मंत्री ने कहा मिलने के लिए समय नहीं देते केंद्रीय मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन गुरुवार को केंद्रीय राशि के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर नोक-झोक हुई। मामले को उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार से अधिकारियों की टीम को दिल्ली जाकर मिलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बार-बार कहा जाता है कि केंद्रीय राशि के लिए विपक्ष सहयोग करे, लेकिन जब उन्होंने इस मामले की पड़ताल की तो पता चला कि केंद्र सरकार की ओर से दी जाने वाली राशि को लेकर कुछ गाइडलाइन होते हैं जिसका पालन करना राज्य के लिए जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गाइडलाइन की जगह राज्य सरकार ने खुद की अपनी गाइडलाइन बना ली इस वजह से केंद्र और राज्य के बीच राशि को लेकर सामंजस्य स्थापित नहीं हो पा रही है। बाबूलाल ने कहा कि वे भी जब क्षेत्र में जाते हैं तो पंचायतों में मुखिया पैसे की कमी की बात कहते हैं। साथ ही उन्?होंने कहा कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने से एसटी और एससी के बच्?चों को काफी परेशानी हो रही है।

उन्?होंने कहा कि केंद्रीय राशि को लेने के लिए केंद्र सरकार की कुछ शर्तें होती हैं, जिसे राज्यों को पूरा करना होता है। उन्होंने कहा कि राशि को लेकर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर या ग्रामीण विकास मंत्री या जरूरत पडे तो मुख?यमंत्री को दिल्ली जाना चा?हिए और इस मामले पर केंद्रीय मंत्रियों से बैठकर मामले को सुलझाना चाहिए। इस मामले में हमसभी सहयोग को तैयार हैं।

नेता प्रतिपक्ष को दी गई है गलत सूचना : मंत्री

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वे सरकार की ओर से कई बार सुन चुके हैं कि 15 में वित्त आयोग की राशि केंद्र की ओर से नहीं दी जा रही है।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष प्रश्नकाल के दौरान यह मामला उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या यह मामला अनुपूरक बजट से संबंधित है, यदि नहीं है तो प्रश्नकाल को चलने देना चाहिए। वहीं मामले पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को किसी ने इस संबंध में गलत सूचना दी है। उन्होंने कहा कि वे 15 में वित्त आयोग के पैसे के लिए पिछले एक वर्ष से प्रयास कर रही हैं। इसे लेकर उन्होंने केंद्र सरकार को कई बार उन्होंने पत्राचार भी किया है। उन्होंने कहा कि 15 में वित्त आयोग के 2700 करोड रुपये के लिए केंद्र सरकार की ओर से शर्तें रखी गई थीं, जिसे हमारी सरकार ने पूरा किया। इसे लेकर विभाग के सचिव और निदेशक के साथ पिछले छह माह से दिल्ली जाकर भी केंद्रीय मंत्रियों से मिलने की कोशिश की, लेकिन मामले में केंद्रीय पंचायती राज मंत्री मिलने का समय ही नहीं देते हैं।

मंत्री ने कहा कि राशि को लेकर केंद्र सरकार की बाद में लगाई गई चार शर्तों को भी हमारी सरकार ने पूरा किया। बावजूद इसके केंद्र की ओर से राशि नहीं दी जा रही है। विभागीय मंत्री ने कहा कि 24 नवंबर को उन्होंने दूरभाष पर भी बात कर केंद्रीय मंत्री से 15 वें वित्त आयोग के 1385 करोड रुपये देने का आग्रह किया।

साथ ही उन्होंने इसे लेकर दिल्ली में केंद्रीय संचिव विवेक भारद्वाज से मिलकर राशि देने का आग्रह किया था। इस पर उन्होंने राशि जल्द मुहैया कराने की बात कही, लेकिन फिर भी केंद्र सरकार की ओर से अब तक राशि उपलब्ध नहीं कराई गई।

संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि अफसोस की बात है कि केंद्र सरकार की ओर से जानबूझकर राशि नहीं दी जा रही है।

जनता दरबार का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना :डीसी

बिभा संवाददाता

सिमडेगा: उपायुक्त कंचन सिंह की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुँचकर अपनी समस्याएँ रखीं। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की बात को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है।

जनता दरबार के दौरान ग्रामीणों ने सड़क निर्माण, विद्यालय संचालन से जुड़े अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं होने, गुलजार गली स्थित स्टेडियम के पास बने कचरा डंपिंग यार्ड को हटाने, राशन दुकान परिवर्तित करने, भरण-पोषण भत्ता उपलब्ध कराने जैसी कई समस्याएँ रखीं। इसके अलावा मैरिज सर्टिफिकेट पर पंचायत सचिव द्वारा हस्ताक्षर नहीं करने, सहायक आचार्य नियुक्ति पत्र से संबंधित जटिलताओं, अबुआ आवास योजना के लाभ, होमगार्ड में बॉन्ड भरने से वंचित रखने, सड़क चौड़ीकरण के दौरान भूमि अधिग्रहण मुआवजा, बंद बैंक खाते को चालू कराने, विधवा पेंशन का लाभ दिलाने और पारिवारिक विवादों से जुड़े मामले भी सामने आए।

उपायुक्त ने उपस्थित पदाधिकारियों को मामलों का शीघ्र निपटारा करते हुए लाभुकों को उचित सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने विभागों को जनहित से जुड़े मामलों में प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने का आग्रह किया।

जनता दरबार में अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, जिला पंचायती राज पदाधिकारी दयानंद कार्जी, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय बखला, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत दुमका स्टेशन पर नाबालिग लड़के का रेस्क्यू

आसनसोल: ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत तत्परता और मानवीय संवेदना दिखाते हुए रेलवे सुरक्षा बल , पोस्ट दुमका के कर्मियों ने 10 दिसंबर 2025 को दुमका रेलवे स्टेशन पर एक नाबालिग लड़के को बचाया। प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर लगभग 17:00 बजे नियमित गश्त के दौरान एक 14 वर्षीय लड़का नमीम अंसारी अकेला बैठा हुआ और परेशान अवस्था में दिखाई दिया। पूछताछ पर लड़के ने बताया कि वह गलती से एक ट्रेन में चढ़ गया था और बिना किसी को बताए दुमका पहुंच गया। उसके पिता का नाम रामजनी अंसारी, निवासी जिला गोड्डा, झारखंड दर्ज किया गया। घटना की सूचना तुरंत स्टेशन अधीक्षक/दुमका और चाइल्ड हेल्प डेस्क के कर्मचारियों को दी गई। नाबालिग को सुरक्षित रूप से आर . पी.एफ पोस्ट दुमका लाया गया, जहां उसे देखभाल और संरक्षण प्रदान किया गया। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, दुमका के सुपुर्द कर दिया गया। आर. पी.एफ का यह त्वरित और संवेदनशील कदम आसनसोल मंडल की सतर्कता और यात्री-केंद्रित कार्यप्रणाली को दशार्ता है, जो बाल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए अपने रेलवे नेटवर्क में सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

ऑपरेशन सतर्क के तहत जसीडीह स्टेशन पर अवैध शराब बरामद

आसनसोल: ऑपरेशन सतर्क के तहत किए गए सतर्कता अभियान के दौरान 11 दिसंबर 2025 को जसीडीह रेलवे स्टेशन पर बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई। आरपीएफ कर्मियों को ट्रेन नंबर 12325 नंगल डैम एक्सप्रेस के कोच एम-1 में टॉयलेट के पास रखे दो अनजान नीले-सफेद कपड़े के बैग जिन पर सिग्नेचर अंकित था, के बारे में सूचना मिली। ट्रेन के पहुंचने पर आरपीएफ टीम ने कोच का निरीक्षण किया और बैगों को अनदेखा पाया। यात्री, कोच अटेंडेंट और सफाई कर्मचारी उनके स्वामित्व के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सके। बैगों को जाँच के लिए उतारा गया, जिससे 14 बोतल रॉयल स्टैग (375 मिली), 13 बोतल रॉयल चैलेंज (375 मिली) और 15 बोतल आइकोनिक व्हाइट (375 मिली) बरामद हुई, कुल मिलाकर 15.750 लीटर। शराब को 12:30 बजे से 12:50 बजे के बीच उपस्थित गवाहों की मौजूदगी में विधिक प्रक्रिया के अनुसार जब्त किया गया। कानूनी औपचारिकताओं के पूर्ण होने के बाद बरामद वस्तुएँ आरपीएफ पोस्ट जसीडीह लाई गई और बाद में आगे की कार्रवाई के लिए एक्साइज विभाग को सौंप दी गई। आरपीएफ की त्वरित और सतर्क कार्रवाई से यह सुनिश्चित हुआ कि अवैध शराब रेलवे प्रणाली में आगे न बढ़ सके, जिससे आसनसोल मण्डल में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सुरक्षित और संरक्षित वातावरण बना रहा।

हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

भुवनेश्वर : पूर्वी तट रेलवे (ईसीआर) की 56वीं क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आज भुवनेश्वर स्थित रेल सदन में पूर्वी तट रेलवे के महाप्रबंधक श्री परमेश्वर फंकवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आधिकारिक संचार में हिंदी के प्रयोग को सुदृढ़ करने और भारत सरकार की राजभाषा नीति का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए ईसीआर की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। बैठक के दौरान, महाप्रबंधक ने रेलवे प्रणाली में संचार मानकों को बेहतर बनाने में राजभाषा विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी स्टेशनों पर स्टेशन साइनबोर्ड सटीक, त्रुटि रहित और सही ढंग से हिंदी में प्रदर्शित होने चाहिए, ताकि रेलवे और उसके सम्मानित यात्रियों के बीच स्पष्ट और प्रभावी संचार सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर, हिंदी में आवश्यक कोच बोर्ड और साइनेज की मानक सूची वाला एक विशेष ब्रोशर जारी किया गया। बैठक में श्री आलोक सहाय, प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी सहित प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

ब्राउन शुगर तस्करी के आरोप में छह गिरफ्तार, 60 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद

बिभा संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। शहर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने सीतारामडेरा और मानगो क्षेत्र में अलगझ्रअलग जगहों पर छापेमारी कर कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से 60 पुड़िया ब्राउन शुगर, नकदी और मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए अधिकांश आरोपित पूर्व से ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं और कई बार जेल जा चुके हैं। गुरुवार को पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय-1 भोला प्रसाद ने बताया कि बीती रात करीब 7.40 बजे पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि सीतारामडेरा स्लैग रोड स्थित न्यू सीतारामडेरा पार्क में ब्राउन शुगर का सौदा किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और वहां से बादल बनिया (25) और गौरव राम (25) को मौके से दबोच लिया। तलाशी के दौरान इनके पास से 15 पुड़िया ब्राउन शुगर और नगद राशि बरामद की गई। दोनों पर हत्या, चोरी, लूट, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। बादल बनिया हाल ही में चर्चित टकलू हत्याकांड में जेल से बाहर आया था।

इसी दौरान मानगो पुल के पास स्वर्णरेखा नदी किनारे भी पुलिस टीम ने अलग से छापेमारी अभियान चलाया। यहां भी अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीदझ्रफरोख्त की जा रही थी। वहीं पुलिस ने अन्?य चारों आरोपित शिवाजी गोप उर्फ नाडू, सर्जन कुमार उर्फ साजन, अता मोहम्मद और टुनटुन यादव को भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि इनके कब्जे से 45 पुड़िया ब्राउन शुगर, 6,650 रुपये नगद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार इन चार में से तीन आरोपित पहले भी नशा कारोबार, मारपीट, चोरी और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों में जेल जा चुके हैं और लगातार अपराध में लिप्त रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले दिनों में इस कार्रवाई को और व्यापक किया जाएगा। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि सभी आरोपितों प्रक्रिया पूरी होने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

लाभुक को मिला मुआवजा राशि का चेक

बिभा संवाददाता

सिमडेगा: बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सिमडेगा शाखा द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबी) के अंतर्गत नामांकित लाभार्थी सुभाषिनी कुल्लू को 2,00,000 की बीमा राशि प्रदान की गई। यह राशि उपायुक्त, सिमडेगा कंचन सिंह के कर-कमलों से सौंपी गई।

इस अवसर पर शिखा कुमारी चौधरी, अंचल प्रबंधक, राँची अंचल, बैंक ऑफ महाराष्ट्र सहित सिमडेगा के अपर समाहर्ता, शाखा प्रबंधक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उपायुक्त ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रयासों की सराहना की तथा कहा कि बैंक द्वारा समय पर बीमा राशि उपलब्ध कराना सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय कदम है। अंचल प्रबंधक ने कहा कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है। बैंक भविष्य में भी इसी तरह लाभकारी योजनाओं के माध्यम से जनता की सेवा हेतु प्रतिबद्ध है।

अवैध अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चतरा। पुलिस ने 15 लाख रुपये की अवैध अफीम के साथ दो लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। चतरा एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग लोटार डैम के पास अवैध अफीम खरीदने और बेचने वाले हैं। एसडीपीओ सिमरिया शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम बनाई गई। गिद्धौर थाना अंतर्गत लोटार डैम से रोहमर जाने वाले रास्ते में दो लोग संदिग्धपुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस टीम के जरिये दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से 3.012 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद किया गया। जिसकी अनुमानित रकम करीब 15 लाख रुपये है। दोनों आरोपितों पप्पू कुमार और बबलू कुमार महतो को न्यायिक हिरासत में चतरा जेल भेज दिया गया है।

सीआरपीएफ के जवान सुजीत के मौत के बाद परिवार में कोहराम

बिभा संवाददाता

कोडरमा। सीआरपीएफ के जवान सुजीत के मौत के बाद उनके परिवार में कोहराम मचा है। जिले के नवलशाही थाना अंतर्गत देवीपुर गांव निवासी सीआरपीएफ के जवान सुजीत ने जम्मू कश्मीर में ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मार कर खुदकुशी कर ली।

मृतक सुजीत कुमार सिंह (27) के बड़े भाई विकास कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार रात उनके मोबाइल पर कश्मीर के सीआरपीएफ के एरिया कमांडर का फोन आया और सूचना मिली कि उनके भाई की मौत हो गई है। यह सुनते ही विकास बदहवास हो गया और आगे कुछ भी बात नहीं कर पाया। मौत की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। कश्मीर के एक निजी चैनल के अनुसार सुजीत ने ड्यूटी के दौरान सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। श्रीनगर के बाहरी इलाके निशात के करपुरा ब्राने में नाका ड्यूटी के दौरान बुधवार देर रात उसने अपनी ही सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी मौत हो गई है। वह 54वीं बटालियन में थे और ब्रेइन निशात में तैनात थे। कश्मीर की पुलिस ने बताया कि कार्यवाही शुरू कर दी गई है और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। हालांकि खुदुकुशी की खबर पर आधिकारिक रुप से किन्ही का अब तक बयान नहीं आया है। सुजीत का विवाह इसी साल मई महीने में हुआ था। उनके बड़े भाई विकास के अनुसार पार्थिव शरीर गुरुवार देर रात तक रांची एयरपोर्ट पहुंचेगा जिसके बाद मरकच्चो लाया जाएगा। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को किया जाएगा।

पांच दिवसीय अन्तर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : बलदेव साहू महाविद्यालय में रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत आयोजित पांच दिवसीय अन्तर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन का चौथा दिन था। आज 02 सेमीफाइनल मैच खेले गए। आज के दिन दोनों सेमीफाइनल मैच में दो शतक लगे। जिसमें एस.एस.मेमोरियल टीम के ओर से शनि सचिन तिवारी ने 58 बॉल में107 रन और बी. एस. कॉलेज की टीम के ओर से हिमांशु गुप्ता ने 39 बॉल पर 111 रन बनाए। जबकि आज के दूसरे सेमीफाइनल में प्रतियोगिता में बी. एस. कॉलेज के ओर से सर्वाधिक बड़ा स्कोर 246 रन बना। पहला सेमीफाइनल एस.एस.मेमोरियल महाविद्यालय बनाम डोरंडा महाविद्यालय के बीच खेला गया। एस.एस.मेमोरियल महाविद्यालय की टीम पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 06 विकेट खोकर 200 रन बनाई। जिसमें एस.एस.मेमोरियल के ओर से शनि सचिन तिवारी ने 58 बॉल पर शानदार 107 रन बनाए, जबकि आशीष कुमार ने 23 बॉल पर 26 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डोरंडा महाविद्यालय की टीम ने 20 ओवर में 09 विकेट खोकर 131 रन ही बना सकी और 69 रन से मैच हार गई। डोरंडा महाविद्यालय टीम के ओर से युवराज सिंह ने 47 बॉल में 59 रन बनाए। एस. एस. मेमोरियल के ओर से अभिषेक ने 34 रन देकर 04 और सिद्धांत ने 24 रन देकर 04 विकेट लिया। डोरंडा महाविद्यालय टीम के ओर से 32 रन देकर 03 विकेट लिए।

दूसरा सेमीफाइनल मैच बी. एस. कॉलेज लोहरदगा एवं गोस्सनर महाविद्यालय रांची के बीच खेला गया। बी. एस. कॉलेज को टीम पहले बैटिंग करते हुए 246 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। बी. एस. कॉलेज के ओर से 39 बॉल में 111 रन बनाए। जबकि प्रेम कुमार ने 19 बॉल में 46 रन बनाए।गोस्सनर महाविद्यालय की ओर से सर्वाधिक 42 रन 21 बॉल में विशाल ने बनाई। गोस्सनर महाविद्यालय के ओर अमृत उरांव ने 15 रन देकर 03 विकेट लिया। विशाल को मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

अभी यह प्रतियोगिता 12 दिसंबर तक चलती रहेगी। आज के मैच में राँची विश्वविद्यालय के क्रिकेट चयन समिति केअध्यक्ष श्री जय कुमार सिंह एवं सदस्य श्री चंचल भट्टाचार्य,लोहरदगा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव श्री आलोक राय, बलदेव साहु महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शशि कुमार गुप्ता, खेल प्रभारी प्रो आनंद मांझी, महाविद्यालय के पी.टी.आई. श्री सोनू बड़ाईक, डॉ संतोष, डॉ सुमन, प्रो अजित,डॉ संजय, डॉ रोशन, प्रो अर्जुन, प्रो शेरॉन, प्रो अंबिका, डॉ निखिल, डॉ अजय, डॉ बूटन, प्रो मुकेश, प्रो रेखा डॉ पुष्पा, प्रो दीप, प्रो सतीश और शिक्षकेतर कर्मी श्री प्रकाश, श्री निराव, श्री रत्नेश श्री सचिन,मनीष,रोहन, अमरदीप, रोहित, निखिल, अशोक एवं अन्य उपस्थित थे।

नोआमुंडी में टाटा स्टील ने मनाया शताब्दी समारोह

बिभा संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम । पश्चिमी सिंहभूम जिला में टाटा स्टील नोआमुंडी ने अपने खनन संचालन के 100 वर्षों के ऐतिहासिक सफर को गुरुवार को भव्य शताब्दी वर्ष समारोह के साथ मनाया। इस अवसर पर टाटा स्टील के वरिष्ठ अधिकारी, वर्तमान और पूर्व कर्मचारी, तथा यूनियन सदस्य एकत्र हुए, ताकि एक शताब्दी लंबे खनन उत्कृष्टता, तकनीकी प्रगति और सामुदायिक विकास की उपलब्धियों को याद किया जा सके।

अतुल भटनागर, जनरल मैनेजर, ओरे माइन्स एंड क्वार्रीज ने स्वागत भाषण में नोआमुंडी के सफर और वहां अपनाई गई नवाचार, सुरक्षा, सतत विकास और मानव-केंद्रित मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की पीढ़ियों ने इस खदान की समृद्ध विरासत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पेज पेज फ्रॉम द पास्ट नामक अनुभूति सत्र में वर्तमान और पूर्व नेताओं ने यादें साझा कीं। डी बी सुंदर रामम, उपाध्यक्ष, कॉर्पोरेट सर्विसेज ने नोआमुंडी में अपने अनुभवों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इसके बाद ए. एम. मिश्रा और ए. डी. बैजल ने भी खदान के ऐतिहासिक क्षणों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका को साझा किया।

समारोह का मुख्य आकर्षण स्मारक स्मृति-पुस्तक और कॉफी टेबल बुक का विमोचन था, जिसे टाटा स्टील के सीईओ एवं एमडी टीवी नारेंद्रन, वाइस प्रेसीडेंट सैंडिप कुमार और जीएम ओएमक्यू ने संयुक्त रूप से जारी किया। यह पुस्तक नोआमुंडी के 100 साल के सफर को चित्रों और कहानियों के माध्यम से दशार्ती है।

सीईओ एवं एमडी ने कहा कि नोआमुंडी टाटा स्टील की वृद्धि में अहम भूमिका निभाती रही है और यह सतत खनन, जिम्मेदार प्रबंधन और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत करती है। शताब्दी समारोह उन सभी पीढ़ियों को समर्पित है जिन्होंने 1925 से आज तक नोआमुंडी को भारत की सबसे आधुनिक और जिम्मेदार खदानों में से एक बनाने में योगदान दिया।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com